जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 51 संख्याः 288 प्रभात कोटा, शनिवार 1 अगस्त, 2026 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

अभिजीत दीपके ने प्रधानमंत्री मोदी पर बहुत भद्दा कटाक्ष किया

इससे नहीं लगता कि छात्रों व सरकार के बीच यह मामला किसी सम्मानजनक तरीके से सिमटेगा

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 जुलाई। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तंज कसते हुए कहा, "देश के भविष्य से ज़्यादा आपकी चमड़ी चमक रही है।"

महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजी नगर स्थित अपने गृह नगर लौटने के बाद दीपके ने प्रधानमंत्री मोदी पर एक और निशाना साधा। उन्होंने संशोधित पेपर लीक विरोधी कानून पर प्रधानमंत्री द्वारा देर रात इंस्टाग्राम पर डाले गए वीडियो का मज़ाक उड़ाया।

दीपके ने मोदी की पोस्ट के कमेंट सेक्शन में लिखा, "देश के भविष्य से ज़्यादा आपकी चमड़ी चमक रही है।"

यह टिप्पणी उस समय आई, जब प्रधानमंत्री मोदी ने संसद से "लोक परीक्षाएं (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026" पारित होने पर सैल्फी शैली का एक वीडियो जारी किया। उन्होंने इसे भारत की परीक्षा व्यवस्था की विश्वसनीयता बहाल करने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया।

- ऐसी संभावना है कि प्रधानमंत्री की छवि को ठेस पहुँचाने के प्रयास को भाजपा स्वीकार नहीं करेगी और करारा जवाब देगी।
- प्रधानमंत्री के शुक्रवार रात आए सैल्फी स्टाइल वीडियो पर दीपके ने कटाक्ष किया है कि "आपकी स्किन देश के भविष्य से ज्यादा चमकदार है।"
- छात्रों को लगता है कि प्रधानमंत्री और सरकार उनकी समस्याओं के प्रति संवेदनशील नहीं है, वहीं सत्ता पक्ष को लगता है, छात्रों का व्यवहार बेहद असम्मानजनक है।
- दोनों पक्ष खुद को सही और दूसरे पक्ष को असंवेदनशील मानते हैं तथा असम्मानजनक तरीके से देखते हैं।
- दोनों ओर से राजनीतिकरण की बदबू आ रही है और ऐसा लगता है कि दोनों पक्षों के बीच इस मसले का सम्मानजनक समाधान होने की संभावना कम है।

गुरुवार देर रात पोस्ट किए गए इस वीडियो को अब तक 6.3 करोड़ से अधिक बार देखा जा चुका है। वीडियो में प्रधानमंत्री ने इस विधेयक की सराहना करते हुए कहा कि इससे, कड़ी सजा, तकनीक आधारित सुधार और तेज जांच के जरिए, परीक्षा में होने वाली धोखाधड़ी पर रोक लगाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारें इस दिशा में ठोस कदम उठाने में असफल रही थीं।

मोदी ने कहा, "विश्वसनीय परीक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए हम लगातार एक के बाद एक कदम उठा रहे हैं।" उन्होंने बताया कि सरकार ने एक टास्क फोर्स बनाई है, फास्ट-ट्रैक व्यवस्था तैयार की जा रही है और परीक्षा प्रणाली को मजबूत करने के लिए राज्यों से भी सलाह ली जा रही है।

उन्होंने कहा, "पेपर माफिया, पेपर लीक में शामिल कोई भी गिरोह और देश के बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ करने वाला कोई भी व्यक्ति बख्शा नहीं जाएगा।"

दीपके, जो एक महीने से अधिक समय तक सीजेपी के आंदोलन का नेतृत्व करने के बाद हाल ही में घर लौटे हैं, ने लगभग एक घंटे बाद जवाब देते हुए लिखा, "देश के भविष्य से ज़्यादा आपकी चमड़ी चमक रही है।"

संशोधित कानून के तहत, परीक्षा में धोखाधड़ी करने वालों के लिए 5 से 10 साल तक की जेल और 50 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा, समयबद्ध जांच अनिवार्य की गई है और राज्यों को पेपर लीक के मामलों के लिए फास्ट-ट्रैक अदालतें स्थापित करनी होंगी। यह कानून इस वर्ष, खासकर नीट-यूजी परीक्षा में पेपर लीक के नए आरोपों के बाद, लाया गया। इन घटनाओं के कारण कई छात्रों ने आत्महत्या कर ली थी और देशभर में छात्रों का बड़ा आंदोलन शुरू हो गया था।

संसद से विधेयक पारित होने से

(शेष पृष्ठ 5 पर)

पंचायत-निकाय चुनावों पर अवमानना याचिकाएं सारहीन- हाई कोर्ट

जयपुर, 31 जुलाई। राजस्थान हाईकोर्ट की खंडपीठ ने पंचायत और निकाय चुनाव कराने को लेकर पूर्व में 22 मई को दिए आदेश की पालना नहीं होने से जुड़ी अवमानना याचिकाएं शुक्रवार को निस्तारित कर दीं। जस्टिस सुदेश बंसल व जस्टिस बलजिंदर सिंह संधू ने यह निर्देश पूर्व एमएलए संयम

- अदालत ने कहा, ये चुनाव अब 15 नवंबर तक करवाने हैं, इसलिए याचिकाएं आगे सुनवाई के योग्य नहीं हैं।

लोढ़ा व गिरिराज सिंह देवंदा की अवमानना याचिकाओं पर दिया।

सुनवाई के दौरान प्रार्थी पक्ष के अधिवक्ता पुनीत सिंघवी व प्रेमचंद देवंदा ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में पंचायत व निकाय चुनाव का समय बढ़वाने के लिए खंडपीठ में प्रार्थना पत्र दायर किया था। जिस पर अब राज्य सरकार को पंचायत व निकाय चुनाव 15 नवंबर तक करवाने हैं। इसलिए ये अवमानना याचिकाएं सारहीन हो गई हैं और आगे सुनवाई योग्य नहीं हैं। इसलिए इन्हें वापस लेने की अनुमति दी जाए।

खंडपीठ ने प्रार्थी पक्ष को सुनने के बाद अवमानना याचिकाओं को वापस लेने की अनुमति देते हुए निस्तारित कर दिया।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

शहज़ाद पूनावाला ने भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता पद से इस्तीफा दिया

पूनावाला ने अपने एक्स हैंडल से भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता पद हटा दिया है, लेकिन "प्र.मंत्री के आजीवन अनुयायी" का टैग कायम रखा है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 जुलाई। टीवी बहसों में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी का सबसे प्रमुख चेहरा माने जाने वाले शहज़ाद पूनावाला ने पार्टी छोड़ दी है। गुरुवार को पूनावाला ने अपने एक्स प्रोफाइल से "भाजपा राष्ट्रीय प्रवक्ता" हटाकर, केवल "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आजीवन अनुयायी" लिखा।

उन्होंने अपने एक्स बायो से भाजपा का उल्लेख हटा दिया है। हालांकि, अब तक उनके इस्तीफे को लेकर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

सूत्रों के हवाले से आई रिपोर्टों के अनुसार, पूनावाला पार्टी से इस्तीफा दे चुके हैं। सीएनएन-न्यूज़-18 ने सूत्रों के हवाले से बताया कि उन्होंने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को अपना इस्तीफा सौंप दिया और इसके पीछे "व्यक्तिगत कारण" बताए। लेकिन पूनावाला अब भी स्वयं को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का "आजीवन अनुयायी" बताते हैं।

शहज़ाद पूनावाला ने वर्ष 2017 में कांग्रेस के अध्यक्ष पद के चुनाव को

- हालांकि, अभी तक शहज़ाद पूनावाला के इस्तीफे पर कोई अधिकृत प्रतिक्रिया नहीं आई है।
- बताया जाता है कि शहज़ाद पूनावाला ने पार्टी नेताओं को जो इस्तीफा भेजा है, उसमें निजी कारणों से इस्तीफा देने का उल्लेख किया है। पूनावाला 2017 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आए थे।
- पूनावाला प्र.मंत्री मोदी के कट्टर समर्थक हैं और टीवी पर विपक्षी दलों, खासकर कांग्रेस पर बेहद तीखा हमला करने के लिए जाने जाते हैं। उनका कहना है कि सिर्फ भाजपा ही है, जिसमें सभी को मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि भाजपा ही है, जो नरेन्द्र मोदी जैसे "सैल्फ मेड" व्यक्ति को प्रधानमंत्री बना सकती है।
- पूनावाला ने कहा कि युवाओं की एक मात्र हितैषी भाजपा ही है।

लेकर हुये विवाद के बाद कांग्रेस छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया था। भाजपा में शामिल होने के बाद उन्हें राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाया गया।

पूनावाला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा के प्रबल समर्थक रहे हैं। वे टीवी बहसों और अन्य मंचों पर अपने आक्रामक बयानों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने कई बार कांग्रेस और उसके नेताओं, विशेषकर राहुल गांधी, पर सोशल मीडिया के जरिए से तीखे हमले किए हैं। शुक्रवार को पूनावाला ने अपने एक पुराने साक्षात्कार की वीडियो क्लिप

(शेष पृष्ठ 5 पर)

'चुनाव आयुक्त की नियुक्ति में प्र.मंत्री पर संदेह का कोई कारण नहीं है'

केन्द्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में मुख्य चुनाव आयुक्त व दो अन्य चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया पर जवाब पेश किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 जुलाई। केन्द्र सरकार ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) और अन्य निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति की वर्तमान प्रक्रिया का जोरदार बचाव करते हुए सुप्रीम कोर्ट से कहा कि प्रधानमंत्री, एक केन्द्रीय मंत्री और लोकसभा में विपक्ष के नेता वाली तीन सदस्यीय समिति द्वारा की जाने वाली नियुक्तियों में प्रधानमंत्री की भूमिका पर संदेह करने का कोई कारण नहीं है।

सरकार ने तर्क दिया कि

(शेष पृष्ठ 5 पर)

- सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि प्रधानमंत्री के पद की एक गरिमा व पवित्रता होती है, अगर उनके निर्णय पर भरोसा नहीं किया जा सकता तो क्यों ना ऐसा प्रावधान भी कर दिया जाए कि केन्द्र में मंत्री की नियुक्ति की प्रक्रिया में वे किसी पूर्व जज या किसी बाहरी व्यक्ति से सलाह लें।
- ज्ञातव्य है कि मुख्य चुनाव आयुक्त और चुनाव आयुक्त की नियुक्ति के लिए जो पुराना पैनल था, उसमें प्र.मंत्री, नेता प्रतिपक्ष और सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश शामिल थे, पर इसमें संशोधन करके सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस की जगह एक केन्द्रीय मंत्री को शामिल किया गया है।

दो दिन में 25 लाख कांवड़ियों ने गंगाजल भरा

हरिद्वार, 31 जुलाई। कांवड़ मेले के दूसरे दिन हरिद्वार में शिवभक्तों का सैलाब उमड़ पड़ा। पुलिस कंट्रोल रूम से मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को 14 लाख 55 हजार श्रद्धालु पवित्र गंगाजल लेकर अपने गंतव्य के लिए रवाना हुए।

कांवड़ यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक कुल 25 लाख 10 हजार

- हरिद्वार में शिव भक्तों की भारी भीड़ के लिए प्रशासन ने विशेष व्यवस्था की।

शिवभक्त हरिद्वार से गंगाजल लेकर विभिन्न राज्यों के लिए प्रस्थान कर चुके हैं। श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार वृद्धि को देखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन पूरी सतर्कता के साथ व्यवस्थाओं का संचालन कर रहे हैं।

जिला प्रशासन ने सभी शिवभक्तों से अपील की है कि वे यात्रा के दौरान निर्धारित मार्गों का उपयोग करें और प्रशासन तथा पुलिस द्वारा जारी दिशा निर्देशों का अनुपालन करें।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

एमनैस्टी इंटरनैशनल ने एक बार फिर भारत पर सवाल उठाया

एमनैस्टी इंटरनैशनल का आरोप है कि भारत ने इज़रायल को सैन्य सहायता दी, जबकि इस साजो सामान का इस्तेमाल गाज़ा में होने का पूरा खतरा था

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 जुलाई। एमनेस्टी इंटरनेशनल की हालिया रिपोर्ट में, गाज़ा में इज़रायल के युद्ध के संदर्भ में भारत की संभावित संलिप्तता की ओर संकेत किया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, 7 अक्टूबर 2023 से 30 नवंबर 2025 के बीच भारत से इज़राइल को हथियारों, गोला-बारूद, पुर्जों और सैन्य उपकरणों की 2,596 खेप भेजी गईं।

"मेड इन इंडिया : द सप्लाई ऑफ वैपन्स एण्ड एमुनिशन टू इज़रायल" शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में व्यापार संबंधी आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है। इसमें दावा किया गया है कि भारत से मशीनगनों के पुर्जे, तोप के गोले के घटक, विस्फोटक वॉरहेड तथा

- एमनैस्टी इंटरनैशनल ने अपनी रिपोर्ट "मेड इन इंडियाः द सप्लाई ऑफ वैपन्स एण्ड एम्युनिशन टु इज़रायल" में कहा है कि 7 अक्टूबर 2023 से 30 नवम्बर 2025 तक भारत ने इज़रायल को 2,596 शिपमैंट भेजे, जिनमें हथियार, अस्लाह, सैन्य उपकरण व कलपुर्जे, विस्फोटक वॉर हैड्स शामिल थे। ये शिपमैंट्स इज़रायल की रक्षा फर्मों, एल्बिट सिस्टम्स और राफेल एडवांस डिफैंस सिस्टम्स को भेजे गए थे।
- भारतीय विदेश मंत्रालय ने रिपोर्ट के निष्कर्षों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि भारत से होने वाला हथियारों का निर्यात राष्ट्रीय नियमों और अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के अनुरूप है। इज़रायल के साथ रक्षा संबंध रणनीतिक सहयोग का हिस्सा हैं, यह किसी सैन्य अभियान का समर्थन नहीं है और किसी एक प्रकरण से इसमें परिवर्तन भी नहीं हो सकता है।

बख्तरबंद वाहनों के कल-पूर्जे जैसी सामग्री इज़रायल की प्रमुख रक्षा कंपनियों एल्बिट सिस्टम्स और राफेल एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम्स को भेजी गई।

राजनीतिक दृष्टि से यह रिपोर्ट भारत में राजनैतिक बहस को और तेज कर सकती है। संभावना है कि विपक्षी दल और सिविल सोसायटी संगठन इसका हवाला देकर सरकार की विदेश नीति की प्राथमिकताओं की आलोचना करेंगे और रक्षा निर्यात में अधिक पारदर्शिता की मांग करेंगे। फ़िलिस्तीन समर्थक समूह विरोध प्रदर्शन कर सकते हैं या अदालतों का रुख कर सकते हैं। लेकिन उम्मीद है कि सत्तारूढ़ गठबंधन अपने रुख पर कायम रहेगा। सरकार

(शेष पृष्ठ 5 पर)

गंगनहर में डूबने से चार कांवड़ियों की मौत

हरिद्वार, 31 जुलाई। हरिद्वार के ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र स्थित जटवाड़ा पुल के पास शुक्रवार को एक दर्दनाक हादसे में चार कांवड़ियों की गंगनहर में डूबने से मौत हो गई। सभी मृतक चंडीगढ़ से कांवड़ यात्रा पर

- ये सभी चंडीगढ़ से कांवड़ यात्रा में हरिद्वार आए थे।

हरिद्वार आए थे और उनकी उम्र करीब 16 से 18 वर्ष बताई जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जटवाड़ा पुल के पास स्नान के दौरान एक कांवड़िया गहरे गड्ढे में फंसकर डूबने लगा। उसे बचाने के लिए उसके तीन साथी भी पानी में उतर गए, लेकिन वे भी गहराई का अंदाजा नहीं लगा सके और चारों गंगनहर में लापता हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

बताया जा रहा है कि गंगनहर में सिल्ट सफाई के कारण जलस्तर कम

(शेष पृष्ठ 5 पर)

जयपुर ग्रामीण में भाजपा प्रत्याशी की मात्र 1615 वोटों से विवादित जीत का मामला फिर गरमाया, चुनाव आयोग कटघरे में

हाईकोर्ट ने चुनाव अधिकारियों को मामले में आवश्यक पक्षकार बने रहने का फैसला दिया

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 31 जुलाई। जयपुर ग्रामीण के वर्ष 2024 में हुये संसदीय चुनाव का मामला फिर गरमा गया है। जैसा कि विदित है कि इस चुनाव में भाजपा प्रत्याशी राव राजेन्द्र सिंह की कांग्रेस प्रत्याशी अनिल चोपड़ा के विरुद्ध बड़ी विवादित और बहुत ही कम अंतर से जीत हुई थी। इस विवाद को लेकर हाईकोर्ट में दायर चुनाव याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायाधीश विनोद कुमार भारवानी ने चुनाव आयोग और उसके अफसरों के आवेदन को खारिज करते हुए आदेश दिया है और कहा है कि वह इस मामले में आवश्यक पक्षकार बने रहेंगे।

- अदालत ने कहा कि एक ओर तो चुनाव अधिकारियों ने कांग्रेस प्रत्याशी अनिल चोपड़ा की "री-काउंटिंग" की गुहार को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि खारिज किये गये डाकमत 1225 ही हैं जो जीत के अंतर रद्द करने के लिये पर्याप्त नहीं, फिर इन्हीं अफसरों ने सूचना के अधिकार में दी जानकारी में खारिज किये गये डाकमतों की संख्या 2738 बताई।
- अदालत ने कहा कि जिला मजिस्ट्रेट, जो निर्वाचन अधिकारी भी हैं, उप निर्वाचन अधिकारी, मुख्य निर्वाचन अधिकारी और चुनाव आयोग के राजस्थान क्षेत्र के सचिव ही इस विवाद का स्पष्टीकरण दे सकते हैं, इसीलिये आवश्यक पक्षकार बने रहे।
- याचिकाकर्ता अनिल चोपड़ा के वकील संजय शर्मा ने कहा कि 2024 में हुए चुनावों में चुनाव आयोग ने यह फैसला लिया था कि डाक मतों की गणना पहले की जायेगी और उसके बाद ही ईवीएम मशीन से दिये गये मतों की, परंतु, जयपुर ग्रामीण के चुनाव में डाक मतों की गणना बाद में की गई। इस सबसे मतगणना पर कई सवाल पैदा हो जाते हैं।

अदालत ने कहा कि चुनाव आयोग के अफसरों ने ही याचिकाकर्ता अनिल चोपड़ा की "रिकाउंटिंग" की गुहार को रद्द करते हुए कहा था कि मतगणना में मात्र 1225 डाकमत ही निरस्त किये गये हैं और यह संख्या भाजपा प्रत्याशी को मिले वोट के अंतर, 1615, से कम है, ऐसे में किसी भी सूरत में कांग्रेस प्रत्याशी चुनाव का परिणाम नहीं बदल पायेंगे। बाद में इन्हीं चुनाव अधिकारियों ने ही अनिल चोपड़ा की सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी में निरस्त किये गये डाकमतों की संख्या 2738 बताई। इन तथ्यों के मद्देनजर रखते हुए अदालत ने जयपुर ग्रामीण चुनाव क्षेत्र के जिला मजिस्ट्रेट- कम-निर्वाचन अधिकारी, उप निर्वाचन अधिकारी, मुख्य निर्वाचन अधिकारी और चुनाव आयोग के राजस्थान क्षेत्र के

(शेष पृष्ठ 5 पर)

मुस्लिम समाज ने भोजशाला के पीछे जुमे की नमाज़ अदा की

धार, 31 जुलाई। मध्य प्रदेश के धार जिला मुख्यालय स्थित ऐतिहासिक भोजशाला परिसर के पीछे बाउंड्रीवॉल से सटी खसरा नंबर 612 की जमीन पर मुस्लिम पक्ष ने शुक्रवार को जुमे की नमाज अदा की।

दरअसल, उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद मुस्लिम पक्ष ने जिला

- प्रशासन ने गीली जमीन पर तिरपाल बिछाई और बैरिकेडिंग की।

प्रशासन से चर्चा के दौरान इस जमीन पर नमाज अदा करने की सहमति जताई थी। शुक्रवार को यहां बड़ी संख्या में नमाजी पहुंचे और जुमे की नमाज अदा की। इससे पहले प्रशासनिक अमले ने बारिश से गीली जमीन पर तिरपाल बिछाई। पूरे क्षेत्र की बैरिकेडिंग कर दी।

(शेष पृष्ठ 5 पर)

निगम आयुक्त ने अधिकारियों को बस में साथ लेकर शहर का निरीक्षण किया

कोटा नगर निगम आयुक्त ने वरिष्ठ अधिकारियों को साथ शहर का दौरा किया।

कोटा, (निसं)। नगर निगम द्वारा करवाए जा रहे विकास कार्यों के निरीक्षण तथा जन समस्याओं को चिन्हित कर उनके त्वरित समाधान के लिए आयुक्त ओमप्रकाश मेहरा ने शुक्रवार को नई पहल की। उन्होंने सभी वरिष्ठ अधिकारियों को साथ लेकर मिनीबस से शहर का दौरा किया।

इस दौरान उन्होंने अतिक्रमण से लेकर गंदगी तक सभी समस्याओं पर त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए। आयुक्त मेहरा और निगम अधिकारियों की टीम दोपहर करीब 3 बजे निगम कार्यालय से रवाना हुई और सबसे पहले दशहरा मैदान फेज-2 का निरीक्षण किया। यहां आयुक्त ने मैदान के समतलीकरण कार्य में तेजी लाने के साथ मैदान में बनी झौंपड़ियों को जल्द से जल्द हटाने के निर्देश दिए।

इसके बाद उन्होंने साजीदेहड़ा नाले के पास कैथूनीपोल लिंक रोड के निर्माण कार्य को देखा। यहां आयुक्त ने रिटेनिंग वॉल निर्माण कार्य और सड़क चौड़ीकरण कार्य में गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने वहां कार्यरत श्रमिकों की संख्या को अपर्याप्त बताया और अधिकारियों से कहा कि ठेकेदार को स्टाफ बढ़ाने के लिए पाबंद करें।

वहां से रवाना होने के बाद आयुक्त मेहरा को विभिन्न स्थानों पर सड़क पर गायें घूमती नजर आई। उन्होंने गौशाला प्रभारी को निर्देश दिए कि सभी पोइंट्स नोट कर गायें पकड़ने की कार्यवाही की जाए। इसके बाद उन्होंने मल्टीपरपज स्कूल लिंक रोड पर ट्रेक्टर स्वीपिंग मशीन का डेमो देखा तथा अधिकारियों को निर्देश दिए कि मशीन का शहर के अन्य हिस्सों में भी परीक्षण किया जाऐं। यहीं उन्होंने मलटीपरपज स्कूल, व चौपाटी तथा गुमापुरा क्षेत्र में सड़क पर कब्जा जमा ठेले वालों तथा फुटपाथ पर सामान फैलाकर रखने वाले स्थायी दुकानदारों को पहले चेतावनी देने तथा नहीं मानने पर जब्ती की कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहर के इस मुख्य बाजार में बेतरतीब खड़े वाहनों को व्यवस्थित करवाने के लिए ट्रेफिक पुलिस के साथ समन्वय बनाकर कर कार्यवाही करें। इसके बाद उन्होंने गुमानपुरा थाना रोड, सब्जीमंडी पोस्ट ऑफिस रोड होते हुए डीसीएम रोड पर आहलुवालिया मॉल से संजय नगर और विज्ञान नगर मुख्य मार्ग का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने सड़क किनारे व्यवसाय करने वाले पथ विक्रेताओं को गंदगी नहीं फैलाने के लिए पाबंद करने, वहां विशेष सफाई अभियान चलाने, विज्ञान नगर के मुख्य रोड स्थित नाले से प्लास्टिक वेस्ट हटवाने के निर्देश दिए। इसके बाद उन्होंने कॉमर्स कॉलेज चौराहा, तलवंडी चौराहा, जवाहर नगर मुख्य रोड होते हुए धोकड़े के बालाजी, दादाबाड़ी चौराहा से सीएडी सर्किल तक का निरीक्षण किया।

माधवराव सिंधिया पार्क में पौधारोपण:- निरीक्षण के दौरान आयुक्त मेहरा ने छावनी चौराहा स्थित माधवराव सिंधिया पार्क में पौधारोपण किया। उन्होंने पार्क में उगी घास को कटवाने तथा पार्क की सफाई करवाने के निर्देश भी दिए।

सड़क पर निर्माण सामग्री पर बनाएं चालान:- निरीक्षण के दौरान आयुक्त मेहरा को विभिन्न स्थानों पर सड़क पर निर्माण सामग्री भी नजर आई। आयुक्त मेहरा ने सभी जोन उपायुक्तों को निर्देश कि अपने अपने क्षेत्र में स्वास्थ्य निरीक्षकों और कनिष्ठ अभियंताओं के माध्यम से सर्वे करवाएं। जिन भी लोगों ने सड़क पर निर्माण सामग्री फैलाकर रास्ता संकरा अथवा जांम कर रखा है, उनके खिलाफ चालान की कार्यवाही की जाए।

केडीए से नालों के ढकान में चेम्बर रखवाएं:- निरीक्षण के दौरान आयुक्त मेहरा ने देखा कि कोटा हार्ट अस्पताल के सामने स्थित नाले का केडीए द्वारा ढकान करवाया जा रहा है। आयुक्त ने मौके पर ही अधीक्षण अभियंता को निर्देश दिए कि वे केडीए से बात कर ढकान में नाले पर चेम्बर रखवाया जाना सुनिश्चित करें ताकि बाद में सफाई में व्यवधान उत्पन्न नहीं हो। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त भावना सिंह, माल्विका त्यागी, महावीर सिंह सिसौदिया, अतिरिक्त मुख्य अभियंता जेपी शर्मा, अधीक्षण अभियंता महेश चंद गोयल, अधिशासी अभियंता प्रखर गोयल, संजय विजय, ए.क्यू. कुरैशी, विष्णु वैष्णव, सहायक अभियंता भुवनेश नावरिया, तौसिफ खान, कनिष्ठ अभियंता दिनेश गंगवाल और अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी जितेन्द्र बग्गा साथ रहे।

अल्पसंख्यक छात्रावास के लिए आवेदन मांगे

कोटा, (निसं)। राजकीय अल्पसंख्यक बालक एवं बालिका छात्रावास, टैगोर नगर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए अल्पसंख्यक समुदाय (मुस्लिम, जैन, सिख, ईसाई, बौद्ध एवं पारसी) के पात्र विद्यार्थियों से रिक्त सीटों के लिए प्रवेश आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। प्रथम सूची के बाद रिक्त रहने वाली सीटों पर अल्पसंख्यक समुदाय के साथ ही अन्य समुदायों (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं एमबीसी) के पात्र विद्यार्थियों के आवेदन भी आमंत्रित किये जा रहे हैं। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी त्रिलोक चन्द मीणा ने बताया कि आवेदक राजस्थान राज्य का निवासी हो तथा जिला मुख्यालय से बाहर का विद्यार्थी हो, जो कक्षा 9 से उच्चतर कक्षाओं में अध्ययनरत हो। नवीनतम पासपोर्ट आकार का फोटो, आधार कार्ड की प्रति, नवीनतम अंकतालिका, टी.सी. (स्थानांतरण प्रमाण पत्र), आय प्रमाण पत्र (परिवार की वार्षिक आय 8 लाख रुपए तक हो। राज्य कर्मचारियों के लिए वेतन लेवल-11 तक के कर्मचारियों का नियमानुसार आय प्रमाण पत्र), प्रवेश शुल्क रसीद, अध्ययनरत संस्था का परिचय पत्र, अल्पसंख्यक/जाति प्रमाण पत्र उपरोक्त दस्तावेजों सहित पात्र विद्यार्थी शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए निःशुल्क आवेदन पत्र प्राप्त कर, वांछित दस्तावेजों सहित 15 अगस्त तक कार्यालय, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, कोटा में जमा करवा सकते हैं।

वाहन चोर गिरफ्तार, चोरी की पांच बाइक बरामद

कोटा, (निसं)। सांगोद पुलिस टीम ने बाइक चोरी के दर्ज मामले में कार्यवाही करते हुए वाहन चोर को गिरफ्तार किया है जिसके पास से चोरी की गई 5 बाइकें एवं एक सोने का मंगलसूत्र बरामद किया गया है। ग्रामीण पुलिस अधीक्षक सुजीत शंकर ने बताया कि 29 जुलाई को फरियादी ने सांगोद थाने में रिपोर्ट दी। फरियादी ने रिपोर्ट में कहा कि किक्रेट का मैच देखने के लिये ईदगाह गया था, बाईक को खड़ा करके मैच देखने के लिये चला गया और जब वापस आया तो बाईक मौके पर नही मिली, जिसे कोई अज्ञात चोरी करके ले गया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया, मामले मे कार्यवाही के लिये सांगोद थानाधिकारी पवन कुमार के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया, गठित टीम ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले व आसुचना पर कार्यवाही की। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पुलिस टीम को मुखबीर से सूचना मिली कि बाइक चोरी में सुल्तानपुर निवासी हरिओम उर्फ हरिश शामिल है, उक्त सूचना पर टीम ने आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर संभावित स्थानों पर दबिश दी टीम ने मुखबीर की सूचना पर कार्यवाही करते हुए थाना सुल्तानपुर के भौहरा रोड निवासी हरिओम उर्फ हरिश (22) को गिरफ्तार किया। ग्रामीण एसपी ने बताया कि पकड़े गये आरोपी से पूछताछ में सामने आया कि सूनसान रास्तो या रात्रि के समय घर के बाहर खड़ी बाईकों को निशाना बनाता था, पकड़े गये आरोपी से चोरी की गई 5 बाइक व सोने का एक मंगलसूत्र बरामद किया है।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए)

क्रमांक : LU2012/KOT/2026-27/101234 **लोक सूचना** दि. 31.07.2026

श्री SHANKAR LAL पुत्र श्री BARDA जाति BHEEL निवासी BHEEL BASTI RATH KANKRA KOTA ने इस कार्यालय मे नीचे उल्लिखित भूमि का **अन्य संस्थानिक** प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारी के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात्:-

क्र. सं.	ग्राम तहसील व जिले का नाम	खातेदार का नाम	खसरा सं.	क्षेत्रफल (वर्ग मीटर)	क्षेत्रफल (हेक्टे.)
1.	रथकांकरा, लाडपुरा (कोटा)	SHANKAR S/O BIRADHA CASTE BHEEL SA.DEH KHATEDAR	235	13300	1.33
				कुल	1.33

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियो को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारो के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर-भीतर अपनी एसएसओ आईडी से लॉग इन कर 90-A For Development Authority (UDH) आईकॉन पर जाकर समर्थक दस्तावेज को अपलोड कर अपना आक्षेप दर्ज कर सकते है। उपर्युक्त नियम समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव मे यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नही है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जावेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 31/07/2026 को जारी की गयी।

प्राधिकृत अधिकारी कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए)

राजस्थान सरकार

कार्यालय सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग कोटा खण्ड कोटा

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 के अधीन

नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

मुकदमा नम्बर 180/2026

चूंकि श्री महेन्द्र कुमार जैन पिता का नाम श्री हरक चंद जैन निवासी ए-115, तलवंडी कोटा द्वारा राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (2) के अन्तर्गत प्रन्यास ''श्री जैन समिति, प्लॉट नं. 2, संस्थागत योजना, झालावाड रोड, कोटा'' के सम्बन्ध में पंजीयन हेतु जांच किये जाने के लिये आवेदन-पत्र दिया है।

अतएव धारा 18 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिये, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से 60 दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां यदि कोई हो प्रस्तुत करें।

और सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित प्रक्रिया अनुसार निर्णित किया जायेगा तथा जांच प्रपत्र मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जायेगा।

आज दिनांक 30.07.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय की मोहर के अधीन जारी किया गया। प्रकरण में आगामी सुनवाई की दिनांक 06.10.2026 है।

सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग कोटा

सार-समाचार

राजस्थान स्टेट बैडमिंटन के प्रतियोगियों का सम्मान किया

कोटा, (निसं)। जयपुर में आयोजित राजस्थान स्टेट बैडमिंटन रैंकिंग प्रतियोगिता के अंडर-19 बालिका एकल वर्ग में रजत पदक जीतने पर ऋतिका झामनानी का तथा अंडर-19 मिश्रित युगल वर्ग के फाईनल में भानु प्रताप सिंह द्वारा स्थान बनाने पर जिला शतरंज संघ के अध्यक्ष प्रेम भाटिया द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर भाटिया ने दोनों खिलाड़ियों को उनके उज्ज्वल एवं सफल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ एवं मंगलकामनाएँ प्रेषित की। कार्यक्रम में उनके परिवारजन, कोच विष्णु शर्मा एवं रजनी शर्मा (सहायक महाप्रबंधक) भी उपस्थित रहे। दोनों प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को इस शानदार उपलब्धि पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए अनंत शुभकामनाएँ दी गई।

एस.डी.पी. डोनेट की

कोटा, (निसं)। श्रावण मास में लोग दान पुण्य कर रहे हैं, संतों के प्रवचन चल रहे हैं, वहीं सेवा के क्षेत्र में भी कार्य हो रहे हैं, ऐसे में टीम जीवनदाता भी अपने नियमित सेवा के कार्य को करते हुए एसडीपी की व्यवस्था कर रही है। लायंस क्लब कोटा टेक्नो के निदेशक व टीम के संरक्षक व संयोजक भुवनेश गुप्ता ने बताया कि महावीर नगर निवासी महेन्द्र शर्मा को बी पॉजीटिव एसडीपी की आवश्यकता थी, उनकी प्लेटलेट 17 हजार रह गई थी, ऐसे में चिकित्सकों ने शीघ्र ही एसडीपी चढ़ाने के लिए कहा। परिवार में बेटा वंशज शर्मा छोटा हैं, कुछ समझ नहीं पाया, लेकिन टीम जीवनदाता उनके लिए सहारा बनी और रजनीश खंडेलाल को स्थिति बताई तो वह अपना ब्लड सेंटर तलवंडी पहुंचे और उन्होंने 22वीं बार एसडीपी डोनेशन किया। वह इससे पूर्व 27 बार ब्लड डोनेशन कर चुके हैं, नर्सिंग ऑफिसर एनएमसीएच रजनीश खंडेलवाल ने बताया कि श्रावण मास में सेवा करना परम पुण्य का कार्य है, सभी धर्मप्रेमियों को मानवीय सेवा में अग्रणी रहना चाहिए। गुप्ता ने बताया कि रजनीश जब भी हॉस्पिटल ड्यूटी पर नहीं होते तो अपनी बारी के लिए काफी उत्सुकता से पूछते रहते हैं।

86 किलो अवैध मादक पदार्थ जब्त

कोटा, (निसं)। शहर के विभिन्न थानो पर फैसलाशुदा व धारा 52ए एनडीपीएस एक्ट के तहत 32 प्रकरणों में जब्त 86 किलो 276 ग्राम अवैध मादक पदार्थ का नष्टीकरण शुक्रवार को किया गया। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि नशा मुक्त भारत संकल्प के तहत शहर के थानो पर फैसलाशुदा तथा धारा 52ए एनडीपीएस एक्ट के 32 प्रकरणो में जब्तशुदा 86 किलो 276 ग्राम अवैध मादक पदार्थ का नष्टीकरण गठित जिला स्तरीय औषधि व्ययन समिति द्वारा भौतिक सत्यापन कर चौकी जगपुरा थाना रानपुर पर दो स्वतंत्र गवाहो की मौजूदगी में नियमानुसार जलाकर नष्ट किया गया। शहर एसपी ने बताया कि कार्यवाही के दौरान नष्टीकरण किये गये 86 किलो 276 ग्राम अवैध मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत 40 लाख रूपये के करीब बताई गई है।

शिविर में लेखराज को आवासीय पट्टा मिला

कोटा, (निसं)। ग्रामीण सेवा शिविर के तहत आयोजित किए जा रहे फॉलो-अप शिविर अंतर्गत पीपल्दा के ग्राम रजोपा में लेखराज पुत्र हजारी लाल नागर को पूर्व में मकान का पट्टा जारी किया हुआ था लेकिन जानकारी के अभाव में पट्टे की रजिस्ट्री नहीं करवाने से पट्टे पर बैंक से आवासीय ऋण लेने में परेशानी आ रही थी। इसलिए पट्टे का पुनः विधिमान्यकरण करवाने का प्रार्थना पत्र शिविर प्रभारी को प्रस्तुत किया गया जिस पर मौके पर ही पंचायतीराज विभाग के सक्षम अधिकारियों द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए पट्टे का पुनः विधिमान्यकरण कर दिया गया। शिविर प्रभारी उपखण्ड अधिकारी इटावा हेमन्त घनगोर लेखराज नागर को पट्टे का पुनः विधिमान्यकरण का वितरण किया। जिससे पट्टाधारक को आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए बैंक से आवासीय ऋण मिल सकेगा। ग्रामीण सेवा शिविर आयोजित करवाने पर राजस्थान सरकार का बहुत-बहुत आभार व्यक्त किया।

दोषी को 5 साल की सजा सुनाई

कोटा, (निसं)। नाबालिग से छेड़छाड़ व पोक्सो एक्ट मामले में दर्ज करीब डेढ़ साल से अधिक पुराने मामले में पोक्सो क्रम-2 न्यायालय ने पकड़े गये आरोपी पुजारी को दोषी मानते हुए 5 साल की सजा सुनाई साथ ही 15 हजार के अर्थदंड से दंडित किया। विशिष्ट लोक अभियोजक वीरेन्द्र सिंह भानावत ने बताया कि 18 अगस्त 2024 को पीड़िता की मां ने शहर के एक थाने में रिपोर्ट दी। पीड़िता की मां ने रिपोर्ट मे कहा कि उसकी 9 वर्षीय बच्ची उसकी नन्द की बच्चीयो के साथ मंदिर गई थी जब बापस आई तो उदास थी, पूछने पर पता चला कि मंदिर के पुजारी ने छेड़छाड़ एवं अश्लील हरकत की अन्य बच्चियां आई तो उन्होने भी बताया कि मंदिर का पुजारी छेड़छाड़ करता है। पुलिस ने पीड़िता की मां की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया, पुलिस ने मामले में कार्यवाही करते हुए 75 वर्षीय पुजारी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने मामले में अनुसंधान करते हुए आरोपी के खिलाफ न्यायालय में चालान पेश किया, मामले में 12 गवाहों के बयान दर्ज कराये गये।

सावन माह में शिव मंदिरों में विशेष आयोजन होंगे

कोटा, (निसं)। सावन माह में प्रमुख शिव मंदिरों में प्रथम सोमवार, 3 अगस्त को जिला स्तर से लेकर उपखंड स्तर तक देवस्थान विभाग द्वारा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग कृष्ण कुमार खंडेलवाल ने बताया कि सावन माह के प्रथम सोमवार को चयनित शिवालय, मंदिरों में रूद्राभिषेक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में जन प्रतिनिधि, साधु-संत एवं गणमान्य नागरिकों को आमंत्रित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिला मुख्यालय पर चयनित शिवालय श्री नीलकंठ महादेव मंदिर रेतवाली पर 3 अगस्त को विशेष दर्शन, श्रृंगार, पूजन एवं रूद्राभिषेक, कलश यात्रा का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। चयनित शिवालयों, मंदिरों में धार्मिक एवं आध्यात्मिक प्रस्तुतियों का आयोजन एवं सामूहिक मंत्रोच्चार, ओंकार जाप, शिव भजन-कीर्तन, स्वच्छता अभियान, शिव विषयक प्रस्तुतियां आयोजित की जाएंगी।

एसईटी अंतिम तिथि बढ़ने से हजारों अभ्यर्थियों को राहत

कोटा, (निसं)। राजस्थान राज्य पात्रता परीक्षा (एसईटी) की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) एवं कोटा विश्वविद्यालय ने बड़ी राहत प्रदान की है। अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ऑनलाईन आवेदन की अंतिम तिथि 10 अगस्त, 2026 तक बढ़ा दी गई है। इसके साथ ही विश्वविद्यालय ने 11 अगस्त, 2026 तक आवेदन पत्र में संशोधन (करेक्शन विण्डो) की सुविधा भी उपलब्ध कराई है।

इस संबंध में कोटा विश्वविद्यालय ने अधिसूचना-05/2026 जारी कर विस्तृत जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाईट पर उपलब्ध कराई है। कुलगुरू प्रो.भगवती प्रसाद सारस्वत ने बताया कि यूजीसी द्वारा जारी पात्रता संबंधी दिशा-निर्देशों के अनुसार सामान्य, आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग एवं अनारक्षित वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए स्नातकोत्तर में न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक, जबकि ओबीसी (नॉन-क्रीमी लेयर), अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, दिव्यांग एवं तृतीय लिंग वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 50 प्रतिशत अंक अनिवार्य होंगे।

सेट-2026 के समन्वयक धनश्याम शर्मा ने बताया कि स्नातकोत्तर द्वितिय वर्ष के विद्यार्थी अथवा जिनका परिणाम लंबित है, वे भी एसईटी-2026 के लिए आवेदन कर सकेंगे। हालांकि ऐसे अभ्यर्थियों को परिणाम घोषित होने के बाद निर्धारित अंकों के साथ स्नातकोत्तर परीक्षा उत्तीर्ण कर दो वर्ष के भीतर पात्रता की शर्तें पूरी करनी होंगी। अभ्यर्थियों को अपने स्नातकोत्तर विषय में ही परीक्षा देनी होगी।

यदि संबंधित विषय की सूची में शामिल नहीं है, तो अभ्यर्थी यूजीसी-नेट अथवा यूजीसी-सीएसआईआर नेट में सम्मिलित हो सकते हैं। आवेदन में किसी भी प्रकार की त्रुटि होने पर अभ्यर्थी 11 अगस्त तक ऑनलाईन संशोधन कर सकेंगे। विश्वविद्यालय ने अभ्यर्थियों को अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते आवेदन एवं आवश्यक संशोधन पूरा करने की सलाह दी है।

एसईटी प्रमाणपत्र केवल राजस्थान राज्य में मान्य होगा तथा इसकी वैधता आजीवन रहेगी। राज्य के विश्वविद्यालय, महाविद्यालय एवं भर्ती एजेंसियां अपने निर्धारित नियमों के अनुसार एसईटी उत्तीर्ण अभ्यर्थियों की नियुक्ति प्रक्रिया में इसका उपयोग कर सकेंगी।

शहरी सेवा शिविर स्ट्रीट वेंडर्स के लिए संजीवनी बना

कोटा, (निसं)। नगर निगम के शहरी सेवा शिविर फॉलोअप कैम्प में प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना फुटकर विक्रेताओं की आर्थिक मजबूती की संजीवनी सिद्ध हो रही है।

योजना के तहत स्ट्रीट वेंडर्स को त्वरित एवं आसान ऋण उपलब्ध होने से वे न केवल अपने व्यवसाय का विस्तार कर रहे हैं, बल्कि परिवार की आजीविका और बच्चों की शिक्षा का भी बेहतर ढंग से प्रबंधन कर पा रहे हैं। ऐसे ही दो पथ विक्रेताओं को भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष छगन माहुर ने शुक्रवार को ऋण राशि के चेक भेंट किए। माहुर ने लाभार्थियों को नाम हस्तांतरण प्रमाण पत्र, विवाह प्रमाण पत्र और जन्म प्रमाण पत्र भी भेंट किए।

बीड के बालाजी बालिता, कुन्हाडी निवासी चन्द्रशेखर पिछले छह वर्षों से फूल-माला का व्यवसाय कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा आयोजित पीएम स्वनिधि शिविर में निःशुल्क आवेदन करने के कुछ ही दिनों बाद बैंक से 10 हजार रुपये का प्रथम ऋण प्राप्त हुआ। इससे व्यवसाय को गति मिली। समय पर ऋण चुकाने के बाद उन्हें 20 हजार रुपये का दूसरा ऋण मिला, जिसे भी उन्होंने नियमित रूप से चुका दिया। अब शहरी सेवा शिविर के माध्यम से उन्हें 50 हजार रुपये का तृतीय ऋण स्वीकृत हुआ है। चन्द्रशेखर ने बताया कि उनकी पत्नी भी व्यवसाय में सहयोग करती हैं तथा इसी आय से परिवार का पालन-पोषण और दो बच्चों की पढ़ाई का खर्च वहन हो रहा है।

वहीं, आहुजा नगर, आनंदपुरा निवासी कोमल महावर, जो सब्जी विक्रेता हैं, ने बताया कि व्यवसाय के लिए पूंजी की आवश्यकता होने पर निजी स्रोतों से अधिक ब्याज पर ऋण लेने की स्थिति बन रही थी। 27 जुलाई को नगर निगम के शहरी सेवा शिविर में उन्हें पीएम स्वनिधि योजना की जानकारी मिली। शिविर में ही उनका निःशुल्क ऑनलाइन आवेदन किया गया और मौके पर ऋण अनुशंसा पत्र प्रदान कर दिया गया। अगले ही दिन उन्होंने बैंक में आवश्यक दस्तावेज जमा किए और मात्र तीन से चार दिनों में 15 हजार रुपये की प्रथम ऋण राशि उनके खाते में जमा हो गई।

सम्मान समारोह आज

बूंदी (निसं)। श्रृंग जयंती महोत्सव के तहत खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के प्रतिभागी विजेताओं को 1 अगस्त को सायं 7 बजे श्रृंग भवन गणेश गली में पारितोषिक वितरण एवं समापन समारोह रखा गया है जिसमें समाज के विजेताओं एवं 12वीं तक के उत्तीर्ण छात्र-छात्राओं को भी पुरस्कृत किया जाएगा।

विश्व मानव तस्करी निरोधी दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

मानव तस्करी निरोधी दिवस पर सृष्टि सेवा समिति की ओर से कार्यक्रम आयोजित हुआ।

कोटा, (निसं)। जस्ट राईट फॉर चिल्ड्रन के सहयोगी संगठन सृष्टि सेवा समिति ने विश्व मानव तस्करी निरोधी दिवस के अवसर पर कोटा स्टेशन पर यात्रियों को मानव तस्करी निरोधी दिवस के बारे में जानकारी उपलब्ध कराई तथा मानव तस्करी को रोकने की अपील की गई।

सृष्टि सेवा समिति के जिला संबंधित ने बताया कि विश्व मानव तस्करी निरोधी दिवस के अवसर पर सृष्टि सेवा समिति की टीम ने रेलवे सुरक्षा बल तथा राजकीय रेलवे पुलिस के अधिकारी व कर्मचारी गण, यात्रीगण, कुली, ऑटो संचालकों आदि के साथ मिलकर जन जागरूकता कार्यक्रम किया। इस दौरान चाईल्ड हेल्पलाइन के प्रोग्राम कॉ-ऑर्डिनेटर नरेश मीणा ने भी लोगों को जानकारी देते हुए बताया कि मानव तस्करी को रोकने के लिए सबका सामूहिक प्रयास जरूरी है।

ट्रेन में सफर के दौरान जब भी कोई अकेला बच्चा आपको नजर आता है तो उसकी मदद कीजिए उसे रेलवे सुरक्षा बल या राजकीय रेलवे पुलिस की मदद से घर पहुंचने का प्रयास कीजिए। वही भूपेंद्र सिंह ने यात्रियों से अपील की कि जब भी उन्हें दो या दो से अधिक बच्चों का समूह नजर आता है और उन्हें परिस्थितियों संदिग्ध नजर आती हैं तो तुरंत हेल्पलाईन के नंबरों पर कॉल करें और इस बात की जानकारी दें।

नाम परिवर्तन

मैंने अपना पुराना नाम कपिल कुमार जैन से बदलकर नया नाम कपिल जैन रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावे।

पता-कपिल जैन पुत्र हंसराज जैन प्लाट नं. 54 समृद्धि नगर सेकण्ड, बोरखेडा, कोटा

नाम परिवर्तन

मैंने अपना पुराना नाम हुसैनी जीरापुरी से बदलकर नया नाम हुसैनी जीरापूर वाला रख लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावे।

पता-हुसैनी जीरापूर वाला पुत्र सैफुद्दीन भाई, इब्राहिमपुरा, सुनेल झालावाड़

नाम परिवर्तन

मेरे आधार कार्ड पर मेरा नाम आकाश दयानी (Aakash Dayani) लिखा हुआ है तथा कुछ अन्य दस्तावेजों में मेरा नाम आकाश कुमार (Aakash Kumar) दर्ज है जबकि मेरा वास्तविक नाम आकाश दयानी (Aakash Dayani) है। भविष्य में मुझे आकाश दयानी (Aakash Dayani) के नाम से जाना पहचाना जावे।

आकाश दयानी पुत्र श्री आत्म प्रकाश
निवासी 144/101 वल्लभ बड़ी कोटा

सार्वजनिक विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री आत्माराम पुत्र श्री नेमनदास जी का एक भूखण्ड संख्या 561 दादाबाड़ी योजना कोटा (राज.) में स्थित है। आत्माराम जी की मृत्यु दिनांक 23 जुलाई 1992 को हो जाने के पश्चात् उक्त संपत्ति में आत्माराम जी के विधिक वारिसान् पुत्रियां, श्रीमती हरदेवी साहनी एवं श्रीमती तरूणा लालवानी एवं श्रीमती पायल गोपालानी, निधि गोपालानी एवं अंकुर गोपालानी पत्नी/ पुत्र/पुत्री स्व. विजय कुमार गोपालानी ने अपने अपने अविभाजित हिस्सों/मालिकाना हक को उक्त संपत्ति में सहस्वामी एवं आत्माराम जी के अन्य विधिक वारिसान/पुत्रान् श्री सतीश गोपालानी, श्री भरतराज गोपालानी, श्री लक्ष्मण कुमार गोपालानी एवं श्री महेश कुमार गोपालानी के पक्ष में दो रजिस्टर्ड रिलीज डीड दिनांक 28.06.2024 से त्याग दिया है। उक्त हक त्यागपत्रों के आधार पर नगर निगम कोटा ने अपने कार्यालय आदेश दिनांक 20.11.2025 से उक्त संपत्ति का स्वामित्व भी श्री सतीश गोपालानी, श्री भरतराज गोपालानी, श्री लक्ष्मण कुमार गोपालानी एवं श्री महेश कुमार गोपालानी के पक्ष में कर दिया है। अब उक्त संपत्ति को रहन किया जाकर मेरे पक्षकार बैंक ऑफ बड़ौदा द्वारा ऋण स्वीकृत किया जाना है। अतः उक्त संपत्ति को श्री सतीश गोपालानी, श्री भरतराज गोपालानी, श्री लक्ष्मण कुमार गोपालानी एवं श्री महेश कुमार गोपालानी के द्वारा मेरे पक्षकार बैंक ऑफ बड़ौदा कोटा में साम्यिक बंधक किए जाने के सम्बन्ध में किसी भी व्यक्ति, बैंक, संस्था या अन्य किसी को कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस में मुझे सूचित करें। मियाद गुजरने उपरांत कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी तथा मेरे पक्षकार बैंक उक्त संपत्ति को साम्यिक बंधक करने के लिए स्वतंत्र होंगे।

दिनांक : 30.07.2026

महेन्द्र राय जैन, एडवोकेट
मो. 9828136378

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक :- 157 **नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना** दिनांक : 31.7.2026

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण कोटा द्वारा दुकान/भूखण्ड संख्या-115-ए नई धानमण्डी व्यवसायिक योजना का आवंटन मण्डी कमेटी द्वारा श्री दिलीप सिंह चौधरी पुत्र श्री धनकरण जी को क्षेत्रफल 2700 वर्गफीट का आवंटन किया गया था।

जिसकी रजिस्ट्री दिनांक 07.04.1964 को हो चुकी है। श्री दिलीप सिंह चौधरी के द्वारा उक्त भूखण्ड को जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 22.01.1966 के द्वारा श्री पृथ्वीराज एवं बिहारी लाल को बैचान किया गया है।

श्री पृथ्वीराज एवं श्री बिहारी के द्वारा उक्त भूखण्ड को जरिये रजिस्ट्रर्ड विक्रय पत्र दिनांक 05.10.1967 को श्री होताराम एवं श्री बिहारी लाल को बैचान किया गया है। श्री होताराम एवं श्री बिहारी लाल के द्वारा संयुक्त रूप से श्री मोतीलाल एवं श्री सुरजमल को बैचान किया गया है। श्री सुरजमल जी की मृत्यु दिनांक 19.07.2007 को एवं श्री मोतीलाल की मृत्यु दिनांक 21.11.2002 को हो चुकी है। श्री सुरजमल पुत्र श्री औंकारलाल की मृत्यु के पश्चात् उनके विधिक वारिसानो के द्वारा पारिवारिक हक त्याग पत्र दिनांक 19.09.2013 के द्वारा श्री सुरजमल के अविभाजित भाग 1350 वर्गफीट क्षेत्रफल का हक त्याग श्रीमति शकुन्तला पुत्री स्व. श्री सुरजमल एवं श्रीमति रूकमणी पुत्री स्व. श्री सुरजमल के पक्ष मे हकत्याग किया गया है।

श्री मोतीलाल पुत्र श्री औकांर लाल की मृत्यु दिनांक 21.11.2002 को हो चुकी है। श्री मोतीलाल की मृत्यु के पश्चात् उनके विधिक वारिसानों के द्वारा पारिवारिक हक त्याग पत्र दिनांक 18.03.2025 के द्वारा श्री मोतीलाल के अविभाजित भाग 1350 वर्गफीट का हक त्याग श्री प्रदीप मीणा पुत्र श्री रमेश चन्द एवं श्री संदीप मीणा पुत्र श्री रूपचंद मीणा के पक्ष में हक त्याग किया गया है।

स्व. श्री सुरजमल के अविभाजित भाग 1350 वर्गफीट के हक त्याग ग्रहिता श्रीमति शकुन्तला पुत्री स्व. श्री सुरजमल व श्रीमति रूकमणी पुत्री स्व. श्री सुरजमल एवं स्व. श्री मोतीलाल के अविभाजित भाग 1350 वर्गफीट का हक त्याग श्री प्रदीप मीणा पुत्र श्री रमेश चन्द एवं श्री संदीप मीणा पुत्र श्री रूपचंद मीणा के द्वारा संयुक्त रूप से विक्रय पत्र हक त्याग पत्र मृत्यु प्रमाण पत्र शपथ पत्र पहचान पत्र इत्यादि दस्तावेजो के साथ अपने नाम स्वामित्व हस्तांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात् उक्त भूखण्ड/दुकान संख्या-115-ए नई धानमण्डी व्यवसायिक योजना का नाम हस्तान्तरण आवेदक 1. श्रीमति शकुन्तला पुत्री स्व. श्री सुरजमल 2. श्रीमति रूकगणी पुत्री स्व. श्री सुरजमल के नाम 1350 वर्गफीट क्षेत्रफल एवं 3. श्री प्रदीप मीणा पुत्र श्री रमेश चन्द 4. श्री संदीप मीणा पुत्र श्री रूपचंद मीणा के नाम 1350 वर्गफीट क्षेत्रफल कुल 2700 वर्गफीट की स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक :- एफ 11/ विक्रय/2026/2234 दिनांक : 31.7.26

रजिस्ट्री चाहने बाबत आम सूचना

कार्यालय कोटा विकास प्राधिकरण कोटा द्वारा आवास संख्या-967 आर.के.पुरम-ए योजना का आंवटन के पत्र 883 दिनांक 28.12.2001 द्वारा श्री गौरी शंकर चौधरी पुत्र श्री महेन्द्र सिहं चौधरी को आंवटित किया गया था। श्री गौरी शंकर चौधरी के द्वारा श्रीमती चंपा बुधवानी पत्नि श्री अशोक कुमार बुधवानी को उक्त भूखण्ड कि कार्यवाही के सम्बंध में मुख्तारआम नियूक्त किया गया है। श्रीमती चंपा बुधवानी पत्नि श्री अशोक कुमार बुधवानी के द्वारा मुख्तारआम के आधार पर उक्त भूखण्ड कि रजिस्ट्री चाही गई है। श्रीमती चंपा बुधवानी पत्नि श्री अशोक कुमार बुधवानी के द्वारा अपने नाम उक्त भूखण्ड कि विक्रय स्वीकृती हेतु आवेदन किया गया है।

अतः जरिये आम सूचित किया जाता है यदि इस रजिस्ट्री की स्वीकृती देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिन के अन्दर-अन्दर अपनी आपत्ति दर्ज करावे अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात उक्त आवास संख्या 967 आर. के. पुरम-ए योजना कि रजिस्ट्री जर्ये मुख्तारआम श्रीमती चंपा बुधवानी पत्नि श्री अशोक कुमार बुधवानी नाम से जारी कर दी जावेगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक :- 533 **नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना** दिनांक : 31.07.2026

नगर विकास न्यास कोटा की कोटा टायर रिपेयर एसोसियेशन योजना के भूखण्ड/आवास संख्या 48-बी का आवंटन/हस्तान्तरण/रजि. न्यास के पत्र दिनांक 20.09.2013 को मै. पांचाल टायर प्रो. श्री हेमराज को किया गया था। आवंटी द्वारा उक्त भूखण्ड/आवास का जर्ये मुख्तारआम श्री जतिन गुम्बर पुत्र श्री सूरज प्रकाश द्वारा जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 28.06.2023 को श्रीमती कैलाश बाई पत्नी स्व. श्री किशन चंद को विक्रय कर दिया गया है क्रेता द्वारा उक्त भूखण्ड/आवास का अपने नामहस्तान्तरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात् उक्त भूखण्ड/आवास संख्या 48-बी योजना कोटा टायर रिपेयर एसोसियेशन का नाम हस्तान्तरण श्रीमती कैलाश बाई पत्नी स्व. श्री किशन चंद के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक :- 175 **नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना** दिनांक : 30.7.26

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा की मोहनलाल सुखाडिया आवासीय योजना के भूखंण्ड/आवास संख्या एफ-230 का आवंटन/विक्रय/हस्तान्तरण/रजि. प्राधिकरण के पत्र क्रमांक 1264 दिनांक 23.09.2011 को श्रीमति राजकुमारी पत्नि श्री भगवान दास मोदी को आवंटन/नामांतरण किया गया था। आवंटी श्रीमति राजकुमारी द्वारा उक्त भूखण्ड/आवास का मुख्तारआम श्री चन्द्र प्रकाश गुप्ता पुत्र श्री मोहनलाल गुप्ता को कर दिया गया। मुख्तारआम द्वारा जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 28.03.2026 को श्रीमती ज्योत्सना अग्रवाल पत्नी श्री चन्द्र प्रकाश गुप्ता जाति महा को विक्रय कर दिया गया है। अतः क्रेता द्वारा उक्त भूखण्ड/आवास को अपने नामहस्तान्तरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात् उक्त भूखण्ड/आवास संख्या एफ-230 योजना मोहनलाल सुखाडिया आवासीय का नाम हस्तान्तरण आवेदक श्रीमती ज्योत्सना अग्रवाल पत्नी श्री चन्द्र प्रकाश गुप्ता जाति महा के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

क्रमांक :- 1100 **नाम हस्तान्तरण चाहने बाबत आम सूचना** दिनांक : 30.7.26

कोटा विकास प्राधिकरण कोटा द्वारा आवास/भूखण्ड संख्या-1575 विनोबा भावे नगर (निर्धन को आंगन योजना) योजना का आवंटन प्राधिकरण के पत्र क्रमांक-424 दिनांक 24.04.2010 द्वारा श्रीमती उर्मिला वधवा पत्नि श्री सतीश वधवा को आवंटन किया गया था। आवंटी श्रीमती उर्मिला वधवा पत्नि श्री सतीश वधवा के द्वारा श्रीमती कविता जैन पत्नि श्री मुकेश कुमार जैन को उक्त भूखण्ड/आवास कि कार्यवाही के सम्बंध में मुख्तारनाम आम दिनांक 01.06.2018 को नियुक्त किया गया मुख्तारनाम आम के आधार पर उक्त भूखण्ड का बैचान जर्ये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 09.07.23019 को श्री पंकज नागर पुत्र श्री ओम प्रकाश नागर को विक्रय कर दिया गया है। अतः क्रेता द्वारा उक्त भूखंण्ड/आवास को अपने नाम हस्तान्तरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

अतः जरिये आम सूचित किया जाता है कि यदि इस नाम हस्तान्तरण की स्वीकृति देने में किसी को भी कोई ऐतराज हो तो विज्ञप्ति जारी होने के 7 दिवस के अन्दर अन्दर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर दें, अन्यथा मियाद गुजरने के पश्चात् उक्त भूखण्ड/आवास संख्या- 1575 योजना विनोबा भावे नगर (निर्धन को आंगन योजना) का नाम हस्तान्तरण आवेदक श्री पंकज नागर पुत्र श्री ओम प्रकाश नागर के नाम स्वीकृति जारी कर दी जावेगी।

उपायुक्त कोटा विकास प्राधिकरण, कोटा

...क्या बात है कि मिटती नहीं हस्ती हमारी !

राजेश शर्मा
सम्पादक
राष्ट्रदूत

> राष्ट्रदूत एक जज़्बा है, एक जुनून है, एक सोच है, एक "थॉट" है। एक शेर है, जिसे दोहराया जा सकता है, जिसे नापसंद भी किया जा सकता है, पर, उसकी हस्ती मिटायी नहीं जा सकती। राष्ट्रदूत केवल मशीनें, कम्प्यूटर, बिल्डिंग नहीं है। उसे तंग तो किया जा सकता है, खत्म नहीं किया जा सकता, केवल प्रशासनिक दबावों से, भय से।

सुमन दुबे, इकॉनमिस्ट, लेखक, जर्नलिस्ट, इंडिया टुडे को स्थापित करने वाली टीम के सदस्य तथा मुख्यधारा के अखबार, इण्डियन एक्सप्रेस, हिन्दुस्तान टाइम्स के पूर्व स्तम्भकार, राजीव गांधी के दून स्कूल के सहपाठी व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की ओरिजिनल टीम व थिंक टैंक के सदस्य कहते थे, "राजस्थान अखबारों का कब्रिस्तान है।" शायद नवयुग, लोकवाणी आदि का उदाहरण उनके दिमाग में रहा होगा, पर उनका कथन किसी हद तक सही ही था।

शायद इस बात का कुछ आभास हजारी बाबू को भी था, अतः "राष्ट्रदूत" प्रकाशित करने के लिए उनकी "फर्स्ट चॉइस" जयपुर नहीं बैंगलोर थी और उन्होंने बैंगलोर से हिन्दी में नहीं, अंग्रेजी में अखबार निकालने का मन बनाया। यह और कहानी है कि, कैसे जयनारायण व्यास, जो उनके लिए गुरुतुल्य व पिता तुल्य शख्सियत थे, ने हजारी बाबू का अखबार के बारे में "सोच" व मन बदला, और राष्ट्रदूत शुरु किया हजारी बाबू ने एक अगस्त 1951 को जयपुर से।

> राष्ट्रदूत कभी सरकार का लाड़ला नहीं बन सका, चाहे किसी गुट का या पार्टी का शासन रहा हो। राष्ट्रदूत के प्रति सरकारों का रुख सदा खुली "शत्रुता" और बेरुखी बर्दाश्त करने की सीमा के बीच ही झूलता रहा

आज सत्तर साल से राष्ट्रदूत खड़ा है, राजस्थान की वीर भूमि पर। फिर भी सुमन दुबे जैसे बड़े स्तम्भकारों व सम्पादकों का यह सोच भी किसी हद तक सही था कि, राजस्थान की धरती अखबारों के लिए खास उर्वरक नहीं है। क्योंकि 1950 से, अगर गिना जाए तो, कई अखबार आये और दफन होकर चले गये। जैसे वनस्थली विद्यापीठ के संस्थापक व राजस्थान के पूर्व मु.मंत्री हीरालाल शास्त्री का समाचार पत्र लोकवाणी और सुखाड़िया के राजनीतिक व प्रशासनिक सोच के प्रथम वफादार, जो बाद में कई बार मुख्यमंत्री रहे, हर देव जोशी से शुरु करवाया गया अखबार नवयुग, जिसके प्रबंध संपादक थे आर के मिश्रा, जो दिल्ली के एक जाने-माने पत्रकार, पेट्रिअट अखबार के संपादक तथा रिलायन्स ग्रुप थिंक टैंक ओ.आर. एफ. के संस्थापक व संचालक भी थे।

बहरहाल राजस्थान में मुख्य धारा से जुड़े इन दोनों अखबारों से भिन्न राष्ट्रदूत शायद इसलिए जीवित रह गया क्योंकि राष्ट्रदूत कभी सरकार का लाड़ला नहीं बन सका, चाहे किसी गुट का या पार्टी का शासन रहा हो। राष्ट्रदूत के प्रति सरकारों का रुख सदा खुली "शत्रुता" और बेरुखी बर्दाश्त करने की सीमा के बीच ही झूलता रहा, हालांकि यह सच है कि, जयनारायण व्यास की इस बात व तर्क से प्रभावित होकर कि "अखबार बाजी व आतिशबाजी का एक ही सिद्धान्त होता है, घर के आंगन में की जाती है, जिससे घर वाले, परिवार वाले, परिजन व मौहल्ले वाले उसका आनंद ले सकें", 1949 में अखबार शुरु करने हजारी बाबू कलकत्ता से जयपुर आए थे। पर जैसे गुरु वैसे ही चेला, अखबार को शुरु होने में दो साल लग गये। हालांकि मशीनें, कम्पोज़िंग में काम आने वाले टाइप, पेज बनाने के फर्मे, एक वैगन कागज, हजारीबाबू कलकत्ता से साथ लाये थे। कम्पोज़िटरों का जत्था मूलतः मैथिल ब्राह्मणों का था। ये लोग कलकत्ता में हिन्दी की पुस्तकें छापने वाले प्रिन्टिंग प्रेसों में काम करते थे। सम्पादकीय विभाग में भी कई महारथी, जैसे शिवपूजन त्रिपाठी, दिनेश खरे, कालीचरण पांडेय आदि, बनारस के "आज" अखबार या आगरा के "उजाला" से लाये गये थे। कुछ स्थानीय प्रतिभा को भी ढूंढकर जोड़ा गया सम्पादकीय विभाग में, जैसे, सुमनेश जोशी, श्रीगोपाल पुरोहित, कैलाश मिश्रा, बिशन सिंह शेखावत, मास्टर हरी प्रसाद शर्मा, हरमल सिंह, कौशल किशोर शर्मा, मोहन लाल गुप्ता, जयसिंह एस राठौड़, युगल किशोर चतुर्वेदी, लप्सा बेडवाल, चन्द्रगुप्त वार्ष्णेय, कपूरचंद कुलिश तथा युवा कवि तारा प्रकाश जोशी। नवयुग का प्रकाशन बन्द होने के बाद सिद्धनाथ तिवाड़ी, आनंद माधव मिश्रा, कमल किशोर जैन को भी साथ में लिया गया।

स्वाभाविक ही है, इस बहु प्रतिभाशाली, कई मतों वाली टीम को एक साथ रखकर अखबार निकालना काफी टेढ़ी खीर था और समय लेने वाला धैर्य का काम था। अखबार छापने के बाद, उसे जनता तक पहुंचाना भी आसान कृत्य नहीं था। दो ही बड़े न्यूज़ पेपर एजेन्ट थे, चांदपोल वाले चोंच महाराज, जो हिन्दुस्तान टाइम्स पब्लिकेशन के सोल एजेन्ट थे तथा जौहरी बाजार स्थित रॉयल स्टोर, जो टाइम्स ऑफ इंडिया ग्रुप के वितरक थे।

जब दोनों से हजारी बाबू ने संपर्क किया, सुबह चार-पांच बजे तक छपने वाले राष्ट्रदूत को कम से कम छः बजे तक ग्राहक तक पहुंचाने के लिए, तो टका सा जवाब मिला, "आपके अखबार में क्या खास बात है, जो सुबह उठते ही लोग पढ़ेंगे। सुबह का समय पूजा-पाठ, परिवार में बैठकर बातचीत करने का व ऑफिस और धंधे पर जाने की तैयारी का होता है। दिल्ली के अखबार 11-11.30 तक ट्रेन से आते हैं जिन्हें हम शाम तक घरों पर "डिस्ट्रीब्यूट" कर देते हैं और शाम को ऑफिस से लौट कर लोग तसल्ली से पढ़ते हैं।" थक-हार कर, नये हॉकरों की टीम तैयार की गयी, जो सुबह -सुबह पाठकों तक अखबार की प्रति पहुंचा दे। अधिकतर ये नये हॉकर सरकारी दफ्तरों में काम करने वाले चपरासी आदि थे।

अखबार को "पॉपुलर" करने के लिए हजारी बाबू साइकिल से पुरानी बस्ती, रामगंज आदि रिहायशी कॉलोनियों में घूमे, अपना परिचय दिया कि, कैसे वे कलकत्ता से आये हैं अखबार निकालने तथा उनका सहयोग मांगा खबरों के लिए और कॉपियां खरीदने का अनुरोध किया।

मेहनत रंग लायी, पर दो साल लग गये अखबार जनता तक पहुंचाने में। उसके बाद लगभग एक सप्ताह में तीन बार मु.मंत्री व्यास का सुबह छः बजे फोन आता, हजारी बाबू को ललकारते हुए, "क्या यह अखबार निकालने के लिए कलकत्ता से आये थे, चार दिन से एक भी सरकार विरोधी खबर नहीं है, **राष्ट्रदूत है या राजदूत।"**

राष्ट्रदूत के जन्म से द्वितीय विश्व युद्ध का

> अखबार को "पॉपुलर" करने के लिए हजारी बाबू साइकिल से पुरानी बस्ती, रामगंज आदि रिहायशी कॉलोनियों में घूमे, अपना परिचय दिया कि, कैसे वे कलकत्ता से आये हैं अखबार निकालने

अजीबोगरीब संबंध था। 1940 के दशक में जापानी फौजें, बर्मा से चढ़ते हुए इम्फाल तक पहुंच गयी थीं, तथा कलकत्ता पर जापानी लड़ाकू वायुयान कई "सॉर्टी" कर चुके थे। अफवाहों का बाज़ार गर्म था, कि जापानी यान कभी भी बमबारी कर सकते हैं। मारवाड़ी व्यापारी कलकत्ता खाली करने लगे थे। हजारी बाबू के पिता व चाचा, बैद्यनाथ आयुर्वेद भवन के संस्थापक बन्धु, भी कलकत्ता छोड़ने का प्लान बनाने लगे थे। इस "आक्रमण" की दृष्टि

> हठी, स्वाभिमानी, सिद्धान्त के मामले में कोई समझौता नहीं करने वाला राष्ट्रदूत का पत्रकार हरदम अलग सा रहा। जिसे पूरी तरह से न तो राजनीतिज्ञ, न राजनेता और न ही अफसरशाही ही समझ पाई। अतः राष्ट्रदूत से इन लोगों का रिश्ता कभी खट्टा कभी मीठा, पर कभी भी आरामदेह (कम्फर्टेबल) नहीं रहा।

से जयपुर सेफ माना गया, तथा जयपुर में हल्दियों के रास्ते में गोधों के चौक में, एक बड़ी हवेली तथा जौहरी बाज़ार में दो दुकानें खरीदी गयीं, जयपुर से व्यापार चलाने की दृष्टि से।

जापानियों के आने की भगदड़ में, ब्रिटिश इन्फॉर्मेशन सर्विस ने अपना प्रचार तंत्र घटाना शुरू कर दिया था। ब्रिटिश इन्फॉर्मेशन सर्विस दक्षिण पूर्वी एशिया में अंग्रेजी सल्तनत के प्रचार तंत्र का स्तम्भ था। कलकत्ते में उनका विशाल, आधुनिक प्रेस था, जहां दक्षिण पूर्वी एशिया के लिए सारी प्रचार सामग्री छपती थी। "वाइन्डिंग अप प्रक्रिया" के तहत, इस विशाल प्रेस को बेचने के लिए टेण्डर आमंत्रित किये गये। पर, जब टेण्डर देने की अंतिम तारीख आयी, शहर में साम्प्रदायिक दंगे फैल गये। लेकिन हजारी बाबू अपना ऑफर वाला टेण्डर भर चुके थे। दंगे के कारण दूसरा कोई टेण्डर आया ही नहीं। करोड़ों की प्रिंटिंग मशीनें, कुछ लाख रुपयों में मिल गयीं। पर, पिता ने, जो खासे सफल व्यापारी थे, दो टूक जवाब दे दिया, "मेरे पास तुम्हारी ऊल-जलूल स्कीमों के लिए पैसा नहीं है।" लेकिन चाचा को शायद युवा हजारी बाबू की काबलियत पर उनकी नेक-दिली पर ज्यादा विश्वास था और उन्होंने मशीनों के लिए "डाऊन पेमैन्ट" उपलब्ध कराया। साल भर में आधी मशीनें बेचकर, हजारी बाबू ने रकम वापस कर दी तथा अपना प्रकाशन, जनवाणी प्रिन्टर्स शुरू किया। बाकी बची, कुछ मशीनों को लेकर हजारी बाबू जयपुर आये थे, राष्ट्रदूत खोलने।

उस समय जयपुर में कोई स्थापित अखबार नहीं था, अतः हॉकर होने का सवाल ही नहीं उठता था। बड़ी मुश्किलों से, काफी समझाइश के बाद हिन्दुस्तान टाइम्स व टाइम्स ऑफ इंडिया के एजेंटों को राजी किया, सुबह पांच बजे अखबार बांटने के लिए।

अखबार की पहचान बनाने के लिए, दिन भर साइकिल पर, हजारी बाबू ने जयपुर के संभ्रान्त नागरिकों के यहां चक्कर लगाकर घूम-घूम के अखबार का व स्वयं का परिचय दिया। मुन्नालाल मिश्र के नेतृत्व में मैथिल ब्राह्मणों की कम्पोज़िटरों की प्रारम्भिक टीम कलकत्ता से साथ आई थी, बाबूलाल मशीन मैन व उनके सहयोगी, जनवाणी प्रिन्टर्स से आए थे। गवरमैंट प्रेस बीकानेर के मशीन मैन हरिसिंह, शैतान सिंह, गोवर्धन सिंह आदि ने जनवाणी प्रिन्टर्स की मशीनों को ठोक बजाकर चलाने का जिम्मा संभाला। परंतु एडिटोरियल (जिसे राष्ट्रदूत का स्टाफ, पता नहीं क्यों हड्डी तोड़यल भी कहता था) की शुरू की मूल टीम में कलकत्ता की हिन्दी प्रचारिणी सभा के लोग थे। उनमें से ज्यादातर बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के युवा लोग थे। जांबाज़ एवं उस समय के फैशन के अनुसार वामपंथी विचारधारा वाले, जैसे, शिवपूजन त्रिपाठी, दिनेश खरे, सिद्धनाथ तिवाड़ी, कालीचरण पाण्डेय, आनंद माधव मिश्रा आदि। लोकल टेलैन्ट (स्थानीय प्रतिभा) को धीरे-धीरे, परख-परख कर, हजारी बाबू अपने नवरत्नों में विभिन्न स्तर पर जोड़ते चले गये, मोहन लाल गुप्ता, कमल किशोर जैन, चन्द्रगुप्त वार्ष्णेय (सम्पादक) सौभागमल जैन, युगल किशोर चतुर्वेदी (सम्पादक), तारा प्रकाश जोशी, जयसिंह एस. राठौड़, प्रकाश भण्डारी, कौशल किशोर भार्गव आदि। बाहरी लोगों का बहुमत था, "स्थानीय टैलेन्ट" की तुलना में। यह व्यवस्था शायद लाभदायक व आवश्यक थी, उस समय, राजस्थान में पत्रकारिता व पढ़ाई-लिखाई की पुरानी स्थापित परम्परा न होने के कारण। पर, स्थानीय प्रतिभा का धीरे-धीरे समावेश हुआ, जिसका लाभ, बाद में जयपुर में आये अखबारों, राजस्थान पत्रिका, नवज्योति, भास्कर आदि को मिला। बाहरी व स्थानीय के मिश्रण ने अनूठी पहचान बनायी, जिस पर छाप रही हजारी बाबू के व्यक्तित्व की ही। इस छाप ने ही मिटने नहीं दी कभी हस्ती राष्ट्रदूत की।

हठी, स्वाभिमानी, सिद्धान्त के मामले में कोई समझौता नहीं करने वाला राष्ट्रदूत का पत्रकार हरदम अलग सा रहा। जिसे पूरी तरह से न तो राजनीतिज्ञ, न राजनेता और न ही अफसरशाही ही समझ पाई। अतः राष्ट्रदूत से इन लोगों का रिश्ता कभी खट्टा कभी मीठा, पर कभी भी आरामदेह (कम्फर्टेबल) नहीं रहा। "कम्फर्टेबल" (नजदीकी-आत्मीयता) तो, तब बनता है रिश्ता जब व्यक्तित्व, मान्यताएं, विश्वास एक जैसा हो। आमतौर पर राजनीतिज्ञ का "परसैप्शन" समयानुकूल व परिस्थिति पर आधारित होता है, अतः बदलता भी रहता है। इसलिए राष्ट्रदूत के पत्रकार व खबरनवीस को कभी मित्र, कभी विरोधी और सदा "अन्कम्फर्टेबल सवाल" करने वाला माना जाता है, और उसकी "उपयोगिता" के अनुसार उससे व्यवहार होता है। उपयोगिता उस समय के राजनीतिक (परसीव्ड) हित, से आंकी जाती है।

और, मजे की बात यह है कि, राष्ट्रदूत से अपने अजीबोगरीब संबंध को किसी मु.मंत्री ने कैसे "टैकल" किया (निभाया) यह उस राजनेता की स्वयं की "पर्सनैलिटी" व मनःस्थिति पर निर्भर रहा। मु.मंत्री सुखाड़िया ने अपने सत्रह साल के शासन के प्रारम्भिक दिनों में पहले राष्ट्रदूत से राजनीतिक तरीके से निपटने का प्रयास किया। नवयुग अखबार शुरू करवाया, राष्ट्रदूत से मुकाबले के लिए, जिसके सम्पादक थे हरदेव जोशी। हजारी बाबू, स्वयं कांग्रेस में पूर्णतया सक्रिय नेता थे, तथा विधायक भी थे। अतः राष्ट्रदूत में सबसे पहले कांग्रेस की अंदर की खबर छपती थी। नवयुग सुखाड़िया समर्थक होने की वजह से, इतनी निर्भीकता से ये खबरें व विश्लेषण नहीं दे पाता था, अतः पी.सी.सी. में बाकायदा सोच बना कि, कांग्रेस पार्टी में सक्रिय नेता व राजनीतिज्ञ, जो वरिष्ठ पदाधिकारी भी हैं, किसी भी अखबार से सम्पादक के रूप में सम्बद्ध नहीं होंगे, क्योंकि, इससे अन्दर की बातें लीक होती हैं। हजारी बाबू उस समय जयपुर के जिलाध्यक्ष भी थे, तथा राष्ट्रदूत के सम्पादक भी, इसलिए उनको अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा। साथ में हरदेव जोशी भी नवयुग के सम्पादक के रूप में आगे काम नहीं कर सके।

> मजे की बात यह है कि, राष्ट्रदूत से अपने अजीबोगरीब संबंध को किसी मु.मंत्री ने कैसे "टैकल" किया (निभाया) यह उस राजनेता की स्वयं की "पर्सनैलिटी" व मनःस्थिति पर निर्भर रहा। मु.मंत्री सुखाड़िया ने अपने सत्रह साल के शासन के प्रारम्भिक दिनों में पहले राष्ट्रदूत से राजनीतिक तरीके से निपटने का प्रयास किया। नवयुग अखबार शुरू करवाया, राष्ट्रदूत से मुकाबले के लिए, जिसके सम्पादक थे हरदेव जोशी।

पर, जैसा स्वाभाविक ही था, इससे राष्ट्रदूत की राजनीतिक पकड़ या रिपोर्टिंग कमज़ोर नहीं पड़ी। अतः सुखाड़ियाजी ने, "इमोशनल एप्रोच" काम में ली। हजारी बाबू के पिता रामदयाल जोशी से मिलने पटना गये,

> "आप जैसा कहेंगे, वैसा ही करूंगा। पर पहले बता दें किस तारीख से राष्ट्रदूत का प्रकाशन बंद कर दूँ। एक ही राज्य में, अखबार भी चले और अपना उद्योग भी चलाऊँ यह संभव नहीं हो पायेगा।" इस कथन से उद्योग लगाने वाला संवाद तो खत्म हुआ, पर, सुखाड़िया जी का राष्ट्रदूत कमज़ोर करो अभियान समाप्त नहीं हुआ।

तथा उनसे कहा, "आपका परिवार, पुराना कांग्रेसी परिवार है, "इन्डिपैन्डैंस मूवमैंट" (स्वतंत्रता संग्राम) से भी पहले से। पर, हजारी बाबू, मेरी सरकार (कांग्रेस की सरकार) के खिलाफ हैं। हजारी बाबू की तरह मैं भी आपके पुत्र के समान हूँ। हमारे बीच झगड़े की कोई वजह नहीं। हमारा झगड़ा खत्म करवाइये।" जोशी जी ने भी कूटनीतिक अंदाज में जवाब दिया "दो भाईयों के झगड़े में बड़ों का बोलना उचित नहीं होता।"

सुखाड़िया जी ने फिर उद्योगपति जोशी की दुःखती रग पर हाथ रक्खा और तर्क दिया, "राष्ट्रदूत में कोई कमाई नहीं है, घाटे का सौदा है। आप कोटा आकर बड़ा उद्योग लगाइये, अपनी प्रतिष्ठा के अनुरूप।" यह तर्क काम कर गया, जोशी जी ने पीछा शुरू कर दिया अपने पुत्र का, और सुखाड़िया के "ऑफर" पर अमल करने का दवाब बनाने लगे। सैकड़ों चिट्ठियां लिखीं हजारी बाबू को, और हर सर्दियों में अपने गांव कांसली में वार्षिक प्रवास पर आने पर यह व्यक्तिगत प्रयास जारी रक्खा। चौथे-पाँचवें वार्षिक प्रवास के दौरान थक हार कर हजारी बाबू ने कह दिया, "आप जैसा कहेंगे, वैसा ही करूंगा। पर पहले बता दें किस तारीख से राष्ट्रदूत का प्रकाशन बंद कर दूँ। एक ही राज्य में, अखबार भी चले और अपना उद्योग भी चलाऊँ यह संभव नहीं हो पायेगा।"

इस कथन से उद्योग लगाने वाला संवाद तो खत्म हुआ, पर, सुखाड़िया जी का राष्ट्रदूत कमज़ोर करो अभियान समाप्त नहीं हुआ। इस अभियान में अगला कदम था, अखबार के विज्ञापन बन्द करना। रामकिशोर व्यास ने इस बारे में अपना स्पष्टीकरण इस तरह दिया, "मैं उस समय डी.पी.आर. मंत्री जरूर था, पर, इस आदेश में मेरा रोल नहीं था, मैं तो केवल "मैसेज कैरिअर" ही था, ऊपर से जो आदेश था, उसी की अनुपालना की थी। मैं तो आपके परिवार को उस समय से जानता हूँ, जब जोशी जी, गोधों के चौक की हवेली खरीदने जयपुर आये थे। मैं ही वह वकील हूँ जिसने सारी लिखा पढ़ी की कार्यवाही करवायी थी, कोर्ट में।"

बहरहाल सभी सरकारों ने राष्ट्रदूत को बर्दाश्त किया, पर मूक असहयोग रखा। रोज के इन सदमात ने राष्ट्रदूत को तंग तो किया, पर सत्य है मजबूत भी किया। अखबार जनता की पसन्द तो बना अपने निर्भीक "स्टैण्ड" के कारण, पर कभी सम्पन्नता नहीं पा सका, सरकार के लगातार असहयोग की वजह से। रही सही कसर पूरी करी दिल्ली-बम्बई की एजन्सियों ने। तब इनका मानना था कि हिन्दी अखबार का पाठक, साधारण आदमी है, जो उनके कीमती उत्पादनों का ग्राहक नहीं है, अतः इन अखबारों में हम क्यों विज्ञापन दें, विशेषकर राजस्थान में, जो उस समय वैसे भी गरीब लोगों का गरीब प्रदेश माना जाता था। जब राजस्थान पत्रिका जमने लगा, कुलिशजी ने भी विज्ञापन एजेन्सियों की इस तरह की बेइन्साफी को महसूस किया तथा मेरे से कई बार दुखी मन से अपनी इस व्यथा को शेयर किया।

कभी "होस्टाइल" (शत्रुतापूर्ण) रवैये, पर सदा ही सरकार के "असहयोगी" रूख के कारण, राष्ट्रदूत को कभी सरकारी सुविधा व सुख भोगने की आदत नहीं पड़ी, चाहे सरकारी विज्ञापनों का किस्सा हो, या उन विज्ञापनों के भुगतान का। राष्ट्रदूत काफी समय तक प्रदेश का सबसे बड़ा अखबार था इसलिए विज्ञापन देना बन्द तो नहीं किया जा सकता था। अतः जो सरकारी विज्ञापन उस स्तर के सब अखबारों को मिलते थे, वो राष्ट्रदूत की झोली में भी आते थे। इन विज्ञापनों में भी 70-80 प्रतिशत जयपुर के बाहर के विभागों के होते थे। इन विज्ञापनों का भुगतान जयपुर के बाहर स्थित सरकार के दफ्तरों, जैसे सार्वजनिक निर्माण, पी.एच.ई.डी. व राजस्थान स्टेट इलैक्ट्रिसिटी बोर्ड, खान विभाग आदि, के इंजीनियर करते थे। पर विज्ञापन जारी करता था डी.पी.आर. (डायरैक्टर पब्लिक रिलेशन)। डी.पी.आर. विज्ञापन रिलीज़ करने तक ही अपनी जिम्मेवारी मानता था। इन विज्ञापन का भुगतान दिलवाने में डी.पी.आर. अपनी असमर्थता ही दिखाता था। अतः धीरे-धीरे कालान्तर में सरकारी विज्ञापनों की देनदारी करोड़ों में पहुंच गयी और जब राष्ट्रदूत इस बारे में बहुत हल्ला करता तो डी.पी.आर. डिपार्टमैंट को एक रिमाइन्डर भेज देता कि कृपया राष्ट्रदूत के इन बिलों का भुगतान करें। रिमाइन्डरों की कॉपी हमें दे दी जाती थी ताकि हम उन भुगतानों का पीछा करें (परस्यू करें)। पर जालौर से जैसलमेर, बांसवाड़ा से बाड़मेर तक फैले हजारों इंजीनियरों व अफसरों का अखबार कैसे पीछा करे। दूसरी ओर अन्य अखबारों को वो विज्ञापन रिलाज़ होते थे जिनका भुगतान डी.पी.आर. स्वयं ही करता था। उन विज्ञापनों के भुगतान अखबारों के दफ्तरों में स्वयं ही पहुंचा दिये जाते थे।

ऐसी असुविधाएँ व पिन प्रिक्स (पिन चुभाने वाली) रोजमर्रा की बातें थीं। पर शायद मु.मंत्री से मतभेद रखने का यह "जायज़" खामियाज़ा माना जाता था। लेकिन यह तपन केवल विज्ञापन तक ही सीमित नहीं रहती थी। राष्ट्रदूत के लेबर के सारे छोटे- बड़े मामले हाईकोर्ट तक जाकर ही खत्म होते थे, क्योंकि श्रम विभाग सरकारी महकमा था तथा लेबर कोर्ट का जज, रिटायर्ड न्यायाधीश, सरकार द्वारा नियुक्त होता था। उसका सरकार की ओर देखना कोई अनहोनी बात नहीं थी। अतः राष्ट्रदूत का हर लेबर सम्बन्धित मामला श्रम विभाग होते हुए लेबर कोर्ट में जाकर विपरीत आदेश पाता था, इसलिए हाइकोर्ट जाना लाजमी सा हो जाता था। पर इन मुकदमों के बावजूद हजारी बाबू जी को लोग बड़े आदर व श्रद्धा से देखते थे। इसका सजीव उदाहरण थी, राष्ट्रदूत में एक बार हुई लम्बी हड़ताल, जिसमें प्रिंटिंग प्रेस के सभी कर्मचारी, कम्पोज़िटर, मशीन मैन, चौकीदार आदि शामिल थे। सम्पादकीय विभाग व दफ्तर के लोग सम्मिलित नहीं थे स्ट्राइक में। जब सवा महीना होने को आया तो कुछ बेचैनी सी फैलने लगी हड़ताल पर गये कर्मचारियों में, क्योंकि महीने के अंत में तनख्वाह नहीं मिली थी। मैनेजमैंट से बात करके, काम पर लौटने की फुसफुसाहट शुरू हुई। जयपुर छोटा शहर था बात फैली तथा मु.मंत्री तक भी पहुंची। मु. मंत्री के प्रतिनिधि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार आर.के. मिश्रा को हड़तालियों के पास भेजा गया, पैसे लेकर यह संदेश देने कि, "वेतन की परवाह मत करो हम देंगे। एक महीने की तनख्वाह की राशी मैं लेकर आया हूँ। अगले महीने और आगे भी देते रहेंगे। पीछे मत हटना।" हड़तालियों ने पैसे रख लिये और रात भर सोच विचार कर सुबह पैसे वापस कर आये। प्रेस के हड़ताली कर्मचारी रात को सरयू नारायण हल्दिया, विज्ञापन विभाग के वरिष्ठ अफसर से मिले तथा मु.मंत्री की ओर से आया प्रस्ताव बताया। हल्दिया जी ने कहा "क्या तुम लोगों को हजारी बाबू से शिकायत है? क्या उनसे बात की? वे घर के, अपने राष्ट्रदूत परिवार के बड़े हैं। कुछ तकलीफ हो तो उन्हें बताओ। अब तक परिवार के बीच की बात है घर में निपटा लो। अगर बाहर वालों का हस्तक्षेप हुआ तो पता नहीं बात क्या रूख ले ले, और कहां जाकर रूके।" हल्दिया जी का परामर्श सबने स्वीकार किया और मु. मंत्री का एक और प्रयास विफल हुआ।

> कभी "होस्टाइल" (शत्रुतापूर्ण) रवैये, पर सदा ही सरकार के "असहयोगी" रूख के कारण, राष्ट्रदूत को कभी सरकारी सुविधा व सुख भोगने की आदत नहीं पड़ी, चाहे सरकारी विज्ञापनों का किस्सा हो, या उन विज्ञापनों के भुगतान का।

सदा "गैर मैत्रीपूर्ण" प्रशासन से घिरे होने के कारण, राष्ट्रदूत की अनूठी, पारदर्शी "मैनेजमैंट स्टाइल" विकसित हुई। क्योंकि, राष्ट्रदूत यदि कुछ चालाकी करना या "डण्डी" मारना अपनाता तो इन छिद्रों से, कवच भेदकर घायल करने का रास्ता सब सरकारें बहुत पहले चुन लेतीं। यह मौका नहीं देना ही, जीवित रहने का गुरूमंत्र था। पर एक अजीबोगरीब "कोरोलरी" (सहयोगी निष्कर्ष) यह भी था, इस स्टाइल का कि, कोई साथी, संगी नहीं बना, दिक्कत के समय बगल में खड़ा होने वाला। आदर था, बड़ाई मिली पर दोस्ताना नहीं। यह वैसी ही स्थिति थी कि, हर व्यक्ति साधु का आदर करता है तथा साधु बनने को अति सराहनीय कर्म आंकता है, परंतु साथ ही दिल से चाहता है, कि, उसका खुद का होनहार बच्चा तपस्या करने वन में न जाये। पड़ोसी के बालक का जाना ज्यादा अच्छा है।

> असुविधाएँ व पिन प्रिक्स (पिन चुभाने वाली) रोजमर्रा की बातें थीं। पर शायद मु.मंत्री से मतभेद रखने का यह "जायज़" खामियाज़ा माना जाता था। लेकिन यह तपन केवल विज्ञापन तक ही सीमित नहीं रहती थी। राष्ट्रदूत के लेबर के सारे छोटे- बड़े मामले हाईकोर्ट तक जाकर ही खत्म होते थे, क्योंकि श्रम विभाग सरकारी महकमा था तथा लेबर कोर्ट का जज, रिटायर्ड न्यायाधीश, सरकार द्वारा नियुक्त होता था। उसका सरकार की ओर देखना कोई अनहोनी बात नहीं थी।

लगभग सभी ने राष्ट्रदूत से जुड़ना तो इज़्ज़त व गर्व (ऑनर) की बात मानी, वैचारिक दोस्ती तो मानी, पर "अपराध" में शामिल होने वाला "एका" नहीं पनपा, प्रगाढ़ता नहीं उभरी। वैचारिक मैत्री सबसे पहले चटकती है, समय की संभावित मार के डर से या "परसीव्ड" लाभ की संभावना से। एक अजीब सिद्धान्त पनपा, हमारे दोस्त तो हमारे हैं ही, राष्ट्रदूत का उनसे क्या लेना-देना। पर हमारे दुश्मन राष्ट्रदूत के भी दुश्मन हैं। नतीजा यह निकला कि, राष्ट्रदूत से या उसके किसी कर्मचारी के लेखन से कभी न कभी "हर्ट" हुए, सत्ता में बैठे कृत संकल्प लोगों की संख्या निरन्तर बढ़ती गयी। पर, अखबार के चाहने वाले, आम पाठक व जनता की तादाद इन कृत संकल्पित लोगों से कहीं ज्यादा थी। अतः राष्ट्रदूत में जो छपता था और छपता है, उसका व्यापक असर होता था और होता है, और उसको (राष्ट्रदूत को) हानि पहुंचाने वाले व "इन्तकाम" लेने वाले तिलमिला कर रह जाते हैं।

किसी की वफादारी का आधार वह जुनून होता है, जो संघ से सम्बद्ध लोगों में, या वामपंथ के कट्टर अनुयायियों में होता है। दूसरा आधार होता है, वह आर्थिक सुख-सुविधा, जो, संस्था उस व्यक्ति को देती है, ज़रुरत व नीयत से ज्यादा। आर्थिक सुख-सुविधा देने का सामर्थ्य तो सरकार ने कभी बनने ही नहीं दिया। वैचारिक मतभेद, बाल की खाल निकालने का हुनर, शायद कभी भी वैचारिक एकता स्थाई होने नहीं देता। कुछ कम ही लोग हैं जो, व्यक्तिगत सम्बन्धों को वैचारिक मतभिन्नता से प्रभावित नहीं होने देते, जैसे "रैडिकल ह्यूमनिस्ट" विचारधारा के प्रवर्तक एम.एन. रॉय व हजारी बाबू की मित्रता। कुछ रिश्ते, आदर व सम्मान पर आधारित होते हुए भी, प्रगाढ़ता की स्थिति प्राप्त करते हैं। जैसे व्यासजी व हजारी बाबू का सम्बन्ध। या केवल शुद्ध दोस्ताना, जैसे रामधारी सिंह दिनकर व बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री विनोदानन्द झा व बरकत साहब से हजारी बाबू की आत्मीयता।

> कुछ कम ही लोग हैं जो, व्यक्तिगत सम्बन्धों को वैचारिक मतभिन्नता से प्रभावित नहीं होने देते, जैसे "रैडिकल ह्यूमनिस्ट" विचारधारा के प्रवर्तक एम.एन. रॉय व हजारी बाबू की मित्रता। कुछ रिश्ते, आदर व सम्मान पर आधारित होते हुए भी, प्रगाढ़ता की स्थिति प्राप्त करते हैं। जैसे व्यासजी व हजारी बाबू का सम्बन्ध। या केवल शुद्ध दोस्ताना, जैसे रामधारी सिंह दिनकर व बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री विनोदानन्द झा व बरकत साहब से हजारी बाबू की आत्मीयता।

ऐसे रिश्ते सबसे नहीं हो सकते, यह, शायद मजबूरी थी राष्ट्रदूत की। वो लोग खरे नहीं उतरे, जिनसे आशा नहीं थी कि वो मौके पर निराश करेंगे। जैसे पूर्व संपादक शिव पूजन त्रिपाठी व दिनेश खरे। इसलिए , जोधपुर के रंगरेली काण्ड, जिसमें उस समय के महारथी, पेट्रोल पम्प श्रृंखला के मालिक ताम्बी, कन्हैया लाल जैन, मुन्ना लाल गोयल आदि संलग्न बताये जा रहे थे, में जब त्रिपाठी जी की भूमिका संदिग्ध मानी गई, तो भारी आघात पहुँचा।

खरे साहब, बनारस के "आज" अखबार से राष्ट्रदूत में आये थे। एक प्रतिभाशाली अनुभवी पत्रकार थे तथा राष्ट्रदूत का सम्पादक बनने की योग्यता रखते थे। पर "मॉरल टर्पिट्यूड" (नैतिक परंपरा का उल्लंघन) का आरोप लगा था, स्थानीय अखबारों में, जैसे, दैनिक मशाल। यह क्षम्य हो जाता हजारी बाबू की ओर से, हालांकि, हजारी बाबू जयपुर के "कंज़रवेटिव व्यक्तित्व" से भली भांति परिचित थे।

लेकिन, इसी समय, खरे साहब ने राष्ट्रदूत को सुखाड़िया उन्मुख बनाना भी शुरू किया, बिना हजारी बाबू की सहमति के। यह त्रुटि भी शायद माफ हो जाती, हजारी बाबू की ओर से, क्योंकि लम्बी छूट देकर आदमी को बदलने में उनका विश्वास था। पर, उस वक्त, राष्ट्रदूत के मैनेजिंग एडिटर के रूप, काम देखने की जिम्मेवारी, छोटे भाई बनवारी बाबू को सौंपी जा रही थी, हजारी बाबू द्वारा। अमेरिका की कोलम्बिया युनिवर्सिटी से एम.बी.ए. अध्ययन करके लौटे बनवारी बाबू अखबार को भी कॉरपोरेट कंपनी की तरह चलाने का सोच रखते थे।

बनवारी बाबू ने लिखा-पढ़ी शुरू कर दी, अनुशासनात्मक कार्यवाही के तहत और फिर खरे साहब को बर्खास्त कर दिया। मुकद्मा चला सुप्रीम कोर्ट तक। राष्ट्रदूत की तरफ से अशोक सेन और खरे साहब की ओर से कृष्णा मेनन ने पैरवी की। मुकदमे का फैसला भी आया। पर जैसा कि इन बड़े मुकदमों में होता है, यह गूढ़ बात, कि कौन जीता और कौन हारा, जानने के लिए खुद का वकील होना जरूरी था।

धीरे-धीरे, सत्तर साल के इस सफर में व्यक्तित्व इतना कठोर हो गया कि, दोस्तों की मदद स्वीकार करने में अटपटा लगने लगा। सुखाड़िया शासन के समाप्त होने पर, जब परम मित्र बरकत साहब मु. मंत्री बने, तब दो बार मैत्रीपूर्ण सहायता का हाथ बढ़ाया उन्होंने, क्योंकि, पारदर्शिता की नीति के कारण राष्ट्रदूत की आर्थिक हालत किसी से छुपी हुई नहीं थी। बरकत साहब की सरकार ने राष्ट्रदूत की मदद करने की दृष्टि से राष्ट्रदूत की पुरानी "मोनो कम्पोज़िंग" मशीन खरीदने का प्रस्ताव भेजा गवरमैंट प्रेस के लिए। बाद में राष्ट्रदूत की गोधों के चौक की हवेली को "कोऑपरेटिव डिपार्टमैंट" के कॉलेज के लिये, किराये पर लेने की बात की। बरकत साहब ने हजारी बाबू को राज्य सभा की सीट का ऑफर भी भेजा, खादी घर के संचालक सचिव व रिश्तेदार, राधेश्याम जी के मार्फत। पर, हजारी बाबू "अन्कम्फर्टेबल" थे इन ऑफर्स से, जैसा कि इस शेर में वर्णित है:

"मेरे दाग़े दिल से है रोशनी,
इसी रोशनी से है ज़िन्दगी,
मुझे डर है ए मेरे चारागर,
ये चिराग़ तू ही बुझा न दे।"

राष्ट्रदूत एक जज़्बा है, एक जुनून है, एक सोच है, एक "थॉट" है। एक शेर है, जिसे दोहराया जा सकता है, जिसे नापसंद भी किया जा सकता है, पर, उसकी हस्ती मिटायी नहीं जा सकती। राष्ट्रदूत केवल मशीनें, कम्प्यूटर,

> धीरे-धीरे, सत्तर साल के इस सफर में व्यक्तित्व इतना कठोर हो गया कि, दोस्तों की मदद स्वीकार करने में अटपटा लगने लगा। सुखाड़िया शासन के समाप्त होने पर, जब परम मित्र बरकत साहब मु. मंत्री बने, तब दो बार मैत्रीपूर्ण सहायता का हाथ बढ़ाया। पर, हजारी बाबू "अन्कम्फर्टेबल" थे इन ऑफर्स से

बिल्डिंग नहीं है। उसे तंग तो किया जा सकता है, खत्म नहीं किया जा सकता, केवल प्रशासनिक दबावों से, भय से। पर, अगर कभी राष्ट्रदूत मिटा तो, अप्रासंगिक होने से मिटेगा और टीम के बिखरने से मिटेगा, क्योंकि :

"मेरा अज़्म इतना बुलन्द है,
कि पराए शोलों का डर नहीं।
मुझे ख़ौफ़ आतिशे-गुल से है,
ये कहीं चमन को जला न दे।"

पर, पथभ्रष्ट होना भी मुश्किल है, क्योंकि जब कभी भी पग डगमगाए, हजारी बाबू की यादों ने हाथ थाम लिया:

"मेरे नसीब ने जब
मुझसे इंतकाम लिया,
कहाँ-कहाँ तेरी यादों ने
हाथ थाम लिया।"

राजेश शर्मा

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हुये सड़क हादसे में भाई-बहन सहित तीन की मौत

बुर्जा गांव के पास एक्सप्रेस-वे पर मिट्टी से भरे डंपर से ट्रक के पीछे से टकराने से हादसा हुआ

अलवर, (निसं)। जिले के बड़ौदामेव थाना क्षेत्र में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हुए भीषण सड़क हादसे में भाई-बहन सहित तीन लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा एक्सप्रेस-वे के चैनल नंबर 86/100 पर बुर्जा गांव के पास रात करीब एक बजे हुआ। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ट्रक का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार तीनों लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही एनएचएआई की एम्बुलेंस मौके पर पहुंची और घायलों को तुरंत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) बड़ौदामेव ले जाया गया। हालांकि चिकित्सकों ने जांच के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और हादसे की जांच शुरू कर दी।

पुलिस के अनुसार मृतकों की पहचान आंसू सिंह (20) पुत्र कमल सिंह, सलोनी सिंह (18) पुत्री कमल सिंह और विकास कुमार (31) पुत्र अब्बल सिंह के रूप में हुई है। तीनों मूल रूप से जयपुर जिले के ग्राम टीगरिया के रहने वाले थे और वर्तमान में सांगानेर क्षेत्र में रह रहे थे। वाहन चालक विकास कुमार उत्तर प्रदेश के नगला साकित का निवासी बताया गया है।

- **तेज रफ्तार और जोरदार टक्कर के कारण ट्रक का केबिन बुरी तरह पिचक गया, जिससे तीनों बाहर नहीं निकल सके**

परिजनों के अनुसार सलोनी सिंह फरीदाबाद में होटल मैनेजमेंट का कोर्स कर रही थी। उसका भाई आंसू सिंह उसे फरीदाबाद छोड़ने जा रहा था। विकास कुमार ट्रक चला रहा था। इसी दौरान बुर्जा गांव के पास एक्सप्रेस-वे पर आगे चल रहे मिट्टी से भरे डंपर से ट्रक पीछे से जा टकराया। तेज रफ्तार और जोरदार टक्कर के कारण ट्रक का केबिन बुरी तरह पिचक गया, जिससे तीनों बाहर नहीं निकल सके। सुबह करीब 10 बजे मृतकों के परिजन सीएचसी बड़ौदामेव पहुंचे। इसके बाद पुलिस ने पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिए।

सिंघाना में दूध के टैंकर में घुसी कार, दो महिलाओं की मौत, पांच गंभीर घायल

- **सिंघाना थाना क्षेत्र में गाड़ाखेड़ा के पास हुआ सड़क हादसा, नूंह मेवात के बताए जा रहे हैं कार सवार**
- **हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई**

सिंघाना, (निसं)। सिंघाना थाना क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर गाड़ाखेड़ा के पास झुंझुनूं-सिंघाना मार्ग पर हुए भीषण सड़क हादसे में वैगनआर कार सवार दो महिलाओं की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना मिलते ही सिंघाना थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया।

थानाधिकारी सुगन सिंह ने बताया कि शुक्रवार दोपहर करीब 3:30 बजे गाड़ाखेड़ा और भैसावता कलां के बीच सड़क दुर्घटना की सूचना मिली थी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो देखा कि चिड़ावा की ओर से सिंघाना आ रही एक वैगनआर कार सामने चल रहे दूध के टैंकर में पीछे से जा घुसी, जिससे कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में कार में सवार दो महिलाओं की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल उपचार के लिए राजकीय अस्पताल, चिड़ावा पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए झुंझुनूं रेफर कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जानकारी में कार सवार सभी लोग हरियाणा के नूंह (मेवात) क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। हालांकि, देर शाम तक मृतकों और घायलों की औपचारिक पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस उनकी शिनाख्त और परिजनों से संपर्क करने के प्रयास में जुटी हुई है। दोनों मृतक महिलाओं के शवों को केसीसी अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। परिजनों के पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम की कार्रवाई कर शव सुपुर्द किए जाएंगे।

हादसे के कारण झुंझुनूं-सिंघाना मार्ग पर काफी देर तक यातायात बाधित रहा और वाहनों की लंबी कतार लग गई। बाद में पुलिस ने क्रेन की सहायता से क्षतिग्रस्त वैगनआर और दूध के टैंकर को हटाकर गाड़ाखेड़ा चौकी पहुंचाया, जिसके बाद सड़क पर यातायात को सुचारू कराया गया। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म का आरोप

बीदासर, (निसं)। साण्डवा थाना क्षेत्र के एक सरकारी स्कूल की 16 वर्षीय नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म का गंभीर मामला सामने आया है। पीड़िता की मां की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी शारीरिक शिक्षक (पीटीआई) के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दी गई रिपोर्ट के अनुसार, 30 जुलाई को छात्रा स्कूल गई थी। दोपहर में आधी छुट्टी के दौरान आरोपी पीटीआई सहीराम दूसाद निवासी बैरासर ने छात्रा को इशारे से पास की गली में बुलाया। आरोप है कि वह छात्रा को बहला-फुसलाकर और दबाव बनाकर अपनी मोटरसाइकिल पर अपने घर ले गया, जहां उसने कमरे में बंद कर उसके साथ दुष्कर्म किया।

- **पीटीआई के खिलाफ पॉक्सो सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज**

क्लास में छात्रा के न लौटने पर सहपाठियों की सूचना के बाद परिजनों ने खोजबीन शुरू की। दोपहर करीब 12:30 बजे छात्रा डरी-सहमी और घबराई हालत में घर पहुंची तथा परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। घटना के विरोध में आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने स्कूल के मुख्य गेट पर ताला लगाकर विरोध-प्रदर्शन किया। सूचना मिलने पर पुलिस व शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से समझाइश कर स्कूल का गेट खुलवाया।

मामले की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए प्रकरण की जांच सुजानगढ़ के वृत्ताधिकारी (डीएसपी) दरजाराम बोस को सौंपी गई है। पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल करवाने तथा न्यायालय में बयान दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि दर्ज एफआईआर के आधार पर निष्पक्ष जांच की जा रही है और तथ्यों की पुष्टि के आधार पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

युवक को सांप ने काटा

अलवर, (निसं)। अलवर के टहला थाना क्षेत्र के थाना गांव में एक युवक को सांप ने पैर में डस लिया। चीख-पुकार सुनकर दौड़े परिजनों ने पहले तो सांप को मौके पर ही मार डाला, फिर युवक के साथ मरे हुए सांप को भी थैली में लेकर अस्पताल पहुंच गए। अस्पताल पहुंचकर परिजनों ने डॉक्टर से कहा कि साहब इसी सांप ने दुर्गादास (30) को काटा है। हम इसे इसलिए साथ लाए हैं ताकि आपको पता चल सके कि यह जहरीला है या नहीं, और उसी हिसाब से सही एंटी वेनम दिया जा सके ताकि इलाज में कोई चूक न हो।

डॉक्टर ने कहा कि परिजनों की सजगता से दुर्गादास को समय पर इलाज मिल गया। जिला अस्पताल के ट्रॉमा वार्ड में डॉक्टरों की टीम ने तुरंत युवक का उपचार शुरू किया। फिलहाल मरीज को डॉक्टरों की निगरानी में रखा गया है।

कार्यालय नगर पालिका सीसवाली जिला बारां (राज.)
E-Mail Id - npsiswali@gmail.com
क्रमांक. न.पा.सी./2026-27/1275-1276 दिनांक - 27.07.2026
Corrigendum
कार्यालय नगर पालिका सीसवाली द्वारा जारी निविदा सूचना संख्या नपासी/2026-27/1261-65 दिनांक 24.07.2026 के माध्यम से जारी निविदा डाउनलोड एवं अपलोड़ दिनांक 25.07.2026 से 04.08.2026 तक सांय 5 बजे तक है। संवेदक द्वारा ऑन-लाईन E-Proc पोर्टल पर टेण्डर/निविदा में भाग लेने के पश्चात् पालिका कोष में धरोहर, निविदा शुल्क, MD-RISL प्रोसेसिंग शुल्क जमा राशि व निविदा रिसिप्ट/रसीद/कॉपी मय फर्म जानकारी के साथ पालिका में दिनांक 05.08.2026 को प्रातः 11 बजे तक जमा करवाया जाना सुनिश्चित् करें अन्यथा संवेदक को निविदा में भाग लेने से वंछित कर दिया जावेगा। शेष शर्ते यथावत् रहेगी।
राज.संवाद/सी/26/8119 अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगर पालिका, सिवाना (जिला-बालोतरा)
क्रमांकः नपासि/विकास/2026/538 दिनांकः 16.07.2026
ई-निविदा सूचना सं 03/2026-27
नगर पालिका सिवाना क्षैत्र में विभिन्न विकास कार्यो हेतु क्रेन्द्र एवं राज्य सरकार के विभाग में उपयुक्त श्रैणी में पंजीबद्ध संवेदकों से ई-टेन्डरिंग प्रक्रिया से ऑनलाइन ई-निविदा आमन्त्रित की जाती है। निविदा संबंधी जानकारी व अन्य शर्ते पालिका कार्यालय नोटिस बोर्ड, पोर्टल www.sppp.rajasthan.gov.in पर जरीये यूबीएन नं. DLB2627WSOB12047, 12049 द्वारा देखी जा सकती है तथा बेवसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।
राज.संवाद/सी/26/8112 प्रशासक नगर पालिका सिवाना अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका सिवाना

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर
अविप्रा
टेक्नस्टल लेन, सिविल लाईन्स, अजमेर, Email :- ajmerada@gmail.com, Website :- www.rajasthan.gov.in/ada, Tel.No. :- 0145-2627748-2627749
क्रमांक :- अविप्रा/प.2/तकनीकी/2026-27/राजकाज 23608952 दिनांक :- 29/07/2026
ई-निविदा सूचना संख्या 20/2026-27
अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर की ओर से विभिन्न कार्यों अनुमानित लागत राशि रु. 1633.33 लाख की ई-निविदा क्रम संख्या (1-2) दिनांक 17.08.2026 एवं सांय 06:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित समस्त विवरण वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in, http://www.urban.rajasthan.gov.in/ada पर देखा जा सकता है।
UBN No. : AJD2627SLOB00119, AJD2627WLOB00120
राज.संवाद/सी/26/8172 अधिशाषी अभियन्ता

30 लाख के बैंक गबन का मास्टरमाइंड गिरफ्त में

लालसोट, (निसं)। मंडावरी थाना पुलिस ने 30 लाख रुपये के बैंक गबन मामले में चार माह से फरार चल रहे एसबीआई बैंक शाखा मंडावरी के तत्कालीन उप प्रबंधक अशोक कुमार (36) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी अलवर जिले के सालवाड़ी, थाना गंज खेड़ली का निवासी है। पुलिस अब उससे पूछताछ कर गबन से जुड़े अन्य पहलुओं की जांच कर रही है।

पुलिस के अनुसार, परिवादी गिरिराज प्रसाद की शिकायत पर दर्ज मामले की जांच में सामने आया कि 13 नवंबर 2025 को बैंक के कैशियर विनोद कुमार मीणा ने फर्जी वाउचर तैयार कर तत्कालीन सहायक प्रबंधक अशोक कुमार से पास करवाया, जिसके बाद 23 लाख रुपये वीरेंद्र कुमार शर्मा के खाते में ट्रांसफर कर दिए गए। इसके बाद 20 नवंबर 2025 को दोबारा फर्जी वाउचर बनाकर 7 लाख रुपये अंकित कुमार मीणा के खाते में भेज दिए गए। इस तरह कुल 30 लाख रुपये का गबन किया गया। मामले में पुलिस ने 27 मार्च 2026 को कैशियर विनोद कुमार मीणा और संविदाकर्मी वीरेंद्र कुमार शर्मा को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था, जबकि तत्कालीन उप प्रबंधक अशोक कुमार वारदात के बाद से फरार चल रहा था। मंडावरी थाना पुलिस ने लगातार तलाश और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई करते हुए आखिरकार चार महीने बाद आरोपी अशोक कुमार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि मामले में गबन से जुड़े अन्य पहलुओं और संभावित संलिप्तता की भी गहन जांच जारी है।

बीकानेर में हिस्ट्रीशीटर के कब्जों को तोड़ा

बीकानेर, (निसं)। प्रशासन और पुलिस ने करमीसर में तीन जगहों पर सरकारी जमीन पर किए अतिक्रमण पर जेसीबी चलाकर उसे ढहा दिया। भूमाफियाओं ने बीडीए की करोड़ों रुपए की जमीन पर कब्जा कर रखा था जिसे मुक्त कराया गया। सीओ गंगाशहर हिमांशु शर्मा ने बताया कि करमीसर में राजीव नगर के फ्रंट पर कब्जे किए गए थे। बताया जा रहा है कि अतिक्रमण हिस्ट्रीशीटर और हथियार तस्कर अमीन और हसन तथा एक अन्य व्यक्ति का बताए जा रहे थे। करीब 6 बीघा में किए गए अतिक्रमण तोड़ दिए गए और बीडीए की करोड़ों रुपए की जमीन अतिक्रमण मुक्त कराई गई है।

विदेश भेजने के नाम पर आठ लोगों से 60 लाख रुपए की ठगी

सीकर। सीकर में विदेश भेजने के नाम पर 60 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। आरोपी ने 8 जनों को जर्मनी में नौकरी दिलाने के नाम पर रुपए ऐंठ लिए। पीड़ित आठ जने जब पासपोर्ट लेकर जयपुर पहुंचे तो वीजा-टिकट फर्जी निकले। पीड़ितों ने जब आपस में संपर्क किया तो पता चला कि उन सबको एक ही एजेंट ने नौकरी लगवाने का झांसा दिया था। पीड़ितों ने धोद पुलिस थाने में धोखाधड़ी कर रुपए हड़पने का रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

रिपोर्ट के अनुसार धोद निवासी सुखाराम, नरेंद्र सिंह, श्रवण कुमार, पीयूष थालौड़, हनुमान राम, गोपीराम, उम्मेदाराम और भंवरलाल ने एसपी को ज्ञापन दिया था। पीड़ितों का आरोप है कि संपत गढ़वाल ने उन्हें जर्मनी में नौकरी दिलाने का झांसा दिया। आरोपी ने सभी पीड़ितों से अलग-अलग खातों में लाखों रुपये ट्रांसफर करवा लिए और उन्हें दुबई के वीजा व एयर टिकट थमा दिए। जब सभी पीड़ित जयपुर एयरपोर्ट पहुंचे, तो एयरलाइंस अधिकारियों ने जांच के बाद उनके वीजा और टिकट को फर्जी घोषित कर दिया। ठगी का अहसास होने पर जब पीड़ितों ने आरोपी के मोबाइल पर संपर्क करने की कोशिश की, तो उसका फोन बंद मिला। पीड़ित पीयूष ने बताया कि आरोपी विदेश में नौकरी के दौरान चोट लगने पर क्लेम तक दिलाने का वादा करता था। आरोपी ने केबीआर इंटरनेशनल कंपनी में जॉब लगवाने के नाम पर फर्जी ऑफर लैटर दिए थे। आरोपी ने पीड़ितों से गुड़गांव और दिल्ली के कई अकाउंट्स में पैसे डलवाए, जब बाद में जांच हुई तो उन बैंक अकाउंट्स में कुछ नहीं था। पीड़ितों ने अपने स्तर पर जांच करवाई तो म्यूल अकाउंट निकले। पुलिस अधीक्षक प्रवीण नायक नूनावत के निर्देश पर धोद थानाधिकारी केदार मल ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। मामले की जांच एएसआई पूर्णसिंह को दी गई है। पुलिस अब आरोपी के कॉल डिटेल और बैंक अकाउंट्स की डिटेल्स जुटाकर आरोपी की तलाश में जुटी है।

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड
ई-निविदा सूचना दिनांक :- 30/07/2026

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
e-Tender no. RSMM/CO/GGM (Cont)/Cont-14/2026-27 Dated 29.07.2026 UBN No. MML262SLOB00093	आरएसएमएमएल संस्थान के कॉरपोरेट कार्यालय, उदयपुर एवं इसके अधिन विभिन्न कार्यालयों पर अनुबंध के आधार पर सुरक्षा प्रहरी उपलब्ध कराने का कार्य। (निविदानुसार) कुल अनुमानित लागतः रू. 56.50 लाख, धरोहर राशिः रू. 1.13/- लाख, निविदा प्रपत्र मूल्य 1180/-

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com, www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in अथवा वरि. प्रबन्धक (अनुबन्ध) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।
राज.संवाद/सी/26/8231 उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

अश्लील चैटिंग प्रकरण का दूसरा फरार शिक्षक गिरफ्तार

अजमेर/मांगलियावास, (निसं)। पीसांगन क्षेत्र के एक राजकीय विद्यालय में नाबालिग छात्राओं के साथ अश्लील चैटिंग और अनुचित व्यवहार के मामले में फरार चल रहे दूसरे आरोपी शिक्षक को पुलिस ने शुक्रवार शाम गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेजा जा चुका है।

जानकारी के अनुसार छात्राओं ने शिक्षकों के अनुचित व्यवहार की जानकारी अपने परिजनों को दी थी। इसके बाद अभिभावक विद्यालय पहुंचे और शिक्षकों के मोबाइल में कथित रूप से अश्लील चैट मिलने पर मामला गंभीर हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शिक्षकों को अस्पताल भिजवाया। बाद में परिजनों की शिकायत पर पीसांगन थाने में दोनों शिक्षकों के विरुद्ध पॉक्सो अधिनियम सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया।

पाली में एक करोड़ की शराब जब्त

पाली, (नि.सं.)। ट्रांसपोर्ट नगर थाना पुलिस ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए मक्के की बोरियों की आड़ में तस्करी कर गुजरात ले जाई जा रही पंजाब निर्मित अंग्रेजी शराब से भरा एक ट्रेलर जब्त किया है। पुलिस ने ट्रेलर में सवार सीकर और लाडनू निवासी दो युवकों को हिरासत में लिया है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार जब्त शराब की बाजार कीमत करीब एक करोड़ रुपये बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार दोपहर ट्रांसपोर्ट नगर थाने के पास ओवरब्रिज के निकट एक ट्रेलर संदिग्ध अवस्था में खड़ा दिखाई दिया। पुलिस टीम ने संदेह होने पर ट्रेलर को थाने लाकर पूछताछ की। चालक ने ट्रेलर में मक्के की बोरियां भरी होने की जानकारी दी, लेकिन जब पुलिस ने तलाशी ली तो मक्के की बोरियों के पीछे बड़ी मात्रा में पंजाब निर्मित अंग्रेजी शराब के कार्टन छिपाकर रखे मिले। शराब बरामद होने के बाद पुलिस ने ट्रेलर में मौजूद सीकर और लाडनू निवासी दो युवकों को हिरासत में ले लिया। फिलहाल ट्रेलर से शराब के कार्टन उतरवाने की कार्रवाई जारी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है तथा यह पता लगाया जा रहा है कि शराब की खेप कहां से लाई गई थी और इसे किन लोगों तक पहुंचाया जाना था।

किशोरी की मौत

मसूदा, (निसं)। मायला गांव में खेत पर कार्य कर रही एक किशोरी की जहरीले जीव के काटने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार 14 वर्षीय टीना पुत्री रामनिवास अपनी माता नर्बदा के साथ खेत में कृषि कार्य कर रही थी। इसी दौरान किसी जहरीले जीव ने उसे काट लिया। कुछ ही देर में उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। परिजन उसे मसूदा चिकित्सालय लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

कार्यालय कृषि उपज मण्डी समिति (अनाज) पूगल रोड़, बीकानेर
Telephone No. 01512942447 E-mail ID- kums.pugalroad@rajasthan.gov.in
क्रमांकः-RajKaj 23609208 **विज्ञप्ति** दिनांकः-24.07.2026
समस्त बैंक प्रबंधकों को सूचित किया जाता है कि कृषि उपज मण्डी समिति (अनाज) पूगल रोड़, बीकानेर के मण्डी प्रांगण में बैंक भवन निर्मित है। वर्तमान में डी.एल.सी दर के अनुसार भवन का किराया 89791/- रू. प्रतिमाह की दर से किराये पर दिया जाना है। प्रत्येक 5 वर्ष पश्चात नियमानुसार बी.एस.आर. की दर अनुसार अथवा मण्डी समिति/निदेशालय/राज्य सरकार के निर्देशानुसार किराये में वृद्धि हो सकेगी। अतः इच्छुक बैंक भवन किराये पर लेने हेतु अपना प्रार्थना-पत्र इस कार्यालय में 15 दिवस के अन्दर-अन्दर प्रस्तुत करें।
राज.संवाद/सी/26/8259 सचिव

सड़क हादसे में महिला की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। जिले में नेशनल हाईवे-48 पर गोगा मोड़ के पास एक सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई। हादसे में टेम्पो में सवार कई अन्य मजदूर घायल हो गए। हादसा तब हुआ जब अहमदाबाद से उदयपुर जा रही टमाटर से भरी एक तेज रफ्तार पिकअप ने मजदूरों से भरे टेम्पो को टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहन हाईवे पर पलट गए। टेम्पो में सवार मजदूरों को गंभीर चोटें आईं, जिन्हें बिछीवाड़ा अस्पताल ले जाया गया। घायलों में धामोद निवासी रंगीला पत्नी राजेंद्र भगोरा की हालत गंभीर थी, जिनकी इलाज के दौरान मौत हो गई।

जैसलमेर में ऊंट से टकराकर सेना की टाटा सफारी पलटी, मेजर की मौत

जैसलमेर, (नि.सं.)। जिले में गुरुवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में भारतीय सेना के युवा अधिकारी मेजर हमजा आरिफ (26) की मौत हो गई, जबकि दो लेफ्टिनेंट गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा शहर से करीब 18 किलोमीटर दूर थईयात आर्मी एरिया में रात लगभग 12:30 बजे हुआ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सेना की टाटा सफारी एसयूवी अचानक सड़क पर आए एक ऊंट से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहन अनियंत्रित होकर चार से पांच बार पलट गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और सेना के जवान तत्काल बचाव कार्य में जुट गए।

- **हादसे में दो लेफ्टिनेंट भी घायल हो गये**

घटना में वाहन चला रहे मेजर हमजा आरिफ गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि उनके साथ सवार दो लेफ्टिनेंट भी घायल हुए। तीनों को तत्काल सेना के अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मेजर हमजा आरिफ को मृत घोषित कर दिया। दोनों घायल अधिकारियों का उपचार जारी है और उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि मेजर हमजा आरिफ मध्य प्रदेश के निवासी थे और उनकी शादी करीब एक माह पूर्व ही हुई थी। युवा अधिकारी के असामयिक निधन से सेना में शोक की लहर है। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी में सड़क पर अचानक ऊंट के आने को दुर्घटना का कारण माना जा रहा है। घटना ने एक बार फिर सीमावर्ती क्षेत्र की सड़कों पर आवारा पशुओं की समस्या और रात्रिकालीन यातायात सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बीकानेर नगर निगम
नगर निगम मार्ग, बीकानेर (राज0) फैक्स नं :- 0151-2226906, फोन नं :-0151-2226902, 0151-2226905, EMAIL ADDRESS :- nagarnigambikaner@gmail.com, Website :- bikanermc.org
क्रमांकः/अन्य राजस्व/2026-27/7113 दिनांकः 27.07.2026
ई-निविदा सूचना संख्या 02/2026-27/अन्य राजस्व
नगर निगम बीकानेर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतू पजीकृत फर्म/संस्था/ सम्भरणकर्ता जो कार्य करने/सामग्री सम्भरण करने के लिए अनुभवी हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया से ऑनलाईन निविदाएं आंमत्रित की जाती है।
कार्य की अनुमानित लागत (राशि रूपये 15.00 लाख), निविदा प्राप्त करने की दिनांक/निविदा शर्ते इत्यादि का सम्पूर्ण विवरण राज्य सरकार की ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in तथा नगर निगम बीकानेर की वेबसाइट www.bikanermc.org पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है। तथा निर्धारित अवधि तक ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल http://eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड की जा सकती है।
1. UBN Code :- DLB2627WSOB12034
राज.संवाद/सी/26/8151 आयुक्त नगर निगम, बीकानेर

THE RAJASTHAN SMALL INDUSTRIES CORPORATION LTD.
(A Government of Rajasthan Undertaking)
CORRIGENDUM
NIB Number : 15/2026-27 | UBN : RSI2627SLOB00014
Bids are invited for the Procurement of Services of "Strategic Business Promoter to Equip, Operate, Manage & Transfer Business Services at ICD, Bhilwara from the eligible and experienced bidders.
As per suggestions received in Pre-Bid meeting held on 08.07.2026, Bid document have been amended as per Pre-bid minutes. Therefore, the bid submission date has been extended till 2.00 PM on 05.08.2026. The Bid will be opened on 05.08.2026 at 5.00 PM. Bidder can now submit their bids as per revised dates mentioned in this corrigendum.
Other particulars of the bid remains same and may be viewed on the procurement portal (https://eproc.rajasthan.gov.in) of the state and the official website of RSIC i.e. https://www.industries.rajasthan.gov.in/rajsico.
Raj.Samwad/C/26/8243 Managing Director

कार्यालय अधीक्षण अभियंता जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग, उदयपुर
E-mail SEWDSC.UDAIPUR@RAJASTHAN.IN
क्रमांक : एफ ()/ निविदा/लेखा/2026-27/1236 दिनांक : 29.07.2026
ई निविदा सूचना 42-50/2026-27
मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान 2.3 परियोजना क्षेत्र के अंतर्गत उदयपुर जिले के विभिन्न ब्लॉक (9 पैकेज) में उत्पादन/जलग्रहण विकास कार्यों के लिए बीड, अनुमानित मूल्य 530.22 लाख रुपये दिनांक 07.08.2026 को शाम 5.00 बजे तक इच्छुक बोलीदाताओं से आमंत्रित की जाती हैं। बोलियों से संबन्धित विस्तृत विवरण राज्य सरकार के पोर्टल (https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in/) पर देखे जा सकते हैं।
यूबीएन संख्या : WSC2627WSOB01286, WSC2627WSOB01287, WSC2627WSOB01288, WSC2627WSOB01290, WSC2627WSOB01291, WSC2627WSOB01292, WSC2627WSOB01293, WSC2627WSOB01294 WSC2627WSOB01295
(अनिल सनाढ्य) अधीक्षण अभियंता एवं पदेन परियोजना प्रबन्धक जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग प्रतापनगर, उदयपुर
DIPR/C/13402/2026

राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान
(द्वितीय तल, विकास खण्ड, सचिवालय, जयपुर-302005)
email- secraj@rajasthan.gov.in & secrajasthan@gmail.com, FAX 0141-2227280, 2227072
क्रमांकः प.3 (48) / स्टोर / रानिआ/2026-27/5117 दिनांकः 23.07.2026
नीलामी निविदा संख्या 04/2026-27
राज्य निर्वाचन आयोग, जयपुर राज., में नकारा / अनुपयोगी / अप्रचलित सामानों (ई-वेस्ट) की नीलामी दिनांक 13.08.2026 को दोपहर 3.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक आयोग कार्यालय के द्वितीय तल पर खुली बोली के माध्यम से नीलामी की जायेगी। नीलामी से संबंधित विवरण वेबसाइट https://sppp.rajasthan.gov.in, https://dipr.rajasthan.gov.in एवं कार्यालय की वेबसाइट https://sec.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

क्र.स.	नीलामी निविदा संख्या	UBN No.
1	04/2026-27	SEC2627GLOB00004

(राजेश वर्मा) सचिव राज्य निर्वाचन आयोग, राजस्थान, जयपुर
DIPR/C/13149/2026

कार्यालय नगर निगम, जोधपुर
पॉलीटेक्निक कॉलेज रेजीडेन्सी रोड, जोधपुर
ceo_nnj@rediffmail.com 02912651464
क्रमांकः- विकास /जॉन/तृतीय/2026-27/220 दिनांकः- 27.07.2026
:: ई-निविदा सूचना संख्या ::
(UBN No. DLB2627WSOB12051)
नगर निगम जोधपुर की ओर से विभिन्न विकास कार्य हेतु ऑनलाइन ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की विस्तृत जानकारी एवं शर्ते इत्यादि वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, sppp.raj.nic.in पर एवं जोधपुर नगर निगम की वेबसाईट https://lsg.rajasthan.gov.in/mcj पर देखी जा सकती है।
राज.संवाद/सी/26/8279 अधिशाषी अभियंता नगर निगम जोधपुर

कार्यालय नगर पालिका छबड़ा जिला बारां (राज0)
क्रमांक :- न0पा0छ0/निर्माण/2026/3916 दिनांक :- 29/07/2026
ई-निविदा सूचना संख्या 15/2026-27
नगरपालिका छबड़ा द्वारा अनुमानित 48.00 लाख रूपये की लागत से विभिन्न अभियान्त्रिकी विभागो के "A""AA" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको से ई- निविदा पद्वति ये निम्नानुसार ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है संवेदक निविदा प्रपत्र ईप्रोक्युरमेंट प्रकिया में www.sppp.rajasthan.gov.in, eprocruement.gov.in पोर्टल पर ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है।
UBN No. : DLB2627WSOB12464
राज.संवाद/सी/26/8196 अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका छबड़ा

सीकर में गर्भवती महिला की चाकू से गला काटकर हत्या, आरोपी गिरफ्तार

- **महिला को गंभीर हालत में जयपुर रेफर किया था, जहां शुक्रवार को तीसरे दिन इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया**
- **खून बहने के कारण महिला के गर्भ में पल रही छह महीने की बच्ची की भी पेट में ही मौत हो गई थी**

सीकर। सीकर में भाई के डांटने पर गुस्साए पड़ोसी ने घर में सो रही एक गर्भवती महिला का चाकू से गला काट दिया था। आरोपी ने महिला के हाथ-पांव पर भी चाकू से कई वार किए थे। खून बहने के कारण महिला के गर्भ में पल रही छह महीने की बच्ची की भी पेट में ही मौत हो गई थी। महिला को गंभीर हालत में जयपुर रेफर किया गया था, जहां शुक्रवार को तीसरे दिन इलाज के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने गुरुवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और कोर्ट ने आरोपी को पांच दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार आरोपी का कुछ दिन पहले महिला के साथ झगड़ा हुआ था। महिला का पति और आरोपी का भाई साथ में काम करते हैं। महिला के पति ने आरोपी के भाई से झगड़े की शिकायत की थी। इसके बाद आरोपी को भाई ने डांट दिया, जिससे वह नाराज हो गया। मामला धोद थाना इलाके के सरवड़ी गांव का है।

सीकर एसपी प्रवीण नायक ने बताया कि धोद थाना इलाके में 28 जुलाई को 6 महीने की गर्भवती प्रियंका (25) अपने 3 साल के बेटे के साथ घर पर थी। इसी दौरान पड़ोस में रहने वाला सुरेश सैनी वहां आया और उसने चाकू से प्रियंका का गला काट दिया। आरोपी ने महिला के हाथ और पैरों पर भी चाकू से वार किए। वारदात के करीब 10 मिनट बाद जब प्रियंका के पिता प्रहलाद वहां पहुंचे, तो उन्होंने बेटी को खून से लथपथ देखा और तुरंत एसके अस्पताल में भर्ती कराया।

एसपी ने बताया कि 24 घंटे तक प्रियंका का सीकर में इलाज चला, लेकिन शरीर से अत्यधिक खून बह जाने और पेट में पल रही 6 महीने की मासूम बच्चे की मौत होने के कारण उसकी हालत बिगड़ती गई। कोई सुधार न होने पर बुधवार को उसे जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल रेफर कर दिया गया। एसपी ने बताया कि जयपुर में भी प्रियंका की स्थिति में सुधार नहीं हुआ। उसे जो ब्लड चढ़ाया जा रहा था, वह चोटों के कारण बाहर निकल रहा था और ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल नहीं हो पा रहा था। पेट में बच्चे की मौत से फैले संक्रमण और खून बहने की वजह से शुक्रवार सुबह करीब 11:15 बजे इलाज के दौरान प्रियंका ने दम तोड़ दिया।

एसपी ने बताया कि आरोपी सुरेश सैनी का प्रियंका से झगड़ा हुआ था, जिसकी शिकायत प्रियंका ने अपने पति से की। प्रियंका के पति ने महाराष्ट्र में साथ काम करने वाले सुरेश के भाई से इसकी शिकायत की। भाई ने जब सुरेश को डांटा, तो उसने प्रियंका पर हमले की प्लानिंग बनाई। उसने गांव के ही एक हलवाई से चाकू लिया और 28 जुलाई को मौका पाकर प्रियंका पर हमला कर दिया। वारदात के बाद आरोपी अपने घर जाकर कपड़े बदलकर फरार हो गया था, लेकिन पुलिस ने उसे सीकर से ही गिरफ्तार कर लिया। प्रियंका अपने मामले में पिछले 3 महीने से पीहर (मायके) में रह रही थी। प्रियंका की मौत के बाद अब पुलिस इस केस में हत्या (मर्डर) की धारा जोड़ेगी। घटना के बाद ग्रामीणों ने पुलिस थाने के घेराव की चेतावनी दी है।

कार्यालय नगर परिषद, जालोर (राज0)
क्रमांक : नपजा/विकास/2026/2799 दिनांक : 24.07.2026
:: निविदा सूचना 11/2026 ::
यत् नगर परिषद जालोर द्वारा निम्नांकित स्थानों पर सिविल निर्माण कार्य हेतु स्वायत्त शासन विभाग, राजस्थान जयपुर व राजस्थान प्रदेश में अन्य नगरीय निकायों में पंजीकृत सभी संवेदक अपनी श्रेणी अनुसार तथा अन्य विभागों में पंजीकृत ठेकेदार जो ए अथवा एए श्रेणी में पंजीकृत हैं। (पंजीकरण नियम Appendix XVI (Rules 334) Sec II.2 के अनुसार) निर्धारित प्रपत्रा में E-Procurement प्रकिया द्वारा ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा कार्य एवं ई-निविदाओं के संबंधित विवरण वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in डाउनलोड व अपलोड एवं www.sppp.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किये जा सकते है।

Total Work	03 work
Total Amount	50.95 Lac
Nib Code	DLB2627A4824

राज.संवाद/सी/26/8277 आयुक्त नगर परिषद, जालोर

कोटा विश्वविद्यालय, कोटा
महाराव भीमसिंह मार्ग, कबीर सर्किल के पास, कोटा
क्रमांक : एफ ( ) सेट/को.वि.को/2026/116 दिनांक : 31.07.2026
राज्य पात्रता परीक्षा (SET)-2026 अधिसूचना - 05/2026
राज्य पात्रता परीक्षा (SET)-2026 हेतु आवेदन की अंतिम तिथि दिनांक 10 अगस्त, 2026 की जाती है। अभ्यर्थी विस्तृत जानकारी हेतु विश्वविद्यालय की वेबसाइट www.uok.ac.in का अवलोकन करें।
समन्वयक

1928 से लेकर अब तक, दादा ध्यानचंद और बलबीर सिंह सीनियर से लेकर मोहम्मद शाहिद , जफर इकबाल और 1980 मॉस्को ओलंपिक की टीम तक सभी नीली जर्सी में खेले हैं। मैं खुद 15 साल तक खेला और जब तक खेला गहरा और हल्का नीला ही जर्सी का रंग रहा है। – परगट सिंह

पूर्व भारतीय हॉकी कप्तान, खिलाड़ियों की जर्सी को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अजिंक्य रहाणे

भारतीय बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने गुरुवार को इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। भारत के लिए 85 टेस्ट, 90 वनडे और 20 टी-20 खेल चुके रहाणे ने इंस्टाग्राम पर वीडियो जारी कर इस फैसले की जानकारी दी। वे पिछले 3 साल से किसी भी फॉर्मेट में भारतीय टीम का हिस्सा नहीं थे। वीडियो में 38 साल के रहाणे ने भावुक होते हुए कहा कि अब उनके लिए आगे बढ़ने का यही सही समय है। विराट कोहली ने सोशल मीडिया पोस्ट कर रहाणे को उनके करियर के लिए बधाई दी है। विराट कोहली ने रहाणे के संन्यास पर लिखा- जिंक्स, शानदार करियर के लिए बधाई दोस्त।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट क्रिकेट में लगातार चार साल तक 1000 रन बनाने का रिकॉर्ड मैथ्यू हेडन के नाम है। उन्होंने 2001 से 2004 तक लगातार चार बार 1000 या अधिक रन बनाए।

कॉमनवेल्थ गेम्स में 4 भारतीय मुक्केबाज फाइनल में

जूडो में अस्मिता-हर्ष और यामिनी के मेडल पक्के, नीरज जेवलिन में गोल्ड के लिए खेलेंगे

नई दिल्ली, 31 जुलाई। कॉमनवेल्थ गेम्स के आठवें दिन भारतीय मुक्केबाज अरुंधति चौधरी, जैस्मीन लम्बोरिया, प्रीति पवार और अंकुश पंघाल ने अपने-अपने सेमीफाइनल जीतकर फाइनल में जगह बना ली। इससे कम से कम 4 सिल्वर मेडल पक्के हो गए हैं। ग्लासगो अरुंधति चौधरी ने महिलाओं की 70 वेट कैटेगरी में वेल्श की रोजी एक्लेस को 4-0 से हराया। वहीं, जूडो में हर्ष सिंह मेंस 60 किग्रा वर्ग के फाइनल में पहुंच गए, जबकि महिलाओं में अस्मिता डे (48 किग्रा) और यामिनी मौर्या (57) ने के फाइनल में जगह बनाकर पदक पक्का कर लिया। भारत अब तक 17 पदक जीत चुका है, जिसमें 3 गोल्ड, 9 सिल्वर और 5 ब्रॉन्ज शामिल हैं। देर रात 12.45 बजे जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा का फाइनल होगा। उनके साथ भारत के रोहित यादव और यशवीर सिंह भी चुनौती पेश करेंगे। प्रीति, जैस्मिन और अंकुश बॉक्सिंग फाइनल में : महिलाओं के 54 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में प्रीति पवार ने जाम्बिया की कैथरीन म्वापे को 5-0 से हराया। जबकि जैस्मीन लम्बोरिया ने 57 में लेसोतो की रेप्लेंग मसेला को से हराते हुए फाइनल में प्रवेश किया। पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग में अंकुश पंघाल ने कनाडा के जोशुआ ओफोरी को 5-0 से हराया। अंकुश ने तीनों राउंड में बढ़त बनाए रखी और फाइनल में जगह बना ली। जूडो में हर्ष और अस्मिता का कमाल: पुरुष 60 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में हर्ष सिंह ने ऑस्ट्रेलिया के पेड्रो कार्लोस एंटुन नेटो को हराकर फाइनल में जगह बनाई। इसके साथ ही उन्होंने भारत के लिए जूडो में दूसरा पदक पक्का कर दिया। महिला 48 किग्रा वर्ग में अस्मिता डे ने स्कॉटलैंड की समर शॉ को गोल्डन स्कोर में हराकर फाइनल में प्रवेश किया। मुकाबला बेहद कड़ा रहा, लेकिन अतिरिक्त समय में अस्मिता ने निर्णायक अंक हासिल कर जीत दर्ज की। नीरज की गोल्ड पर नजर: जेवलिन थ्रो फाइनल में नीरज के सामने पाकिस्तान के मौजूदा ओलिंपिक चैंपियन अरशद नदीम और श्रीलंका के रुमेश पाथिराजे की चुनौती होगी। रुमेश ने क्वालिफिकेशन में 82.84 मीटर के साथ पहला स्थान हासिल किया था, जबकि नीरज 79.61 मीटर के साथ पांचवें स्थान पर रहे थे। नीरज अरशद: नीरज और अरशद 2016 से अब तक 11 टूर्नामेंट में आमने-सामने आ चुके हैं। इनमें 10 बार नीरज ने बाजी मारी है। अरशद की एकमात्र जीत पेरिस ओलिंपिक 2024 में आई थी, जहां उन्होंने ओलिंपिक रिकॉर्ड 92.97 मीटर के साथ गोल्ड जीता था। 90 मीटर पार करने वाले भारत के इकलौते जेवलिन थ्रोअर: नीरज चोपड़ा ने 2025 दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर का थ्रो कर नेशनल रिकॉर्ड बनाया था। वे 90 मीटर का आंकड़ा पार करने वाले भारत के इकलौते जेवलिन थ्रोअर हैं। टोक्यो ओलिंपिक 2020 में उन्होंने 87.58 मीटर के साथ गोल्ड मेडल जीता था। इसके अलावा नीरज वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2023 और एशियन गेम्स 2023 में गोल्ड, जबकि पेरिस ओलिंपिक 2024 में सिल्वर मेडल जीत चुके हैं। लॉन बॉल्स में लगातार चौथी जीत: पुरुष पेयर्स स्पर्धा में दिनेश कुमार और नवनीत सिंह की भारतीय जोड़ी ने फॉकलैंड आइलैंड्स को 2-0 से हराया। टीम ने लगातार चौथी जीत दर्ज की और अब सेमीफाइनल की दौड़ में बनी हुई है। बॉक्सिंग में भारत के 6 सेमीफाइनल बाकी: बॉक्सिंग में भारत के 10 मुक्केबाज सेमीफाइनल में पहुंचे हैं, इनमें से 4 ने फाइनल में जगह बना ली है। अब जदुमणि सिंह के मुकाबले शाम तक होंगे। जीत के साथ ये खिलाड़ी अपने-अपने वर्ग के फाइनल में पहुंच जाएंगे। देर रात साक्षी चौधरी, प्रिया घंघास, लवलीना बोरगोहेन, सचिन सिवाच और नरेंद्र बरवाल भी सेमीफाइनल में उतरेंगे। टोक्यो ओलिंपिक ब्रॉन्ज मेडलिस्ट लवलीना बोरगोहेन पर भी भारत की नजरें रहेंगी। वे 75 किलोग्राम वर्ग में चुनौती पेश करेंगी। आज 22 गोल्ड मेडल इवेंट्स: कॉमनवेल्थ गेम्स के आठवें दिन कुल 22 गोल्ड मेडल इवेंट्स हो रहे हैं। इनमें 10 एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स, 7 ट्रैक साइक्लिंग और पैरा ट्रैक साइक्लिंग तथा 5 जूडो स्पर्धाओं के गोल्ड मेडल मुकाबले शामिल हैं।

मरुधर क्रिकेट एकेडमी 81 से विजेता

जयपुर, 31 जुलाई। मरुधर क्रिकेट एकेडमी द्वारा आयोजित द्वितिय अंडर-17 मरुधर क्रिकेट कप में खेले गये मैच में मरुधर क्रिकेट एकेडमी और एक्सीलेंस क्रिकेट एकेडमी के मध्य खेले गये मैच में टॉस जीत कर मरुधर क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। मरुधर क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 233/9 40.0 ओवर मे रन बनाये। मरुधर क्रिकेट एकेडमी की ओर से दिपक यादव ने 97 रन, सचिन गुर्जर ने 60 रन ओर तन्मय जैन ने 22 रन बनाये। एक्सीलेंस क्रिकेट एकेडमी की और से गेदबाजी करते हुए मयंक सिकरवार ने 44 रन देकर 3 विकेट, सिद्धार्थ गुर्जर ने 45 रन देकर के 3 विकेट लिया। एक्सीलेंस क्रिकेट एकेडमी बल्लेबाजी करते हुए 152/10 31.5 ओवर मे ऑल आउट हो गई। एक्सीलेंस क्रिकेट एकेडमी कि ओर बल्लेबाजी करते हुऐ विशाल शर्मा ने 55 रन, जे आर विराट शर्मा ने 23 रन बनाये। मरुधर क्रिकेट एकेडमी ने गेदबाजी करते हुए अंकुर सुर्मन ने 14 रन देकर के 4 विकेट, सचिन गुर्जर ने 2 रन देकर 3 रन विकेट, सौरभ सिह शेखावत ने 33 रन देकर 2 विकेट लिया। मरुधर क्रिकेट एकेडमी 81 से विजेता हुई।

2027 वनडे वर्ल्ड कप के 12 होस्ट शहरों का ऐलान

दक्षिण अफ्रीका में 8 वेन्यू, जिम्बाब्वे-नामीबिया भी मेजबान, 24 साल बाद अफ्रीका में वर्ल्ड

नई दिल्ली, 31 जुलाई। आईसीसी ने 2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए 12 मेजबान शहरों का ऐलान कर दिया है। टूर्नामेंट 4 अक्टूबर से 21 नवंबर तक साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा। साउथ अफ्रीका के 8 वेन्यू पर मुकाबले होंगे। इनमें जोहानसबर्ग, सेंचुरियन, डरबन, ग्केबेर्हा, कुगोम्पो सिटी, केपटाउन, पार्ल और ब्लोमफोंटेन शहर होंगे। वहीं जिम्बाब्वे के हरारे, बुलावायो और विक्टोरिया फॉल्स और नामीबिया की राजधानी विंडहोक में भी मुकाबले खेले जाएंगे। फाइनल मुकाबला जोहानसबर्ग के वांडरर्स या केपटाउन के न्यूलैंड्स स्टेडियम में हो सकता है। 24 साल बाद अफ्रीका में लौटेगा वनडे वर्ल्ड कप: वनडे वर्ल्ड कप 24 साल बाद अफ्रीकी में लौट रहा है। इससे पहले 2003 में साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और केन्या ने टूर्नामेंट की मेजबानी की थी। इसके बाद साउथ अफ्रीका 2007 टी-20 वर्ल्ड कप, 2009 चैंपियंस ट्रॉफी और 2023 महिला टी-20 वर्ल्ड कप की मेजबानी कर चुका है। नामीबिया पहली बार किसी सीनियर टूर्नामेंट की मेजबानी करेगा। हालांकि इसी साल उसने जिम्बाब्वे के साथ मिलकर अंडर-19 वर्ल्ड कप का आयोजन किया था। 54 में से 41 मैच साउथ अफ्रीका में हो सकते हैं : वर्ल्ड कप के कुल 54 मुकाबलों में से कम से कम 41 मैच साउथ अफ्रीका में खेले जाने की संभावना है। जिम्बाब्वे को 7 से 10 मुकाबलों की मेजबानी मिलेगी, जबकि नामीबिया में कम से कम तीन मैच होंगे। बेनोनी और पोटचेफस्ट्रूम को वॉर्म-अप वेन्यू बनाया गया है। ये दोनों शहर अगले साल होने वाले वर्ल्ड कप क्वालिफायर की मेजबानी भी नामीबिया के साथ मिलकर कर सकते हैं। विक्टोरिया फॉल्स पहली बार बनेगा वर्ल्ड कप वेन्यू: 12 शहरों में विक्टोरिया फॉल्स नया वेन्यू है। यहां 10 हजार दर्शकों की क्षमता वाला नया स्टेडियम बनाया जा रहा है।

ऋषभ पंत की श्रीलंका दौरे से पहले स्पेशल तैयारी, धोनी के साथ रांची में की ट्रेनिंग

नई दिल्ली, 31 जुलाई। भारत के स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत नेश्रीलंका के ख़िलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीजके लिए अपनी तैयारी शुरू कर दी है.28 साल के ऋषभ पंत अभी रांची में हैं, जहां वे श्रीलंका दौरे से पहले भारत के पूर्व कप्तान एमएस धोनी के साथ ट्रेनिंग कर रहे हैं.भारत का श्रीलंका दौरा 15 अगस्त से शुरू होगा. पहला टेस्ट 15 से 19 अगस्त के बीच गॉल इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा, जबकि दूसरा टेस्ट 23 से 27 अगस्त के बीच कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में होगा।

पूर्व भारतीय स्पनिर शहबाज नदीम ने जिम की एक फोटो शेयर की, जिसमें धोनी औरपंतभी नजर आ रहे हैं. अपने 20 साल के प्रोफेशनल क्रिकेट करियर में भारत के लिए दो टेस्ट मैच खेलने वाले नदीम ने पोस्ट के साथ लिखा कि भारतीय क्रिकेट के दो बेहतरीन फिनिशर ऋषभ पंत और एमएस धोनी पंत टेस्ट में भारत की पहली पसंद के विकेटकीपर - बल्लेबाज हैं और बाएं हाथ का बल्लेबाज पंत श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में भारत के लिए अहम भूमिका निभाने को तैयार है. पंत पछिली बार जून 2026 में एक कॉम्पिटिटिव क्रिकेट मैच खेले थे। जब भारत का मुकाबला मुल्लांपुर के नए स्टेडियम में अफगानिस्तान के खिलाफ एक इकलौते टेस्ट मैच में हुआ था. हशमतुल्लाह शाहिदी की कप्तानी वाली टीम के खिलाफ मैच की पहली पारी में उन्होंने अर्धशतक लगाया था।

जसप्रीत बुमराह फिटनेस टेस्ट में पास: भारत को श्रीलंका दौरे से पहले अच्छी खबर भी मिली है। स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह फिटनेस टेस्ट में पास हो गए हैं. सेंटर ऑफ एक्सीलेंस से उन्हें हरी झंडी मिल गई है.दरअसल बुमराह को फिटनेस पास करने की शर्त के साथ श्रीलंका दौरे के लिए टीम इंडिया के स्क्वॉड में शामिल किया गया था. उन्हें इंग्लैंड दौरे पर चोट लगी थी. तीन मैचों की वनडे सीरीज के दूसरे मुकाबले में उनका घुटना चोटिल हो गया था ।

भारत के बांग्लादेश दौरे पर सस्पेंस बरकरार

नई दिल्ली, 31 जुलाई। भारत और बांग्लादेश के बीच सितंबर में होने वाली सीरीज पर सस्पेंस बरकरार है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के प्रेसिडेंट तमीम इकबाल ने अब सरकार से गुहार लगाई है कि वह भारत से बात करे। तमीम विदेश मंत्रालय गए और दौरे के लिए सुरक्षा की गारंटी मांगी। भारत को बांग्लादेश दौरे पर तीन वनडे और 3 टी-20 मैच खेलने हैं। हालांकि की ओर से सीरीज पर कन्फर्मेशन आना बाकी है। सीरीज 2024 में होनी थी:दौरा पहले 2024 में होना था। इसी दौरान बांग्लादेश में सरकार विरोधी आंदोलन हुआ और सरकार बदली। फिर भारत-बांग्लादेश के बीच तनाव की स्थिति बनी। इसकी वजह से सीरीज टाल दिया गया था। अब सीरीज सितंबर 2026 में कराने की बात चल रही है। हालांकि भारत की तरफ से हरी झंडी नहीं मिली है। सुरक्षा बड़ा इश्यू:तमीम इकबाल ने बांग्लादेश की विदेश राज्य मंत्री शामा ओबैद इस्लाम से मुलाकात की। उन्होंने सरकार से कहा है कि वे भारत सरकार से बात करें। उन्होंने भरोसा दिलाने को कहा कि बांग्लादेश में टीम इंडिया पूरी तरह सुरक्षित रहेगी। हालात सुधरते दिखने पर सीरीज संभव:हाल ही में भारत ने बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान को भारत में होने वाले सम्मेलन का न्योता दिया है। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की बातचीत भी हुई है।

रोटरी गोल्फ में डॉ. देवेंद्र कुमार बने विजेता, हरपाल सिंह उपविजेता

जयपुर, 31 जुलाई। रोटरी क्लब जयपुर गोल्फर्स द्वारा रामबाग गोल्फ आयोजित गोल्फ प्रतियोगिता में डॉ देवेंद्र कुमार ने शानदार खेल की बदौलत सबसे अधिक 17 अंक हासिल कर विजेता बने। वहीं उप विजेता हरपाल सिंह ने हैदर अली के बराबर 16 अंक होने पर बैक 6 होल के स्कोर से बाजी मारी। हैदरअली प्रथम उप विजेता रहे। डॉ देवेंद्र लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर लगातार विजेता व उप विजेता रहते हुए पिछले रोटेरी गोल्फ के बेस्ट गोल्फर का खिताब जीता था। डॉ बी एम रतूड़ी भी 16 का कार्ड खेलकर 70 वर्ष बेस्ट वेटेरियन गोल्फर बने वहीं 7 अंकों के साथ बेस्ट लेडी गोल्फर डॉ अंजलि जैन बनी। 9 होल की स्ट्रोकप्ले फॉर्मेट में खेली गई इस प्रतियोगिता में करीब 40 पुरुष एवं महिला रोटेरियन गोल्फर्स ने जोश के साथ हिस्सा लिया। सुरेंद्र सिंह ने होल नं 2 पर पिन के 27 फिट नजदीक बाल मारकर नीयरेस्ट टू पिन के विजेता बने। स्ट्रेटेस्ट ड्राइव में लाइन से 10 फिट नजदीक मारकर रविन्द्र नाथ विजेता रहे वहीं 242 फिट लंबी ड्राइव मारकर लांगेस्टव ड्राइव का खिताब विनोद आर्य ने जीता। पारितोषिक वितरण समारोह में मुख्य अतिथि रोटेरियन डिस्ट्रीक गवर्नर श्री अरुण बगड़िया, पोस्ट डिस्ट्रीक गवर्नर आलोक काला,पूर्व न्यायाधीश एवम् रोटेरी क्लब जयपुर गोल्फर्स के अध्यक्ष रोटेरियन श्री जे.के.रांका, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री हेम सिंह खंगारोत,उपाध्यक्ष बी पी मूंदड़ा, सचिव डॉक्टर अंजलि जैन, सह सचिव संदीप माथुर,कोषाध्यक्ष नरेश रावतानी द्वारा विजेताओं एवं उपविजेताओं को पुरस्कृत किया गया।अंत में अध्यक्ष रंक साहब ने गोल्फ गोल्फ को राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर प्रतियोगिता कर बढ़ावा देने पर जोर दिया।

एसएचएस क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 31 जुलाई। अंडर 12 चैंपियंस कप में कैंडलविक क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 200 रन 9 विकेट के नुकसान पर बनाएं! कौशलेंद्र ने सर्वाधिक 50 रनों का योगदान दिया! क्रिकेट अकादमी की ओर से संचित उपाध्याय ने 5 और सौम्य प्रताप सिंह ने 2 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एसएचएसक्रिकेट अकादमी ने 23.3 ओवर में 204 रन 3 विकेट के नुकसान पर बनाकर जीत हासिल कर ली! अंश चतुर्वेदी ने 62 और दिव्यांशी ने 42 रनों का योगदान दिया! कैंडलविक क्रिकेट अकादमी की ओर से अभिनव सैनी ने 2 विकेट लिए! मैन ऑफ द मैच संचित उपाध्याय को चुना गया।

राजस्थान राज्य जूनियर बालिका फुटबॉल प्रतियोगिता 2026 की शुरुआत 2 से धौलपुर में

जयपुर, 31 जुलाई। राजस्थान फुटबाल संघ के तत्वाधान में आयोजित राजस्थान राज्य जूनियर बालिका फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन जिला फुटबाल संघ धौलपुर के द्वारा आयोजित किया जा रहा है प्रतियोगिता 2अगस्त से 4 अगस्त 2026 तक धौलपुर शहर स्थित फुटबाल स्टेडियम में आयोजित किया जा रहा है जिसमें राजस्थान के 11 जिलों कि टीमे भाग ले रही हैंजिसमें 200 प्रतिभागी भाग ले रहे है जिला फुटबाल संघ धौलपुर के अध्यक्ष श्री गुरमीत मान व सचिव संदीप सिंह ने बताया कि खिलाड़ियों के आवास व्यवस्था व मैदान पर सभी तरह की तैयारी हो चुकी है। राजस्थान फुटबाल संघ के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि इस प्रतियोगिता से ही आगामी राष्ट्रीय जूनियर बालिका प्रतियोगिता के लिए राजस्थान टीम का चयन होगा।

हॉकी इंडिया की नई नारंगी जर्सी पर विवाद

खिलाड़ियों से सलाह लेने के दावे को टीम मेंबर ने नकारा, दिग्गजों ने नाराजगी जताई

नई दिल्ली, 31 जुलाई। भारतीय हॉकी टीम की नई जर्सी को लेकर विवाद बढ़ता नजर आ रहा है। एक रिपोर्ट में एक खिलाड़ी और हॉकी इंडिया के एक अधिकारी के हवाले से दावा किया गया है कि जर्सी के रंगमें बदलाव को लेकर खिलाड़ियों से सलाह नहीं ली गई थी। अगले महीने होने वाले हॉकी वर्ल्ड कप के लिए हॉकी इंडिया ने 27 जुलाई को नीली जर्सी की जगह नारंगी जर्सी लॉन्च की है। इस बदलाव के बाद कई पूर्व हॉकी खिलाड़ियों और दिग्गजों ने नाराजगी जाहिर की है।

खिलाड़ियों से सलाह के दावे पर सवाल: हॉकी इंडिया ने विरोध के जवाब में गुरुवार को कहा कि जर्सी का रंग बदलने का फैसला खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ से सलाह-मशविरा के बाद लिया गया है। हालांकि, द इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट में भारतीय टीम के एक खिलाड़ी के हवाले से कहा गया है कि उनसे इस संबंध में न तो राय ली गई और न ही सलाह मांगी गई।

वहीं, हॉकी इंडिया की कार्यकारी समिति के एक सदस्य ने भी दावा किया कि उन्हें जर्सी में बदलाव की जानकारी नहीं थी। वे ऐसी किसी आधिकारिक बैठक का हिस्सा नहीं रहे, जिसमें इस मुद्दे पर चर्चा हुई हो। जर्सी देखकर कोई प्रेरणा नहीं मिल रही- भास्करन: 1980 ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीतने वाली भारतीय टीम के कप्तान वासुदेवन भास्करन ने भी सवाल उठाया है।

रासकिन्हा ने लिखा- टीम को भगवा रंग क्यों पहनाया: भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान विरेन रासकिन्हा ने इस फैसले का विरोध किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि टीम को भगवा रंग पहनाया जाना शर्मनाक है । प्रियंका गांधी ने भी नई जर्सी आलोचना की: कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग नीले से नारंगी किए जाने की आलोचना की। उन्होंने कहा कि देश की पहचान अहिंसा, सत्य और भाईचारे जैसे मूल्यों से जुड़ी है और इन्हें बदला नहीं जा सकता।

इटली के दिग्गज फुटबॉलर फ्रेंको बारेसी का निधन

फुटबॉल वर्ल्डप के तीनों मेडल जीतने वाले इकलौती खिलाड़ी

नई दिल्ली, 31 जुलाई। इटली के महान फुटबॉलर फ्रेंको बारेसी का 66 साल की उम्र में निधन हो गया है। वे लंबे समय से बीमार थे। बारेसी ने गुरुवार को मिलान के ह्यूमनिटास डि रोजानो क्लिनिक में अंतिम सांस ली। अगस्त 2025 में फेफड़ों में गांठ (पल्मोनरी नोड्यूल) हटाने के लिए उनकी सर्जरी हुई थी, जिसके बाद वे इम्यूनोथेरेपी ले रहे थे। बारेसी ने 1977 से 1997 तक अपने पूरे क्लब करियर में एसी मिलान का प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने मिलान के लिए 719 आधिकारिक मैच खेले और 33 गोल किए। बारेसी 15 सीजन तक टीम के कप्तान रहे। उनकी कप्तानी में मिलान ने 6 सीरी ए खिताब, 3 यूईएफए चैंपियंस लीग (यूरोपियन कप), 3 यूरोपियन सुपर कप, 2 इंटरकांटिनेंटल कप और 4 इटालियन सुपर कप जीते। उनकी वफादारी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जब मिलान दो बार सीरी बी में रेलिगेट हुआ, तब भी वे क्लब के साथ बने रहे। 1997 में उनके संन्यास के बाद मिलान ने उनकी जर्सी नंबर 6 को हमेशा के लिए रिटायर कर दिया। इटली के लिए वर्ल्ड कप जीत : बारेसी ने इटली की नेशनल टीम के लिए 81 मैच खेले। वे फुटबॉल इतिहास के एकमात्र खिलाड़ी हैं जिन्होंने वर्ल्ड कप में गोल्ड (1982), सिल्वर (1994) और ब्रॉन्ज (1990) मेडल जीते हैं। 1994 के वर्ल्ड कप फाइनल में घुटने की सर्जरी के महज 25 दिन बाद उन्होंने ब्राजील के खिलाफ शानदार प्रदर्शन किया था। 1989 में वे बैलन डीओर के रनर-अप भी रहे थे। बड़े भाई ग्यूसेप बारेसी भी दिग्गज फुटबॉलर रहे: फ्रेंको बारेसी का जन्म 8 मई 1960 को इटली के ट्रावाग्लियाटो में हुआ था। उनके बड़े भाई ग्यूसेप बारेसी भी एक महान फुटबॉलर थे, जो मिलान के कट्टर प्रतिद्वंद्वी इंटर मिलान के कप्तान थे। बचपन में अनाथ होने के बाद दोनों भाई इंटर मिलान के ट्रायल में गए थे, जहां ग्यूसेप को चुन लिया गया लेकिन फ्रेंको को कमजोर बताकर रिजेक्ट कर दिया गया। इसके बाद फ्रेंको ने एसी मिलान का दामन थामा और इतिहास रचा। फुटबॉल जगत ने दी श्रद्धांजलि: एसी मिलान ने अपने बयान में कहा कि क्लब का पूरा इतिहास फ्रेंको बारेसी के निधन से दुखी है। उनकी ईमानदारी और उदाहरण हमेशा क्लब के डीएनए में रहेंगे। इंटर मिलान ने भी उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि वे मिलान डर्बी के सबसे प्रभावशाली खिलाड़ियों में से एक थे। जुवेंटस और नेपोली समेत इटालियन लीग ने भी उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। फरवरी 2026 में मिलानो कोर्टिना विंटर ओलंपिक खेलों के दौरान उन्हें आखिरी बार सार्वजनिक रूप से ओलंपिक मशाल ले जाते हुए देखा गया था।

श्रीलंका की दुलानी ने शतक से रचा इतिहास

पकिस्तान को टी-20 मैच में मिली छह विकेट से बुरी हार

नई दिल्ली, 31 जुलाई। पाकिस्तान की मेंस टीम जहां वेस्टइंडीज दौरे पर है,वहीं वीमेंस टीम श्रीलंका दौरे पर गईहै. वहां खेले गए पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में श्रीलंका की सलामी बैटरइमिशा दुलानीने बेहतरीन शतक जड़ा, जिससे उनकी टीम ने पाकिस्तान को छह विकेट से बुरी तरह हरा दिया. इमिशा दुलानी अब श्रीलंका के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक जड़ने वाली दूसरी श्रीलंकाई महिला बैटर बन गई हैं. उनसे पहले यह कारनामा सिर्फ चमारी अट्टापट्टू ही कर सकी हैं । दांबुला में खेले गए पहले टी20 मैच में पाकिस्तान की महिला टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी. पाकिस्तान को उनकी कप्तान मुनीबा अली और शवाल जुल्फिकार ने बेहतरीन शुरुआत दिलाई. दोनों ने पहले विकेट के लिए 66 रन जोड़े. तभी मुनीबा 24 गेंद में नौ चौकों की मदद से 42 रन बनाकर आउट हो गईं. उनके अलावा जुल्फिकार ने 41 गेंद में 10 चौके और एक छक्के की मदद से 63 रन की पारी खेली. इन दोनों के अलावा हालांकि पाकिस्तान की कोई भी बैटर कुछ खास नहीं कर सकी, जिससे पाकिस्तानी टीम सात विकेट पर 176 रन ही बना सकी. श्रीलंका के लिए दो विकेट कविषा दिलहारी ने झटके. दुलानी ने ऐतिहासिक शतक से दिलाई जीत: 177 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका कीमहिला टीम की सलामी बैटर इमिशा दुलानीने शानदार बल्लेबाजी का नजारा पेश किया. दुलानी ने 64 गेंद में 17 चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद 101 रन की शतकीय पारी खेली. इसके चलते वह श्रीलंका के महिला क्रिकेट इतिहास में टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाने वाली दूसरी बैटर बनीं. दुलानी के अलावा चमारी अट्टापट्टू ने भी 39 रन बनाए, जिससे श्रीलंका ने आसानी से अपने घर में 19 ओवर में ही चार विकेट पर 177 रन बनाकर पाकिस्तान को छह विकेट से हराया और सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली. अब सीरीज का दूसरा टी20 मैच रविवार यानि दो अगस्त को खेला जाएगा।

कॉमनवेल्थ गेम्स में लवप्रत को वेटलिफ्टिंग में रजत

सीमा ने डिस्कस थ्रो में कांस्य जीता, भारत 10वें नंबर पर, 17 मेडल जीते

नई दिल्ली, 31 जुलाई। वेटलिफ्टर लवप्रीत सिंह ने कॉमनवेल्थ गेम्स में आठवें दिन भारत को सिल्वर मेडल दिला दिया है। वहीं, महिलाओं के डिस्कस थ्रो इवेंट में सीमा कालीरमन ने ब्रॉन्ज हासिल किया।

लवप्रीत ने गुरुवार देर रात वेटलिफ्टिंग की 110 वेट कैटेगरी में 388 किलो वजन उठाया। उन्होंने स्नैच में 176 और क्लीन एंड जर्क में 212 किलो वजन उठाकर मेडल अपने नाम किया। दूसरी ओर सीमा ने अपने तीसरे प्रयास में 58.65 मीटर डिस्कस थ्रो किया। उनके ब्रॉन्ज जीतने के बाद भारत के 17 मेडल हो गए हैं। इनमें 3 गोल्ड, 10 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज शामिल हैं। भारत मेडल टैली में 10वें स्थान पर है।

लवप्रीत महज एक किलो वेट से गोल्ड चूके: लवप्रीत ने स्नैच में 176 किलो वजन उठाकर कॉमनवेल्थ गेम्स का नया रिकॉर्ड बनाया। वे गोल्ड मेडल जीतने के बेहद करीब थे, लेकिन न्यूजीलैंड के डेविड एंड्रयूज से महज एक किलो के अंतर से पिछड़ गए। न्यूजीलैंड के लिटी ने क्लीन एंड जर्क में गेम्स रिकॉर्ड के साथ कुल 389 किग्रा वजन उठाकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। उन्होंने स्नैच में 166 और क्लीन एंड जर्क में 223 किग्रा वजन उठाया। इंग्लैंड के एंड्रयू ग्रिफिथ ने 356 किलो (165 191) के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता।

खेतों में काम किया, दादा के साथ सब्जियां बेचीं : लवप्रीत सिंह का जन्म पंजाब के अमृतसर जिले में हुआ। परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी। इसीलिए वे खेतों में काम करते थे, दादा के साथ सब्जियां बेचते थे। लवप्रीत घर की उस घोड़ी की देखभाल भी करते थे, जिसे शादी समारोहों में किराए पर भेजा जाता था। पिता दर्जी थे, लेकिन उन्होंने बेटे को सिलाई के काम में लगाने के बजाय खेलों में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

13 साल की उम्र में मिली नई दिशा : 13 साल की उम्र में लवप्रीत ने गांव के कुछ युवाओं को वेटलिफ्टिंग करते देखा। यहीं से इस खेल के प्रति उनका लगाव बढ़ा। सीमित संसाधनों के बीच उन्होंने स्थानीय कोच की देखरेख में अभ्यास शुरू किया। साल 2017 में उन्हें पटियाला के स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के नेशनल कैंप में जगह मिली। यहीं से उनका अंतरराष्ट्रीय करियर शुरू हुआ।

मां बनने के बाद सीमा की वापसी: 27 साल की सीमा कालीरमन ने मां बनने के बाद गेम्स में शानदार वापसी की है। सीमा ने अपने चौथे, पांचवें और छठे प्रयास में फाउल किया, लेकिन 58.65 मीटर के थ्रो ने उन्हें पोडियम तक पहुंचा दिया। इस इवेंट में जमैका की सामंथा हॉल (61.66 मीटर) ने गोल्ड और कनाडा की जूलिया टंक्स (60.67 मीटर) ने सिल्वर मेडल हासिल किया। भारत की निधि रानी 53.19 मीटर के थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहीं। चोट के कारण तीन साल खेल से दूर रहीं: खेल के साथ सीमा भिवानी के चौधरी बंसी लाल यूनिवर्सिटी से फिजिकल एजुकेशन में भी कर रही हैं। घुटने की गंभीर चोट के कारण उन्हें तीन साल से ज्यादा समय तक खेल से दूर रहना पड़ा, लेकिन लंबी रिहैबिलिटेशन के बाद उन्होंने शानदार वापसी की। 2025 एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में चौथे स्थान पर रहीं सीमा ने 2025 साउथ एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीता। 2026 में उन्होंने 59.73 मीटर का अपना पर्सनल बेस्ट थ्रो दर्ज किया। इस प्रदर्शन के दम पर उन्होंने 2026 एशियन गेम्स के लिए क्वालिफाई किया और कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए भारतीय टीम में जगह बनाई।

PIMS CITY HOSPITAL

विशेषज्ञ डॉक्टरों का अनुभव, अब उदयपुर के साथ।

जनरल एवं सुपर स्पेशियलिटी विभागों में अनुभवी विशेषज्ञों द्वारा परामर्श एवं उपचार।

कैशलेस सुविधा किफायती इलाज सभी प्रमुख इंश्योरेंस एवं हेल्थ इंश्योरेंस

VIDAL HEALTH INSURANCE THIRD PARTY ADMINISTRATOR · STAR Health Insurance · Medi Assist Medi Assist Insurance TPA Pvt. Ltd. · MAGMA General Insurance Limited · ADITYA BIRLA CAPITAL HEALTH INSURANCE · IndusInd GENERAL INSURANCE FORMERLY RELIANCE GENERAL INSURANCE · TATA AIG INSURANCE WITH YOU ALWAYS · ICICI Lombard · Manipal Cigna Health Insurance · IFFCO-TOKIO

Link-K Insurance TPA Pvt Ltd SIMPLIFYING INSURANCE · Liberty General Insurance · Universal Sompo General Insurance · Raksha TPA · UNITED INDIA INSURANCE COMPANY LTD. · ACKO · BAJAJ LIFE LIFE GOALS DONE · GENERALI Central LIFE INSURANCE · zuno · Galaxy HEALTH INSURANCE

विशेष ऑफर : सभी विभागों में *निःशुल्क चिकित्सक परामर्श*

स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग में आकर्षक पैकेज एवं विशेष लाभ उपलब्ध

सामान्य प्रसव	सीज़ेरियन प्रसव	हिस्टेरेक्टॉमी (गर्भाशय निकालने की सर्जरी)
~~₹50,000~~	~~₹70,000~~	~~₹80,000~~
₹10,000	₹20,000	₹40,000

आज ही अपना अपॉइंटमेंट बुक करें

7766-80-7766

NEAR SOLITAIRE GARDEN, MEERA NAGAR, UDAIPUR

care@pimscityhospital.com /PIMScityhospital www.pimscityhospital.com

विवादों के समाधान का मूल आधार संवाद, विश्वास व मध्यस्थता है- जस्टिस सूर्यकांत

अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि मध्यस्थता दोनों पक्षों को सम्मानजनक समाधान देती है

जयपुर, 31 जुलाई। राजधानी जयपुर के टोंक रोड स्थित होटल ललित में शुक्रवार से कॉमनवेल्थ पीस, मीडिएशन एंड रूल ऑफ लॉ कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ हुआ। तीन दिवसीय इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कॉमनवेल्थ के 52 देशों के न्यायाधीश, अटॉर्नी जनरल, वरिष्ठ अधिवक्ता और विधि विशेषज्ञ भाग ले रहे हैं। सम्मेलन का उद्घाटन भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, राजस्थान हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा, जाम्बिया सुप्रीम कोर्ट की न्यायाधीश आभा नायर पटेल सहित, देश-विदेश के अनेक न्यायविद् उपस्थित थे।

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) न्यायमूर्ति सूर्यकांत, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शुक्रवार को जयपुर के होटल ललित में कॉमनवेल्थ पीस, मीडिएशन एंड रूल ऑफ लॉ कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ किया।

उद्घाटन संबोधन में सीजेआई न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा कि मध्यस्थता का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी एक आवाज दूसरी आवाज को दबा न सके। उन्होंने कहा कि भारत में प्राचीन समय से गांवों की पंचायतें आपसी संवाद और समझौते के माध्यम से विवादों का समाधान करती रही हैं और आज भी मध्यस्थता का वही मूल भाव प्रासंगिक है।

सीजेआई ने कहा कि चाहे दो पड़ोसियों के बीच किसी छोटे विवाद का मामला हो या दो देशों के बीच युद्धविराम का प्रश्न, विवादों के समाधान का मूल आधार संवाद, विश्वास और मध्यस्थता ही है। उन्होंने कहा कि यह कानूनी पेशे के सबसे कठिन, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण कौशलों में से एक है, जिसे प्रशिक्षण और अनुभव से विकसित किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सम्मेलन को न्याय व्यवस्था में नई सोच, नई दिशा और नए वैश्विक दृष्टिकोण की शुरुआत बताते हुए कहा कि न्यायालयों में एक पक्ष जीतता और दूसरा हारता है, जबकि मध्यस्थता दोनों पक्षों को सम्मानजनक समाधान देती है और वर्षों से चली आ रही कटुता एवं अविश्वास को समाप्त करती है।

राजस्थान हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा ने कहा कि आधुनिक न्याय व्यवस्था केवल निर्णय देने वाली नहीं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुंचाने वाली होनी चाहिए।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि भारतीय संस्कृति संघर्ष से पहले संवाद और समझौते को महत्व देती है। तीन दिवसीय इस सम्मेलन का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम ''जयपुर पीस मीडिएशन डिक्लेरेशन'' होगा, जिस पर कॉमनवेल्थ देशों के न्यायाधीश, अटॉर्नी जनरल, वरिष्ठ अधिवक्ता और विधि विशेषज्ञ हस्ताक्षर करेंगे। यह घोषणा-पत्र आने वाले वर्षों में कॉमनवेल्थ देशों में शांति, मध्यस्थता और विधि के शासन के लिए मार्गदर्शक दस्तावेज के रूप में कार्य करेगा। सम्मेलन में जाम्बिया, श्रीलंका, बहामास, सिंगापुर, यूनाइटेड किंगडम, मलेशिया, बांग्लादेश, केन्या, मालदीव, जिम्बाब्वे, हांगकांग सहित, अनेक देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

- **तीन दिवसीय सम्मेलन का सबसे महत्वपूर्ण परिणाम ''जयपुर पीस मीडिएशन डिक्लरेशन'' होगा, जिस पर कॉमनवैल्थ देशों व न्यायाधीश, अटॉर्नी जनरल, वरिष्ठ अधिवक्ता और विधि विशेषज्ञ हस्ताक्षर करेंगे। यह घोषणा पत्र आने वाले वर्षों में शांति, मध्यस्थता और विधि व शासन के लिए मार्गदर्शक दस्तावेज के रूप में कार्य करेगा।**

मुख्यमंत्री आज उदयपुर में

जयपुर, 31 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 1 एवं 2 अगस्त को उदयपुर तथा राजसमंद जिलों के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान मुख्यमंत्री पर्यावरण संरक्षण, युवा जागरूकता, ग्रामीण विकास तथा विभिन्न विकास परियोजनाओं से जुड़े कार्यक्रमों में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री विभिन्न जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं आमजन से संवाद कर विकास कार्यों की समीक्षा भी करेंगे।

मुख्यमंत्री 1 अगस्त को उदयपुर के दूध तलाई (पिछोला) में आयोजित राज्य स्तरीय वन महोत्सव समारोह में भाग लेंगे।

- **वे राज्यस्तरीय वन महोत्सव के उद्घाटन समारोह में भाग लेंगे।**

इस अवसर पर वे चंदनवन में पौधारोपण करेंगे और झाड़ोल क्षेत्र के बीड़ा गांव में ग्राम विकास चौपाल में भाग लेंगे।

दौरे के दूसरे दिन 2 अगस्त को मुख्यमंत्री उदयपुर के राजस्थान कृषि महाविद्यालय, जाएंगे, जहाँ वे नारी शक्ति रैली को फ्लैग ऑफ करेंगे तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित 'नशामुक्त युवा फॉर विकसित भारत संकल्प अभियान' के कार्यक्रम में वीसी के माध्यम से शामिल होंगे।

इसके बाद मुख्यमंत्री राजसमंद में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण करेंगे।

ईरान और अमेरिका एक दूसरे पर डायरैक्ट अटैक से हिचकिचा रहे हैं

पर ईरान समर्थित चरमपंथी गुटों की गतिविधियों के कारण मिडिल ईस्ट में कभी भी स्थिति नियंत्रण से बाहर हो सकती है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **ईरान के प्रॉक्सी और ईरान समर्थित मिलिशिया दूसरे देशों पर लगातार हमला कर बड़े युद्ध का खतरा बढ़ा रहे है, इसलिए क्षेत्र में इन गुटों के हमलों के प्रति नाराज़गी लगातार बढ़ रही है।**
- **सऊदी अरब पर यमन के हूती लड़ाकों (ईरान समर्थित) ने हमले किए हैं। ज्ञातव्य है कि कई दशकों से हूती लड़ाके सऊदी अरब के खिलाफ लड़ रहे हैं। हूती शिया गुट है और सऊदी अरब सुन्नी देश है।**
- **इसके जवाब में सऊदी अरब ने अमेरिका के साथ मिलकर हूती व दूसरे शिया लड़ाकों पर हमले किए, यह एक तरह से सऊदी अरब की सीधी सैन्य कार्यवाही थी, हालांकि, अब खबरें मिल रही हैं कि सऊदी अरब तनाव कम करने की कोशिश कर रहा है। पर, यह इतना आसान नहीं है।**

नई दिल्ली, 31 जुलाई। कई रातों तक एक-दूसरे पर लगातार भारी हमले करने के बाद, अब ईरान और अमेरिका ने सीधे तौर पर एक-दूसरे पर हमला करना बंद कर दिया है। हालांकि, इससे होने वाले नुकसान और खतरे बढ़ रहे है।

इस क्षेत्र के दूसरे देशों पर हो रहे ये हमले, जो मुख्य रूप से ईरान के प्रॉक्सी और ईरान समर्थित मिलिशिया कर रहे हैं, पूरे क्षेत्र में बड़े युद्ध का खतरा बढ़ा रहे हैं। इन ईरान समर्थित समूहों के हमलों के खिलाफ गुस्सा चरम पर है और स्थिति ऐसी बनती जा रही है कि इनके बीच सीधा टकराव हो सकता है

रिपोर्टों के अनुसार, मिस्र के एक बंदरगाह पर दो जहाज़ों पर ड्रोन से हमला किया गया, जिससे भीषण आग लग गई और दोनों जहाज़ों को भारी नुकसान पहुंचा। हालांकि मिस्र के बंदरगाह पर हुए इस हमले की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली है, लेकिन ईरान के विदेश मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि यह इज़रायल के ''फॉल्स फ्लेग ऑपरेशन'' (धोखे से किए गए हमले) हो सकते हैं।

दूसरी ओर, ईरान ने दावा किया कि उसने कुवैत में स्थित अमेरिका के एक बड़े एयरबेस पर हमला किया है, जहां अमेरिकी वायुसेना के महत्वपूर्ण संसाधन मौजूद थे। हालांकि कुवैत ने इस हमले या नुकसान की पुष्टि नहीं की है और न ही अमेरिका ने इसकी पुष्टि की है। साफ तौर पर यह भी देखा जा रहा है कि असल लड़ाई के अलावा, एक तरह का गलत जानकारी फैलाने का अभियान भी चल रहा है।

तथापि, ईरान ने पहले ही देशों की चेतावनी दे दी थी कि अगर किसी देश की जमीन या उसकी सैन्य सुविधाओं का इस्तेमाल अमेरिका ने ईरान के खिलाफ अपने अभियान में किया, तो वह कार्रवाई कर सकता है। इससे पहले सायप्रस द्वीप पर स्थित एक ब्रिटिश सैन्य अड्डे पर हमला किया गया था, जिसमें एयरबेस की कुछ सुविधाओं को नुकसान पहुंचा था।

एक तरह से ईरान ऐसे कदम उठा रहा है, जिनसे इस संघर्ष में मध्य पूर्व के और भी कई देश शामिल हो सकते हैं। ईरान का उद्देश्य इन देशों को डराना और दबाव में लाना है, ताकि वे अपने यहां अमेरिका की सैन्य मौजूदगी और उसकी सुविधाओं को अनुमति न दें।

सऊदी अरब ने ईरान और अमेरिका के बीच चल रही लड़ाई में सीधे शामिल होने से अब तक बहुत सावधानी बरती है। लेकिन यह भी सच है कि सऊदी अरब अपनी जमीन पर अमेरिका के कई बड़े अहम एयरबेस और सैन्य ठिकानों को अनुमति देता है।

सऊदी अरब को सजा देने के लिए ईरान समर्थित समूहों, खासकर यमन के हूती विद्रोहियों, ने जो कई दशकों से सऊदी अरब के खिलाफ लड़ रहे हैं, सऊदी सेना के ठिकानों पर अपने हमले तेज कर दिए हैं। हूती हमलों में सऊदी अरब की कई तेल उत्पादन सुविधाओं को भारी नुकसान पहुंचा है।

इसके जवाब में सऊदी अरब ने अमेरिका के साथ मिलकर इराक में ईरान समर्थित संगठनों, जैसे हूती और शिया लड़ाकों के ठिकानों पर हवाई हमले किए। यह ईरान के सीधे नियंत्रण और समर्थन वाले प्रॉक्सी समूहों के खिलाफ अमेरिका के साथ सऊदी अरब की सीधी सैन्य कार्रवाई थी। हालांकि बाद की रिपोर्टों से पता चलता है कि सऊदी अरब अब तनाव कम करने की कोशिश कर रहा है। लेकिन ऐसा करना जितना आसान लगता है, उतना है नहीं।

राष्ट्रपति ट्रंप अब बेहद मुश्किल स्थिति में फंस गए हैं। यह युद्ध उनकी शुरुआती उम्मीदों से कहीं ज्यादा फैल चुका है। दूसरी ओर, यदि वे अपने किसी भी लक्ष्य को हासिल किए बिना अचानक पीछे हटते हैं, तो उनकी स्थिति पूर्व राष्ट्रपति ओबामा की उपलब्धियों के मुकाबले बहुत खराब दिखेगी।

दो दिन में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिकारियों ने बताया कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ 24 घंटे कार्यरत हैं, ताकि लाखों श्रद्धालुओं की यात्रा सुरक्षित और सुगम हो सके।

एमनैस्टी इंटरनैशनल ने एक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संभवतः रणनीतिक स्वायत्तता, रक्षा विनिर्माण से होने वाले आर्थिक लाभ और इज़रायल के साथ लंबे समय से चले आ रहे संबंधों पर ज़ोर देगी। माना जा रहा है कि यह मुद्दा आगामी चुनावों से पहले भारत की पश्चिम एशिया नीति को लेकर राजनीतिक ध्रुवीकरण को और बढ़ा सकता है।

एमनेस्टी इंटरनेशनल की महासचिव एग्नेस कैलामार्ड ने कहा कि भारत ने ये निर्यात जारी रखे, जबकि इस बात का पूरा खतरा था कि इनका उपयोग कब्जे वाले गाज़ा पट्टी में फ़िलिस्तीनियों के खिलाफ जारी कथित नरसंहार में किया जा सकता है।'' संगठन का तर्क है कि राज्य की जिम्मेदारी से जुड़े अंतरराष्ट्रीय कानून और अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) के उन आदेशों, जिनमें नरसंहार के संभावित जोखिम को स्वीकार किया गया है, को देखते हुए, यदि भारत संभावित गंभीर अंतरराष्ट्रीय कानून उल्लंघनों की जानकारी होने के बावजूद ऐसे सैन्य हस्तांतरण को अनुमति देता है, तो उस पर संलिप्तता का जोखिम बन सकता है। एमनेस्टी ने भारत से ऐसे सभी निर्यात तत्काल रोकने और हथियार नियंत्रण प्रणाली में मानवाधिकार संबंधी सतर्कता (ड्यू डिलिजेंस) को और मजबूत करने की अपील की है।

विदेश मंत्रालय ने इस रिपोर्ट के निष्कर्षों को खारिज करते हुए कहा कि भारत के रक्षा निर्यात राष्ट्रीय नियमों और अंतरराष्ट्रीय दायित्वों के अनुरूप हैं तथा वे पूरी तरह राष्ट्रीय हितों द्वारा निर्देशित हैं। मंत्रालय ने दोहराया कि इज़रायल के साथ भारत के रक्षा संबंध रणनीतिक सहयोग का हिस्सा हैं, जिनमें रक्षा प्रौद्योगिकी और आतंकवाद-रोधी साझेदारी शामिल है, न कि किसी विशेष सैन्य अभियान का समर्थन।

सरकारी सूत्रों के अनुसार, जिन वस्तुओं का निर्यात किया गया, वे मुख्यतः नियंत्रित लाइसेंस व्यवस्था के तहत आने वाले पुर्जे और द्वि-उपयोग (ड्यूल-यूज़) सामग्री हैं। सूत्रों ने यह भी कहा कि 7 अक्टूबर 2023 के हमलों के बाद इज़रायल को आत्मरक्षा का अधिकार है। कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि किसी राज्य की संलिप्तता सिद्ध करने के लिए आमतौर पर यह साबित करना आवश्यक होता है कि उसे विशिष्ट अपराधों को सुगम बनाने का स्पष्ट ज्ञान और मंशा थी। यह कानूनी कसौटी काफी कठोर है और भारत के संदर्भ में अब तक किसी अदालत में इसकी परीक्षा नहीं हुई है। एमनेस्टी की यह रिपोर्ट फ़िलिस्तीन-इज़रायल संघर्ष में हथियारों की आपूर्ति को लेकर वैश्विक स्तर पर बढ़ती जांच और निगरानी को और बल देती है।

अभिजीत दीपके ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पहले ही सीजेपी का कहना था कि यह संशोधन पेपर लीक रोकने के बजाय, लीक होने के बाद सजा देने पर ज्यादा ध्यान देता है। सीजेपी नेता आशुतोष रांका ने एक वीडियो संदेश में कहा था, ''आप पेपर लीक होने के बाद की हर बात कर रहे हैं-चाहे फास्ट-ट्रैक अदालतें हों, कड़ी सजा हो या जुर्माना। लेकिन आपने यह नहीं बताया कि पेपर लीक होने से पहले उसे रोकने के लिए क्या किया जा रहा है।'' उन्होंने केन्द्र सरकार से राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) में सुधार और परीक्षा प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता लाने की मांग की थी। प्रधानमंत्री मोदी पर दीपके का यह ताजा तंज पहला हमला नहीं है। घर लौटने के बाद उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री को राजनीति छोड़कर पूर्णकालिक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर बन जाना चाहिए, क्योंकि उनके देर रात आने वाले सैल्फी वीडियो काफी चर्चा बटोर रहे हैं। दीपके ने कहा था, ''मुझे लगता है कि वे एक इन्फ्लुएंसर के रूप में बहुत अच्छा काम करेंगे। इस भूमिका में वे शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। शायद उन्हें प्रधानमंत्री पद छोड़कर इन्फ्लुएंसर बन जाना चाहिए और देश चलाने की जिम्मेदारी किसी और को संभालनी चाहिए।''

गंगनहर में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होने से श्रद्धालु बीच धारा तक चले गए थे। इसी दौरान गहरे गड्ढे में फंसने से यह हादसा हुआ। सूचना मिलते ही, स्थानीय पुलिस और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंचे। काफी देर तक चले रेस्क्यू अभियान के बाद चारों के शव गंगनहर से बरामद कर लिए गए। एसपी सिटी अभय सिंह ने बताया कि हादसे की सूचना मृतकों के परिजनों को दे दी गई है।

विपक्षी दलों के हंगामे में लोकसभा सोमवार तक स्थगित

नई दिल्ली, 31 जुलाई। लोकसभा में शुक्रवार को विपक्षी दलों के सदस्यों ने प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई और राम मंदिर के चढ़ावा चोरी मामले को लेकर हंगामा किया, जिसके कारण सदन की कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई।

छात्रों पर हुई पुलिस की कार्रवाई को लेकर विपक्ष लगातार केन्द्र सरकार पर हमलावर है। लोकसभा और राज्यसभा में शुक्रवार को भी सत्तापक्ष-विपक्ष में टकराव की स्थिति बनी रही। विपक्ष के हंगामे के चलते राज्यसभा के बाद लोकसभा की कार्यवाही भी 3 अगस्त सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

- **विपक्षी सांसदों ने प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्यवाही तथा राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले पर शोर मचाया।**

'पीओके में अत्याचार के लिए पाकिस्तान जिम्मेवार'

नई दिल्ली, 31 जुलाई। भारत ने विश्व समुदाय से पाकिस्तान अधिकृत जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) में पाक की गतिविधियों की जांच करने और वहां किए जा रहे अत्याचारों के लिए उसे जवाबदेह ठहराए जाने की अपील की है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पत्रकार वार्ता में कहा कि मीडिया जगत को भी पता है कि कैसे पाकिस्तानी प्रशासन पोओजेक में शांतिपूर्ण नागरिकों के खिलाफ बेरहमी से बल प्रयोग कर रहा है। इस कार्रवाई में 40 से ज़्यादा नागरिकों की दुखद मौत हुई है और कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर में संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी के नेतृत्व में जुलाई 2026 के अंत में होने वाले विवादित क्षेत्रीय चुनावों के खिलाफ आर्थिक शिकायतों और राजनीतिक मांगों को लेकर विरोध प्रदर्शन तेज हो गए। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई की है जिसमें 40 से अधिक नागरिक मारे गए।

मुस्लिम समाज ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस दौरान पुलिस भी तैनात रही।

हालांकि, इससे पहले सुबह स्थानीय हिन्दू समाज के लोगों ने इस जमीन को निजी बताकर नमाज के खिलाफ आपत्ति दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि जिस जगह नमाज की अनुमति दी गई है, वह हमारी जमीन है। हम लंबे समय से इस पर खेती करते आ रहे हैं। हम यहां नमाज नहीं होने देंगे। यदि जरूरत पड़ी तो अपने अधिकारों की रक्षा के लिए अदालत का दरवाजा भी खटखटाएंगे। जानकारी मिलते ही एसडीएम राजकुमार हलदर अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और आपत्तिकर्ताओं को समझाइश दी। उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी पूरी सुनवाई होगी, इसके बाद प्रदर्शन शांत हो सका। इधर, कमाल मौला वेलफेयर सोसायटी के प्रतिनिधि अब्दुल समद ने कहा कि खसरा नंबर 611 और 612 की जमीन से कमाल मौला मस्जिद सीधे दिखाई देती है, इसीलिए हम यहां नमाज पढ़ ने के लिए राजी हुए। उन्होंने कहा कि अगले शुक्रवार तक यदि अदालत का कोई नया अंतरिम या अंतिम निर्णय आता है, तो हम और प्रशासन दोनों उसका पालन करेंगे।

पंचायत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जानकारी के अनुसार, हाईकोर्ट की खंडपीठ ने पूर्व में 22 मई के आदेश से राज्य सरकार व चुनाव आयोग को चुनाव प्रक्रिया 31 जुलाई 2026 तक पूरी करने का निर्देश दिया था, लेकिन इस दौरान ही राज्य सरकार ने हाईकोर्ट में पंचायत व निकाय चुनाव का समय बढ़वाने का प्रार्थना पत्र दायर किया। खंडपीठ ने 20 जुलाई के आदेश से चुनाव का समय बढ़ाते हुए राज्य सरकार को पंचायत व निकाय चुनाव 15 नवंबर तक करवाने का निर्देश दिया।

'चुनाव आयुक्त की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संवैधानिक न्यायालय यह मानकर नहीं चल सकते कि कार्यपालिका लोकतांत्रिक मूल्यों के विरुद्ध कार्य करेगी। सरकार ने आगे कहा कि चयन समिति पर सवाल उठाना संसद की विधायी बुद्धिमत्ता और निर्वाचित संस्थाओं में संविधान द्वारा व्यक्त किए गए विश्वास पर संदेह करने के समान होगा।

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत से कहा, ''प्रधानमंत्री के पद की अपनी एक गरिमा और पवित्रता है।'' उन्होंने आगे कहा, ''यदि उनके निर्णय पर भरोसा नहीं किया जा सकता, तो फिर ऐसा प्रावधान क्यों न हो कि वे अपने मंत्रिमंडल का चयन करते समय भी किसी पूर्व न्यायाधीश या बाहरी व्यक्ति से परामर्श लें?''

ये दलीलें न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चन्द्र शर्मा की बैंच के समक्ष प्रस्तुत की गईं। पीठ ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त एवं अन्य निर्वाचन आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई पूरी करने के बाद अपना निर्णय सुरक्षित रख लिया।

भिवंडी में चार मंजिला बिल्डिंग गिरी, 10 की मौत

मुंबई, 31 जुलाई। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में स्थित भिवंडी में चार मंजिला बिल्डिंग हादसे में अब तक 10 लोगों की मौत हो गई है। मृतकों में उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले के एक ही परिवार के चार लोग शामिल हैं। इस घटना में चार घायलों का इलाज इंदिरा गांधी मेमोरियल अस्पताल में हो रहा है।

मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने शुक्रवार को कहा कि इस घटना में मृतकों के प्रति सरकार संवेदनशील है। लेकिन घटनास्थल पर चोरी से मरम्मत का काम हो रहा था, जो कि बहुत ही अक्षम्य है। इस घटना की उच्चस्तरीय जांच करवाई जाएगी और दोषियों को कठोर सजा दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इस घटना में मृतकों के आश्रितों को प्रत्येक 5 लाख रुपये की आर्थिक मदद की जाएगी और घायलों को 50 हजार रुपये की आर्थिक मदद की जाएगी।

एसआईआर : हरियाणा में 33.83 लाख, आंध्र में 44.89 लाख मतदाता घटे

ये कटौती मृत्यु, स्थायी स्थानांतरण, अनुपस्थिति तथा एक अधिक स्थानों पर नाम दर्ज होने के कारण है

नई दिल्ली, 31 जुलाई। हरियाणा और आंध्र प्रदेश में 15 जून से 24 जुलाई तक विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य चला। दोनों राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों ने शुक्रवार को मतदाता सत्यापन के प्रमुख आंकड़े साझा किए हैं। आंकड़ों के अनुसार, हरियाणा में 33.83 लाख और आंध्र प्रदेश में 44.89 लाख मतदाताओं (यानी 16.39 और 10.88 प्रतिशत) का नाम सूची से हटाया गया है। इन मामलों में मृत्यु, स्थायी स्थानांतरण, अनुपस्थिति और एक से अधिक स्थानों पर नाम दर्ज होने जैसी स्थितियां हैं।

- **चुनाव आयोग ने कहा कि 31 जुलाई से 30 अगस्त तक चलने वाली दावे व आपत्तियों की अवधि के दौरान वास्तविक पात्र मतदाता फार्म-6 तथा निर्धारित घोषणा पत्र के आधार पर अपना नाम मतदाता सूची में शामिल करा सकते हैं।**

चुनाव आयोग की ओर से दिए गए आंकड़ों के अनुसार हरियाणा में कुल 1.727 करोड़ (83.61 प्रतिशत) मतदाताओं से गणना प्रपत्र प्राप्त हुए। 24.13 लाख (11.68 प्रतिशत) मतदाता स्थायी रूप से स्थानांतरित, अनुपस्थित अथवा अन्य कारणों से सत्यापित नहीं हो सके। 7.66 लाख (3.71 प्रतिशत) मतदाताओं के निधन की जानकारी मिली, जबकि 2.04 लाख (0.99 प्रतिशत) मतदाता एक से अधिक स्थानों की मतदाता सूची में दर्ज पाए गए।

वहीं, आंध्र प्रदेश में 3.71 करोड़ (89.22 प्रतिशत) मतदाताओं ने अपने गणना प्रपत्र जमा किए। 15.22 लाख (3.66 प्रतिशत) मतदाताओं के निधन की पुष्टि हुई। 22.30 लाख (5.35 प्रतिशत) मतदाता स्थायी रूप से स्थानांतरित, अनुपस्थित अथवा अन्य श्रेणी में पाए गए। इसके अलावा 7.37 लाख (1.77 प्रतिशत) मतदाताओं के नाम एक से अधिक स्थानों पर दर्ज मिले।

निर्वाचन अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिन मतदाताओं के प्रपत्र प्राप्त नहीं हुए, वे आवश्यक नहीं कि सूची से बाहर कर दिए जाएं। ऐसे मामलों में कारण यह हो सकता है कि संबंधित व्यक्ति दूसरे राज्य में मतदाता बन चुका हो, निर्धारित अवधि तक प्रपत्र जमा न किया हो, संबंधित पते पर उपलब्ध न मिला हो या किसी अन्य कारण से पंजीकरण नहीं कराना चाहता हो।

आयोग ने बताया है कि 31 जुलाई से 30 अगस्त तक चलने वाली दावे और आपत्तियों की अवधि के दौरान, वास्तविक पात्र मतदाता फॉर्म-6 तथा निर्धारित घोषणा-पत्र के माध्यम से अपना नाम मतदाता सूची में शामिल करा सकते हैं।

शहज़ाद पूनावाला ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

साझा की, जिसमें वे यह कहते सुनाई दे रहे हैं कि भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो हर व्यक्ति को, उसकी पारिवारिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना, समान अवसर देती है।

वीडियो के साथ उन्होंने लिखा, ''केवल भाजपा ही नरेन्द्र मोदी जी जैसे स्वयं के दम पर आगे बढ़े व्यक्ति को देश का नेतृत्व सौंप सकती है। बाकी दल केवल अपने बच्चों और वंशवाद को आगे बढ़ाते हैं। इसलिए युवाओं के लिए भाजपा आज भी सबसे बेहतर विकल्प है।'' लेकिन इस पोस्ट में उन्होंने भाजपा छोड़ने का कोई उल्लेख नहीं किया। पिछले कुछ दिनों में पूनावाला की एक्स पोस्टों से यह संकेत मिल रहा था कि वे सक्रिय राजनीति से दूरी बनाने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने अपने पुराने साक्षात्कारों की कुछ वीडियो क्लिप बिना किसी कैप्शन के साझा की थीं, जिनमें वे राजनीति छोड़ने की बात करते दिखाई देते हैं।

ऐसी ही एक वीडियो में वे कहते हैं, ''समस्या यह है कि हम राजनीतिक लक्ष्य और चुनावी लक्ष्य को एक ही मान लेते हैं, जबकि दोनों अलग-अलग हैं। यह सोचना एक गलती है कि समाज के लिए मैं तभी योगदान कर सकूँगा, जब मैं कोई चुनाव जीतूँ। यदि मैं सांसद नहीं बनता, तो क्या इसका यह मतलब है कि समाज और राजनीति में मेरा कोई योगदान नहीं है? क्या मुझे अपनी सारी ऊर्जा केवल पद पाने की दौड़ में लगा देनी चाहिए? मेरा मानना है कि हर व्यक्ति को यह सोचना चाहिए कि वह देश के लिए क्या योगदान दे सकता है। कुछ लोग जनप्रतिनिधि बनकर योगदान देते हैं, जबकि कुछ लोग चुनाव तन्त्र के बाहर रहकर भी अपना योगदान देते हैं, समाज की सेवा करते हैं। इसका यह अर्थ नहीं कि वे राजनीति से अलग हो गए हैं।'' उनके सोशल मीडिया के अनुसार, यह वीडियो जनवरी 2025 का है।

वंदे भारत एक्सप्रेस से 'लाइव हार्ट' सुरक्षित पहुंचाया गया

नई दिल्ली, 31 जुलाई। भारतीय रेल ने पहली बार वंदे भारत एक्सप्रेस के जरिए जीवित हृदय (लाइव हार्ट) को सूरत से अहमदाबाद सुरक्षित पहुंचा कर नया इतिहास बनाया है। इस हृदय का प्रत्यारोपण अहमदाबाद के यू.एन. मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी एंड रिसर्च सेंटर में किया जाएगा। लाइव हार्ट को ट्रेन संख्या 20901, मुंबई सेंट्रल-गांधीनगर कैपिटल वंदेभारत एक्सप्रेस से अहमदाबाद लाया गया।

- **सूरत से अहमदाबाद पहुंचे जीवित हृदय का प्रत्यारोपण, अहमदाबाद के यू.एन. मेहता इंस्टीट्यूट ऑफ कार्डियोलॉजी में किया जायेगा।**

पूरा अभियान समय के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण था, क्योंकि हृदय को तय समय के भीतर अस्पताल पहुंचाना जरूरी था। अहमदाबाद रेलवे स्टेशन से अस्पताल तक हृदय को ले जाने के लिए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) और गुजरात पुलिस ने ग्रीन कॉरिडोर बनाया। इससे बिना किसी रुकावट के हृदय को सीधे अस्पताल पहुंचाया गया, ताकि प्रत्यारोपण में देरी न हो।

अहमदाबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक वेदप्रकाश ने इस उपलब्धि को भारतीय रेलवे के लिए गर्व का क्षण बताते हुए कहा कि ऐसे जीवनरक्षक अभियानों में प्रत्येक मिनट महत्वपूर्ण होता है।

वेदप्रकाश ने कहा, इस अभियान की सफलता में भारतीय रेल के विभिन्न विभागों, रेलवे सुरक्षा बल, गुजरात राज्य पुलिस, चिकित्सकों, अंग प्रत्यारोपण समन्वयकों तथा अन्य संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। रेलवे ने कहा कि सभी एजेंसियों के बीच त्वरित और प्रभावी समन्वय के कारण यह चुनौतीपूर्ण मिशन सफलतापूर्वक पूरा किया जा सका।

जयपुर ग्रामीण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सचिव के खिलाफ आदेश दिये और कहा कि वे इस मामले में आवश्यक पक्षकार बने रहेंगे।

यह मामला शुरू से ही इसलिये विवादित रहा, क्योंकि अनिल चोपड़ा मतगणना के दिन दोपहर 1.30 बजे तक भाजपा प्रत्याशी राव राजेन्द्र सिंह से मतों में काफी आगे चल रहे थे। अनिल चोपड़ा के ओर से पैरवी कर रहे अधिवक्ता संजय शर्मा ने बताया कि 19 राउंड की मतगणना के बाद अनिल चोपड़ा लगभग 7500 वोटों से आगे चल रहे थे, परंतु फिर वोटिंग की गणना सही नहीं की गई और चुनाव अधिकारियों द्वारा मतों की गणना के आंकड़े जारी करना भी बंद कर दिया गया। संजय शर्मा ने बताया कि अनिल चोपड़ा की टीम का कहना है कि उन्हें यह भी स्पष्ट रुप से नहीं दिखाया गया कि कितने और किन मतों को किस-किस वजह से निरस्त किया गया।

संजय शर्मा ने इस बात की भी पुष्टि की कि 2024 में हुए चुनावों में चुनाव आयोग ने यह फैसला लिया था कि डाक मतों की गणना पहले की जायेगी और उसके बाद ही इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन से दिये गये मतों की गणना की जायेगी, परंतु जयपुर ग्रामीण के चुनाव में स्पष्ट है कि डाक मतों की गणना नीति के विरुद्ध जाते हुए, ईवीएम से मिले वोटों के बाद में की गई। उन्होंने यह भी कहा कि जिस तरह डाकमतों की गणना की गई है और जिस तरह से वोटों को निरस्त किया गया है, वह चुनाव मतगणना की प्रक्रिया पर कई सवाल उठाता है। उन्होंने कहा कि इसका जवाब तो चुनाव आयोग के अधिकारियों को स्वयं ही देना होगा, इसीलिये अदालत ने उन्हें आवश्यक पक्षकार बनाये रखने का आदेश दिया है।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्सः 01562-256908

KEDIA™
Pavitra

अशुद्ध के विरुद्ध आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

24 कैरेट
अब 18 कैरेट की रेट में !

MRP: ~~₹500~~

आन्दोलन
Celebration Price
₹400

• केडिया पवित्र देशी चक्की आटा •

दुकान हो या सुपरमार्केट
कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ
1800 120 2727

अपने नजदीकी रिटेलर और
Zepto पर उपलब्ध !

ORDER ON WEBSITE | ORDER ON WHATSAPP | ORDER ON APP | ORDER ON ZEPTO

T&C Apply*
MRP ₹ Incl. of all taxes

KEDIA™
Pavitra

अशुद्ध के विरुद्ध आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

भारत का असली प्रोटीन

अनपॉलिश्ड	कम मॉइश्चर	बोल्ड साइज
हाइएस्ट ग्रेड	एक्सपोर्ट क़्वालिटी	सॉर्टेक्स क्लीन्ड
पहली बार ट्रिपल लेयर पैकेजिंग में जिप लॉक के साथ		1 साल की शेल्फ लाइफ

पॉलिश की हुई दाल के नुकसान:

दाल को चमकदार और सुंदर दिखाने के लिए उसे जहरीले केमिकल, नॉन-एडिबल ऑयल या पॉलिशिंग एजेंट से पॉलिश किया जाता है, जिन्हें दालें सोख लेती हैं और ये हमारे शरीर में जाकर लिवर और पाचन तंत्र को नुकसान पहुँचा सकते हैं।

उपलब्ध दालें

• चना दाल • मूंग दाल (छिलका) • मूंग दाल • अरहर / तूर दाल
• उड़द दाल (छिलका) • उड़द दाल • मसूर मलका • मसूर दाल
• काला चना • काबुली चना • हरा चना • हरा मटर • मोठ
• हरा मूंग • राजमा चित्रा • राजमा लाल • राजमा कश्मीरी

दुकान हो या सुपरमार्केट
कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ
1800 120 2727

अपने नजदीकी रिटेलर और
Zepto पर उपलब्ध !

ORDER ON WEBSITE | ORDER ON WHATSAPP | ORDER ON APP | ORDER ON ZEPTO

T&C Apply*
MRP ₹ Incl. of all taxes